जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Dhauli's Painful Waiting

There was a strange restlessness and melancholy in Dhauli's voice that night, the pain and pathos of her voice imparted a spooky appearance to the silver washed night.

Crown Royal Roots

For a royal culinary experience head to the "Crown" nestled beautifully in the Plaza

गुजरात में शेरों के संरक्षण के प्रयास इतने ज्यादा सफल हुए हैं कि, शेरों की बढ़ी हुई आबादी को एडजस्ट करने के लिए एक नया अभयारण्य बनाना पड़ेगा। गुजरात का गीर नैशनल पार्क एशियाटिक लायन प्रजाति का एकमात्र घर है तथा अफ्रीका के बाद गीर ही एकमात्र जगह है जहां शेर देखे जा सकते हैं। इस संकटग्रस्त जीव की संख्या अब काफी बढ़ गई है। गीर में 400 शेर हैं तथा गुजरात के अन्य भागो में तीन सौ। गीर में शेरों की आबादी जरुरत से ज्यादा है। जगह की कमी की वजह से शेर गांवों व तटवर्ती क्षेत्रों का रुख करते हैं। संरक्षणविद् गुजरात सरकार से आग्रह कर रहे हैं कि, शेरों को यहाँ से भारत में अन्य स्थानों पर भेजा जाए ताकि गीर में जो शेर बचे हैं उन्हें पर्याप्त जगह मिल सके। एक ही जगह पर एक ही प्रजाति के बहुत सारे सदस्य हों तो संक्रमण का खतरा बहुत बढ़ जाता है, लेकिन राज्य सरकार इस मांग का विरोध कर रही है। आलोचकों का कहना है कि, गुजरात सरकार शेरों पर एकाधिकार चाहती हैं और उनके हितों की अनदेखी कर रही है। गुजरात सरकार ने वर्ष 2013 के सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की भी अवहेलना की कि, कुछ शेरों को मध्य प्रदेश के अभयारण्यों में भेजा जाए। आदेश में कहा गया था कि, शेरों को संक्रमण से बचाने के लिए ऐसा करना जरुरी है। अब जाकर गुजरात सरकार ने कहा है कि, गीर से कुछ शेर दूसरे स्थान पर भेजे जाएंगे। हालांकि यह जगह, ''बरडा वाइल्डलाइफ सैंचुरी'' भी गुजरात में ही है। इस नए घर में 40 शेर भेजे जाएंगे और इसकी तैयारी चल रही है। वाइल्ड लाइफ कंज़र्वेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष अनीश अंधेरिया का कहना है कि गुजरात सरकार फिर गुमराह कर रही है, वह अन्य राज्यों को शेर देना ही नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि गीर व गुजरात के अन्य स्थानों के शेर पहले ही जगह की तलाश में बरडा पहुंच चुके हैं। अंधेरिया ने कहा कि, नए शेर अभयारण्य के रुप में बरडा के नाम की औपचारिक घोषणा से क्षेत्र को बेहतर फंड और बेहतर प्रबंधन मिल सकता है पर इससे गीर का दबाव कम नहीं होगा। उन्होंने कहा, भारत में शेरों की संख्या बढ़ना अच्छी खबर है पर बेहतर होगा अगर शेरों को देश के अन्य भागों में भी भेजा जाए, इसी से गीर व गुजरात के शेरों को पर्याप्त जगह मिल सकेगी।

'अभी तक 25 सितम्बर के प्रकरण की पूरी जांच क्यों नहीं हुई'

पायलट ने न्यूज 18 के चौपाल प्रोग्राम में यह सवाल कि, 25 सितम्बर को मु.मंत्री गहलोत ने हाई कमान के खिलाफ बगावत की थी तथा विधायक दल की बैठक नहीं होने दी थी, पर, इस पूरे प्रकरण में अभी तक अनुशासनात्मक कार्यवाही क्यों नहीं हुई?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। कांग्रेस नेतृत्व को कठघरे में खड़ा करते हुए, राजस्थान के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने 25 सितम्बर की घटनाओं की जाँच की मांग की है, जब अशोक गहलोत ने कांग्रेस के नेतृत्व के विरूद्ध विद्रोह कर दिया था।

सचिन पायलट जानना चाहते थे कि, पार्टी ने इन्क्वायरी क्यों नहीं की, जब विधानसभा स्पीकर सी.पी. जोशी ने कांग्रेस विधायकों के इस्तीफे यह कहकर खारिज कर दिए कि, इस्तीफे दबाव में आकर दिए गए थे।

सचिन ने पूछा है कि, यह क्या दबाव था, किसका दबाव था और पार्टी नेतृत्व ने यह जानने का प्रयास क्यों नहीं किया कि, उस दिन हुआ क्या था।

- उन्होंने कहा, इसी प्रकार विधानसभाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने बताया था कि, उन्होंने विधायकों के इस्तीफे इसलिये स्वीकार नहीं किये, क्योंकि वे दबाव में दिये गये थे। पर, आज तक यह जांच नहीं हो सकी कि, किसका दबाव था और दबाव लगाने वाले के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं की गयी।
- दिग्विजय सिंह ने इस प्रकरण में टिप्पणी की थी कि, अगर पायलट को कोई शिकायत है या पीड़ा है, तो वे अनुशासन समिति के समक्ष जाते। पायलट ने इस बारे में चौपाल में कहा, ए.के. एंटनी की अध्यक्षता में गठित अनुशासन समिति ने इस प्रकरण में ''नोटिस'' भी जारी किये, तीन आरोपियों को, उनके जवाब भी आये, पर अभी तक आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई।
- पायलट ने यह सवाल भी उठाया कि, उनके व महासचिव अजय माकन के बार-बार कहने के बाद भी, छः महीने बीत जाने के बाद भी विधायक दल की बैठक क्यों नहीं आहूत की गयी।

दिग्विजय सिंह के इस सुझाव पर प्रश्न पूछे जाने पर कि, यदि पायलट को कुछ शिकायतें हैं तो उन्हें अनुशासन समिति के समक्ष जाना चाहिए, पायलट ने ए.के. एन्टनी की अध्यक्षता वाली अनुशासन समिति को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि, राजस्थान में उन तीन लोगों को नोटिस जारी किए गए थे, उनके जवाब भी आएं, लेकिन अभी तक संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

अशोक गहलोत द्वारा सचिन पायलट के लिए गद्दार जैसे शब्दों का प्रयोग करने के मुद्दे पर सचिन पायलट ने कहा, यह उनकी संस्कृति, संस्कार शिक्षा है। उन्होंने कहा, उनकी (पायलट की) परवरिश ऐसी नहीं हुई है कि, अपने से बड़ों को अपशब्द कहें, क्योंकि, एक बार मुँह से निकलने के बाद शब्द वापस नहीं लिए जा सकते।

पायलट ने कहा, यह निर्णय तो नेतृत्व को लेना है कि, पार्टी का नेता कौन होगा, और जहाँ, उन्होंने पार्टी को सत्ता में लाने के लिए पाँच साल काम किया, वरिष्ठ नेताओं सहित सभी नेताओं को साथ में लेकर, वहीं पार्टी नेतृत्व ने गहलोत को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय लिया।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'चीन के ''नैटिज़न'' भारत की तुलना में पाकिस्तान की ओर झुकाव को अव्यवहारिक मानते हैं'

इन ''नैटिज़न्स'' का मानना है कि, पाकिस्तान व भारत में ''गैप'' बहुत बड़ा हो गया है और बढ़ता ही जा रहा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। चीन-भारत के बीच चल रहे सीमा विवाद के बावजूद चीन की जनता की भारत के विरूद्ध कोई दुर्भावना नहीं है। वास्तव में वहां की जनता महसूस करती है कि भारत की सत्ता एक ऐसे नेता के हाथ में है जो विश्व की अन्य शख्सियतों से आश्चर्यजनक रूप से भिन्न है और दोनों देश मित्र बन सकते हैं।

चीन में सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले लोगों का कहना है कि मोदी के नेतृत्व वाला भारत विश्व के बड़े देशों के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है। चाहे वह रूस हो, अमेरिका हो या ग्लोबल साउथ कंट्रीज़, भारत इन सभी के साथ दोस्ताना संबंध रख सकता है।

चीन के मीडिया में मोदी की प्रशंसा की भरमार है। उसने उन्हें एक असाधारण उपनाम ''मोदी लाओक्विज़यान'' दिया है। लाओक्विज़यान का तात्पर्य एक बुजुर्ग अविनाशी व्यक्ति से है, जिसमें कुछ विलक्षण क्षमताएं हैं। यह उपनाम संकेत देता है कि चीन में सोशल मीडिया के आदी लोग ऐसा सोचते हैं कि मोदी अन्य नेताओं से अलग और यहां तक कि अधिक आश्चर्यजनक हैं। वे उनकी ड्रैस और शारीरिक उपस्थिति दोनों को एक लाओक्विज़यान की भांति देखते हैं और उनकी कुछ नीतियां भारत की पूर्व नीतियों से अलग है। अतः ''लाओक्विज़यान'' शब्द मोदी के प्रति चीन के लोगों की मिश्रित भावनाओं को परिलक्षित करता है, जिसमें जिज्ञासा, आश्चर्य और शायद नक चढ़ेपन का समावेश है। चीन में सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले लोगों के विचारों का संकलन बीजिंग के पत्रकार क्यू चुन्शान ने किया है और इन्हें प्रकाशित किया है वॉशिंगटन की एक इन्टरनैशनल ऑनलाइन न्यूज़ मैगज़ीन ''द डिप्लोमैट'' ने।

- इन लोगों का इस प्रश्न का भी अजीबोगरीब जवाब है कि, भारत क्यों पाश्चात्य देशों का प्रिय होता जा रहा है, जबकि चीन पाश्चात्य देशों के निशाने पर है।
- नैटिज़न्स का इस बारे में मानना है कि, भारत इतना विकसित नहीं है कि, भारत पाश्चात्य देशों को चुनौती देने की स्थिति में हो। अतः वे भारत को अपने लिये कोई खतरा नहीं मानते, जबकि विकसित व सक्षम होने के कारण ये देश चीन से आशंकित महसूस करते हैं।
- ये नैटिज़न्स, प्र.मंत्री मोदी से भी काफी प्रभावित हैं तथा वे मानते हैं, भारत के प्रधानमंत्री मोदी विश्व के देशों में बड़ी होशियारी से संतुलन बिठाकर रखते हैं, जो बहुत प्रशंसनीय है।

क्यू चीन के शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से चलने वाले एक रिसर्च प्रोजेक्ट का हिस्सा रह चुके हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत चीन की छवि निर्मित करने में विदेशी मीडिया के प्रभाव की जांच की गई थी। वह लिखते हैं कि ''मैं करीब 20 वर्षों से इन्टरनैशनल मीडिया रिपोर्ट्स पर काम करता आया हूँ, चीन के सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले लोगों द्वारा किसी विदेशी नेता को

(शेष पृष्ठ 7 पर)

सत्तारूढ़ पार्टी ने छठे दिन भी संसद नहीं चलने दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। संसद के दोनों सदन बजट सत्र के दूसरे हिस्से के छठे दिन, सोमवार को भी स्थगित कर दिये गये क्योंकि सत्तारूढ़ भाजपा सदस्य राहुल गांधी द्वारा माफी माँगे जाने के लिये नारेबाजी कर रही थी, शोर-शराबा कर रही थी तथा उधर विपक्ष भी अडानी प्रकरण की जाँच के लिये जॉइन्ट पॉर्लियामैन्ट्री कमेटी (जे.पी.सी.) की माँग पर अड़ा हुआ था।

- दोनों ही सदन पहले दो बजे तक के लिए स्थगित किए गए थे, फिर पूरे दिन के लिए संसद की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

दोनों सदन पहले अपरान्ह 2 बजे तक के लिये तथा उसके बाद, वैसे ही परिदृश्य के चलते, दिनभर के लिये स्थगित कर दिये गये।

गत पूरे सप्ताह भी यही दोनों सदनों का आलम रहा था।

हालाँकि शोर-शराबा दोनों ही पक्षों

(शेष पृष्ठ 7 पर)

'बंद लिफाफों में इन्फॉर्मेशन देना बंद कीजिये'

मुख्य न्यायाधीश ने एटॉर्नी जनरल को झाड़ पिलायी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचड़ ने आज अदालतों में ''सीलबंद लिफाफा व्यवस्था'' का सहारा लेने के चलन पर कड़ा ऐतराज़ जताया तथा एटॉर्नी जनरल द्वारा प्रस्तुत किये गये सीलबंद लिफाफे को स्वीकार करने से इंकार कर दिया। उन्होंने सरकार के सर्वोच्च वकील से कह दिया कि वे या तो इसे पढ़ें या फिर वापस ले जायें।

वन रैंक वन पेंशन (ओ.आर.ओ.पी.) केस की सुनवाई करते समय, मुख्य न्यायाधीश ने अदालतों में पेश किये जाने वाले सीलबंद लिफाफों के प्रयोग के चलन की घोर भर्त्सना की। उन्होंने भारत के अटॉर्नी जनरल द्वारा पेश किये गये उस सीलबंद लिफाफे को स्वीकार करने से इंकार कर दिया, जिसमें पेंशन के भुगतान को लेकर रक्षा मंत्रालय का निर्णय प्रेषित

- सुप्रीम कोर्ट के मु. न्यायाधीश का कहना था कि, यह एक न्यायालय है, अतः पूर्ण पारदर्शिता अनिवार्य है। अतः बंद लिफाफे में जो जानकारी मुझे आप देना चाहते हैं या तो उसे पढ़ कर सबके समक्ष सुनाएं या लिफाफा वापस ले जायें।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

'लिव इन रिलेशनशिप्स के रजिस्ट्रेशन की याचिका गैर जिम्मेदाराना'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को जनहित याचिका में ''गैर जिम्मेदाराना'' बताते हुये खारिज कर दिया, जिसमें लिव-इन-रिलेशनशिफ के रजिस्ट्रेशन की मांग की

- सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने लिव इन रिलेशनशिप्स के रजिस्ट्रेशन के लिए दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि, ''लोग कुछ भी लेकर आ जाते हैं, लोग लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं उसमें केन्द्र सरकार क्या करेगी।''

गई थी। अदालत ने कहा कि इस प्रकार के सम्बंध के लिये कोई नियम या गाइडलाइनें नहीं हैं।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़

(शेष पृष्ठ 7 पर)

सिलिकॉन वैली बैंक को डूबने से बचाने के लिये अमेरिका ने ''पवित्र व पावन'' इकोनॉमिक सिद्धांत तोड़ दिये

अमेरिका का तर्क था, ''पवित्र व पावन'' सिद्धांतों का समय नहीं है, ''व्यवहारिक इकोनॉमिक्स'' का वक्त है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। अमेरिका के नीति निर्माताओं ने संकटों से घिरे सिलिकॉन वैली बैंक को संकट से उबारने के तुरत-फुरत कदम उठाए।

रीयल पॉलीटिक के समानांतर ''रीयल इकोनॉमिक्स'' की संज्ञा दी जा सकती है। रीयल-पॉलीटिक वास्तविक अर्थों में राजनीति करने की कला है और उसी तरह से रीयल इकोनॉमिक्स आर्थिक मुद्दों से वास्तविक तरीके से निबटना है। वर्ष 2007-2009 की वैश्विक वित्तीय मंदी के बाद हमने निश्चित रूप से इसके कुछ उदाहरण देखे हैं, लेकिन 14 वर्ष बाद यह सारी स्मृति कमजोर हो गई है।

साधारण अर्थों में यह किसी आर्थिक आपातकाल से कथित मुक्त व्यापार के दृढ़ सिद्धान्तों के बजाए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण रखकर निबटना है।

- पर, जब एशिया या अन्य ''थर्ड वर्ड'' के देश (जैसे पाकिस्तान, श्रीलंका आदि) अपने ऋण चुकाने में सफल नहीं हो रहे तो, आई.एम.एफ. व अन्य अमेरिका द्वारा संचालित व नियंत्रित अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं, बहुत ही कड़े व शर्मिन्दा करने वाले नियम-कायदों की बात कर रहे हैं।
- आशा है इस ''रियल इकॉनमी'' (व्यवहारिक अर्थ नीति) में सामयिक रद्दोबदल से भारत भी कुछ सीखेगा।
- ''फिस्कल प्रूडैन्स'' इकॉनमी के सभी बैंकिंग नियम कायदों की पूर्ण क्रियान्विति के चक्कर में भारत के वित्त मंत्री ने इतने सख्त ''ब्रेक'' लगा दिये थे कि, पूरी इकॉनमी ही चरमरा कर रूक सी गयी थी।
- छोटा सा उदाहरण है, सिलिकॉन वैली बैंक के मामले में अमेरिका ने सार्वजनिक घोषणा की कि, डिपॉजिटर्स को सारा पैसा तुरंत मिलेगा, जब वे बैंक से पैसा निकालने जायेंगे। आम तौर पर बैंक के फेल होने की संभावना में इंश्योरैंस के नियम एक सीमा बांध देते हैं कि, डिपॉजिटर को कितना पैसा मिलेगा तुरंत। इससे घबराहट पैदा होती है तथा डिपॉज़िटर भगदड़ मचा देते हैं, पैसा निकालने की होड़ में। पर, अगर उसे पूरे पैसे मिलने की गारंटी तुरंत मिलने की सरकारी घोषणा होती है, तो पैसा निकालने वालों की भगदड़ अपने आप खत्म हो जाती है।
- क्या हिन्दुस्तान से कम से कम बैंक ऐसी घोषणा नहीं कर सकते, संकट के समय?

मुक्त व्यापार अर्थव्यवस्था के मक्का माने जाने वाले अमेरिका में ऐसे उच्च सैद्धान्तिक मापदण्डों का कई बार उल्लंघन होता आया है, जिसमें इसे मानने वालों ने विकासशील देशों की उनके संकट के समय में सहायता की जिसे वॉशिंगटन सर्वानुमति'' के नाम से जाना गया।

वॉशिंगटन सर्वानुमति ने आर्थिक संकट का सामना कर रहे देशों को ऋण देने के लिए मितव्ययता बरतने की शर्तें रखीं। उदाहरण के तौर पर हाल ही कुछ देश चीन से विशालकाय ऋण लेने के बाद एक तरह से दिवालिया हो गए हैं। इन देशों पर यह दबाव डाला जा रहा है कि वे मितव्ययता के व्यापक उपाय करें।

तथापि, पिछले गुरुवार को जब सिलिकॉन वैली बैंक के जमाकर्ताओं ने अपनी रकम निकालनी शुरु की तब अमेरिका के केन्द्रीय बैंक और अमेरिकी सरकार ने इसके डूबने के प्रति उदासीन

(शेष पृष्ठ 7 पर)

दिल्ली में किसानों की विशाल रैली, एक और आंदोलन की चेतावनी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 मार्च। हजारों की संख्या में किसान सोमवार को संसद भवन से 5 किमी दूर स्थित रामलीला मैदान में एकत्रित हुये तथा उन्होंने धमकी के स्वर में कहा कि अगर सरकार ने उनकी माँगे, जिनमें मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) को लेकर कानून,

- संसद भवन से 5 किलोमीटर दूर रामलीला मैदान में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसानों की बड़ी सभा हुई, बाद में किसानों ने केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

जागृवी
सख्त मल (कब्ज) व पेट की परेशानियों का आयुर्वेदिक उपचार

www.jagraviherbal.com

विचार बिन्दु

व्यस्त मनुष्य को आंसू बहाने का अवकाश नहीं। –बायरन

आधुनिक जीवन शैली का समाज पर प्रभाव

सभ्यता के प्रारंभ से जीवन शैली में बदलाव निरंतर होता रहा है। पिछले 30 वर्षों में, विशेष रूप से 1991 के उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियों के कारण जीवन शैली में बहुत तेजी से बदलाव आया है, जिसका समाज पर भी व्यापक रूप से प्रभाव पड़ा है।

स्वतंत्रता के बाद पहले कुछ दशकों तक मितव्ययिता को एक प्रमुख महत्वपूर्ण गुण माना जाता था। बचपन से ही बचाने का गुण विकसित करने के उद्देश्य से बच्चों को गुल्लक दी जाती थी जिसमें वे अपनी पॉकेट मनी में बचत करके जमा करते थे। बड़ों में में बचत को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारों द्वारा कई प्रकार की प्रोत्साहन योजनाएं चलाई जाती थीं। बचत को, एक प्रकार से, किसी भी मध्यम वर्गीय परिवार द्वारा भविष्य की सुरक्षा की गारंटी के रूप में भी देखा जाता था। बच्चों की पढ़ाई हो, उनका विवाह हो या और किसी सामाजिक दायित्व का निर्वहन हो, बचत को सदैव उपयोगी माना जाता, विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों में। वैसे भी जब हम जीवन शैली का समाज पर प्रभाव का विश्लेषण कर रहे हैं तो सर्वाधिक प्रभाव को मध्यवर्गीय समाज पर ही हुआ है। अत्यधिक उच्च वर्ग पर और निम्न पर इसका विशेष प्रभाव नहीं हुआ है। उदारीकरण एवं वैश्वीकरण के कारण विश्व के अन्य देशों में बनने वाले उत्पादों की उपलब्धि देश में बढ़ने लगी वस्तुओं की प्रकृति और उसकी गुणवत्ता में तेजी से बदलाव आया। पहले जहां वस्तुओं की उपलब्धि सीमित मात्रा में जिसे कारण पहले विक्रेताओं का प्रभुत्व था वहीं वस्तुओं की प्रचुर मात्रा में उपलब्धि के कारण यह अब *सेलर्स मार्केट* में बदल गया है। पुरानी पीढ़ी के लोगों को याद होगा कैसे गैस अथवा टेलीफोन कनेक्शन लेने के लिए सालों इंतजार करना पड़ता था। इस हेतु सांसदों और विधायकों का कोटा निर्धारित होता था। राजस्थान के उदयपुर शहर में बजाज स्कूटर की बुकिंग हेतु इतनी अधिक भीड़ हो गई कि भगदड़ मचने से कुछ लोग जीवन से हाथ खो बैठे थे। धीरे-धीरे समाज उपयोग से उपभोक्तावाद की ओर बढ़ गया है। पहले लोग जहां आवश्यकता के अनुसार वस्तुएँ खरीदते थे अब कई बार केवल दिखाने के लिए ऐसा करने लगे हैं, चाहे उसकी आवश्यकता न भी हो बाजार की संस्कृति अत्यधिक हावी होती चली गई। इसी कारण बचत की प्रवृत्ति कम हुई है। हाल ही में सरकार द्वारा आयकर कानून में लाए बदलाव के बाद, बचत की रही सही प्रवृत्ति भी प्रवृत्ति भी समाप्त हो जाएगी। सरकार के निर्णय का आशय यही है कि जितना अधिक खर्च कर सकें, उतना करें। यदि आपके पास पैसा नहीं भी है तो विभिन्न कंपनियां आपको कर्जा देने को तैयार बैठी हैं। फिर चाहे उसकी किश्तों को चुकाने में आपको शोषण का शिकार ही क्यों ना होना पड़े। वर्तमान समाज में *आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया* वाली कहावत चरितार्थ हो रही है।

बढ़ते खर्चे के कारण पति-पत्नी दोनों ने काम करना प्रारंभ कर दिया। आजकल एक प्रकाश से आवश्यक सा हो गया है कि पति पत्नी दोनों ही पूर्णकालिक काम पर अपने आप को लगाएं। इसके कारण बच्चों की परवरिश के लिए जितना समय पहले मिलता था वह समाप्त हो गया है। एकाकी जीवन जीने के लिए वे बाध्य हो गए हैं माता-पिता दोनों कार्य पर चले जाएं और छोटे बच्चे घर पर हैं वे या तो या तो वे आया के भरोसे पलते हैं या फिर उन्हें किसी creche' में डाल दिया जाता है। बच्चे प्रारंभ में ही मां की ममता और वात्सल्य से वंचित रहेंगे तो आगे चलकर इसका प्रभाव निश्चित रूप से उनके मानसिक विकास पर देखा पड़ता है।

बच्चों का माता-पिता के साथ प्रारंभ के कुछ साल न बिताने का ही परिणाम है कि उनका लगाव नगण्य होता है जिसके फलस्वरुप घर के बड़े बुजुर्गों के लिए बड़ी संख्या में वृद्ध आश्रम खोलने पढ़ रहे हैं। पहले संयुक्त परिवार होते थे, क्योंकि अधिकांशतः बच्चे अपने पिता के स्थानीय काम में भागीदार बन जाते, चाहे वह खेती हो कोई दुकान अथवा और कोई छोटा-मोटा व्यवसाय। अब कृषि भूमि पर दबाव बढ़ने के कारण और रोजगार के पर्याप्त साधन अपने गांव में उपलब्ध नहीं होने के कारण युवाओं को अपना घर छोड़कर बाहर किसी दूसरे शहर में जाने हेतु मजबूर होना पड़ता है। सीमित परिवारों के कारण घर एक या दो ही बच्चे होते हैं। इसके कारण, परस्पर सहयोग, सहकार की भावना जिस प्रकार संयुक्त परिवारों में बचपन से विकसित होती थी, उसके अवसर कम होते गए हैं। कुछ दशक पूर्व तक भाइयों के परिवार एक साथ रहते और यही पता नहीं होता था कि सगा भाई-बहन है अथवा चचेरा। सभी एक साथ रहते खाते, पढ़ते, खेलते थे अब ऐसे परिवारों की अवधारणा केवल किताबों में सिमट रह गई है। सामूहिक रूप से रहने की एवं एक-दूसरे के कष्ट में सहायता हेतु सदैव तत्पर रहने का जो भाव रहता था, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

आधुनिक तकनीक ने सामूहिक सह अस्तित्व के भाव को लगभग समाप्त कर दिया है। आजकल यह एक सामान्य दृश्य है कि यदि कोई पारिवारिक समारोह भी होगा तो उसमें सभी व्यक्ति (छोटे-बड़े), अपने-अपने मोबाइल पर व्यस्त रहते हैं। मोबाइल पर व्यर्थ होने वाला समय सामाजिकता के अवसर को कम ही करता है। समाज एकल परिवारों में बंट कर रह गया है और इस कारण सामुदायिक भावना समय कम होती गई। आधुनिक जीवन शैली का प्रभाव, पारंपरिक त्योहारों पर भी पड़ा है। अलग-अलग ऋतु के अनुसार हमारे यहां त्योहार मनाए जाते रहे हैं और कई बार स्वादिष्ट व्यंजन, पापड़, बड़ी, पापड़ी, आलू चिप्स, मंगोड़ी आदि महिलाएं मिल-जुल कर बनाती थीं। बहु मंजिला इमारतों के समय में न तो साथ बैठकर बनाने के लिए स्थान उपलब्ध है न खाने के लिए।

> **आधुनिक जीवन शैली का सबसे बड़ा बुरा प्रभाव तो बच्चों एवं बुजुर्गों पर पड़ा है क्योंकि इन दोनों के लिए कामकाजी माता-पिता के पास कोई समय नहीं है। सभ्यता के विकास के साथ होना तो यह चाहिए था कि हम पश्चिम की कुछ अच्छी बातों को ग्रहण करते और अपने पुराने संस्कारों को बचाए रखते। किंतु दुर्भाग्यवश हुआ यह कि, हमने पश्चिम की विकृत प्रवृत्तियों को तो अपना लिया और अपने अच्छे संस्कारों को छोड़ दिया।**

आधुनिक जीवन शैली का सबसे बड़ा बुरा प्रभाव तो बच्चों एवं बुजुर्गों पर पड़ा है क्योंकि इन दोनों के लिए कामकाजी माता-पिता के पास कोई समय नहीं है। सभ्यता के विकास के साथ होना तो यह चाहिए था कि हम पश्चिम की कुछ अच्छी बातों को ग्रहण करते और अपने पुराने संस्कारों को बचाए रखते। किंतु दुर्भाग्यवश हुआ यह कि, हमने पश्चिम की विकृत प्रवृत्तियों को तो अपना लिया और अपने अच्छे संस्कारों को छोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप तकनीकी के दुष्प्रभाव से स्वयं को बचाने के संस्कार बच्चों में विकसित नहीं हो पाए। आजकल जन्म लेते ही बच्चा मोबाइल को अपना सबसे बड़ा साथी मानने लगा है और ऐसा में मांएं भी जिम्मेदार हैं। अब तो माँ के बजाय मोबाइल को प्राथमिकता देने लगा। मोबाइल पर जिस प्रकार के खेल अधिकांश खेलते हैं उनसे हिंसक प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है। आजकल की जीवन शैली का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यौनिक हिंसा की बढ़ती घटनाएं हैं। युवाओं में सहिष्णुता तो जैसे समाप्त ही हो गई है।

आधुनिक जीवन शैली में महिलाओं के सशक्तिकरण का तात्पर्य यह मान लिया गया कि वे बाहर जाकर काम करें, परिवार और बच्चों पर अधिक समय ङव्यर्थङ नहीं करें क्योंकि यह बेकार का काम है। तथाकथित बराबरी की आड़ में उन्होंने हर उस काम को कमजोर करने की निशानी मान लिया है जो परिवार में सामंजस्य, सहयोग के लिए किया जाय। के बड़ों का अनादर करना सशक्तिकरण का अर्थ मान लिया गया है। किसी भी बात को बिना तार्किक आधार के स्वीकार नहीं करना एक बात है और अपनी भाषा की मर्यादा छोड़कर बड़ों से बात करना अलग बात है। आधुनिकता का समाज पर प्रभाव यह भी है कि भाषा की मर्यादा कम हुई है। घरों में आजकल जिस प्रकार मर्यादा विहीन भाषा का प्रयोग होता है वह भी आधुनिक शैली का एक प्रभाव है।

पहले जहां विवाह समारोह तीन-चार दिन चलते थे, इसके बावजूद बहुत कम खर्च होता था, वहीं आजकल तड़क-भड़क और दिखावे पर अधिक जोर हुआ है। जिनकी हैसियत नहीं है उन्हें भी कर्जा लेकर विवाह समारोह पर अनावश्यक खर्चा करना पड़ता है। समाज में गैर बराबरी बढ़ने के साथ ही संपन्न वर्ग अपने से कमजोर लोगों को अपनी संपन्नता का अह्सास कराने के इन समारोहों को अच्छा अवसर मानता है।

एक लाभ आधुनिकता का हुआ है। जहां स्त्रियों को केवल वस्तु माना जाता था वहां उन्हें अब इंसान अवश्य माना जाने लगा है। पहले के जमाने में स्त्रियों को शास्त्रों में तो अनुसार पूजनीय माना गया किंतु व्यवहार उनके साथ उसी प्रकार का होता था जैसे वह उनकी खरीदी हुई गुलाम हो।

गत कुछ वर्षों में, आईटी के क्षेत्र में अनेक युवतियों ने प्रवेश किया है, जिसके कारण वे आर्थिक रूप से सक्षम हुई हैं, किंतु साथ ही मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने के कारण विदेशों के समय अन्तर ले के चलते देर रात तक काम करना पड़ता है। इसके कारण समाज में मिलने-जुलने की प्रवृत्ति बहुत कम हुई है। पहले जहां किसी मित्र या परिजन के यहां जाना होता, तो सीधे ही उसके घर पहुंच जाते थे। समय लेने की औपचारिकता नहीं होती थी। एक मोहल्ले में गए, कोई मिल गया तो ठीक और जो नहीं मिल गए तो कोई बात नहीं, कोई और तो मिल ही जाता था। दरवाजे पर दस्तक देकर यदि कोई आ जाता तो उसका पूरी गर्माहट से स्वागत होता था। आजकल तो बिना फोन पर समय निश्चित बिना मिलना सम्भव ही नहीं है। यदि कोई बिना बताए पहुंच जाए तो उसके प्रति इस प्रकार का भाव दर्शाया जाता है जैसे आने वाले ने कोई अपराध कर लिया हो। एक कमरे में या छोटे घरों में भी बड़ी आसानी से कई लोग रह लेते थे। आजकल कई कमरों वाला घर होते हुए भी रिश्तेदारों को होटल में ठहराना चाहते हैं। रिश्तेदारों में त्योहारों का अर्थ केवल गिफ्ट का लेन-देन बन कर रह गया है। कुछ रिश्ते तो भविष्य में केवल इतिहास ही बनकर रह जाएंगे। पहले लगभग हर व्यक्ति के पास चाचा, ताऊ, ताई, चाची, मामा-मामी, बुआ, फूफा, मौसा, मौसी हुआ करते थे। आजकल सब रिश्ते केवल अंकल आंटी तक सीमित होकर रह गए हैं। कई बार तो ऐसा लगता है कि जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति के कारण विवाह जैसी संस्था पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।

आधुनिक संस्कृति का हमारे त्योहारों पर भी बहुत असर पड़ा है। दिवाली पर मिट्टी के दिए जलाना लगभग समाप्त हो गया है। अब तो चीन में बने हुए एलईडी लाइट से ही दिवाली मनाने की औपचारिकता पूरी कर लेते हैं। पहले जहां होली पर अरारोट की गुलाल बनाई जाती थी वहीं आजकल रासायनिक गुलाल लोग बनने लगी है जिससे त्वचा खराब होने के डर से लोगों ने होली खेलना बहुत कम कर दिया है। आजकल मोहल्लों में खेलने वालों की टोलियाँ बहुत कम दिखती हैं। गत कुछ वर्षों से बहुमंजिला इमारतों में पुनः एक बार ङसोसायटी कल्चरङ प्रारंभ हुआ है।

राजनीति के क्षेत्र में भी प्रचार का तरीका पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां घर-घर जाकर प्रचार, पर्चे बांट कर एवं गलियों-मोहल्लों में सभा की जाती थी, वहीं आजकल इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के कारण स्वरूप ही बदल गया।

गत दो-तीन दशकों में विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय का महत्व कम हो गया है और कोचिंग संस्थान अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए हैं। यह कहना सही होगा कि कोई भी क्षेत्र हो, अब उसमें पूर्णतया व्यावसायिकता का प्रवेश हो गया है। पहले जहां चिकित्सा और शिक्षा में लोग मानवता की सेवा के लिए आते थे थे वहीं आजकल ये जल्दी पैसा कमाने के साधन बन गए हैं। पैसा कमाने की होड़ में लोगों ने नैतिकता, मानवीयता, सब को ताक पर रख दिया है। समाज में पैसे की प्रतिष्ठा पहले से कहीं अधिक हो गई है। पहले जहां सद्व्यवहार और ज्ञान पर अधिक बल दिया जाता था और उसे प्रतिष्ठा भी मिलती थी, वहीं ये आजकल जीवन में आगे बढ़ने के मार्ग में बाधक माने जाने लगे हैं। आधुनिक जीवन शैली का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह हुआ कि मनुष्य का प्रकृति से संबंध विच्छेद ही हो गया है। आजकल के बच्चों के लिए प्रदूषण के कारण आकाश में रात को सितारे देखना संभव ही नहीं है। फल सब्जियों एवं अन्य खाद्य पदार्थों को कृत्रिम रूप से बड़ा और अच्छा दिखाने की होड़ में कई प्रकार के रासायनिक तत्वों का उपयोग होने लगा है, जिसके कारण के कारण कई प्रकार की बीमारियां विशेषकर कैंसर में बड़ी तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

कहा जा सकता है कि आधुनिक जीवन शैली जो वरदान सिद्ध हो सकती थी, मनुष्य के लोभ और स्वार्थ के कारण समाज के लिए अभिशाप बन कर रह गई है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

पं भवानी सहाय शर्मा जी की जयंती दिवस 21 मार्च के संदर्भ में सादर श्रद्धांजलि

स्वतंत्रता सेनानी: पं. भवानी सहाय शर्मा

डॉ. डी. सी. मीना

पहलवानी का शौक रखने वाले एवं 'शेर-ए-राजस्थान' के नाम से प्रसिद्ध पंडित भवानी सहाय शर्मा का जन्म माता जीवनी एवं पिता श्री रामचन्द्र शर्मा के यहां अलवर जिले के राजगढ कस्बे में 21 मार्च 1909 को हुआ। इनके पिता पंडित रामचन्द्र रेल विभाग में बांदीकुई कस्बे में गार्ड के पद पर कार्यरत थे।

भवानी सहाय ने प्रारंभिक शिक्षा राजगढ में तथा मिडिल तक की शिक्षा बांदीकुई से प्राप्त की। मिडिल परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात आगे की शिक्षा प्राप्त करने हेतु दिल्ली के रामजस कॉलेज में दाखिला लिया। उनका परिचय कैलाशपति नामक क्रांतिकारी से हुआ।

हिन्दुस्तान सोशियलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) दल में अनुशासन एवं गोपनीयता के नियम बहुत कठोर थे। पं. भवानी सहाय को लगातार छः माह तक उक्त दल की कठिन परीक्षा से गुजरने के पश्चात ही दल में शामिल किया गया। गोपनीयता के नियम के तहत उन्हें प्रत्येक जगह अलग-अलग नाम से जाना जाता था। उनकी गतिविधियों पर गुप्तचर एजेंसियों को संदेह होने लगा तो उन्होने छात्रावास छोड़ दिया और कमरा किराये पर लेकर रहने लगे। दल की ओर से पं. भवानी सहाय को दिल्ली आने-जाने वाले सदस्यों के आवास एवं सुरक्षा का काम सौंपा गया था। सन् 1927 में पं. भवानी सहाय को हिन्दुस्तान सोशियलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) की दिल्ली शाखा का सहायक ऑर्गेनाइजर नियुक्त किया गया। जब लाहौर षडयंत्र केस में जयदेव कपूर की गिरफ्तारी हुई तो जयदेव कपूर के कोट की जेब से भवानी सहाय का नाम एवं पता लिखा एक पर्चा मिला। इस पर्चे में अंकित पते पर पहुंचकर पुलिस निरीक्षक पं. भवानी सहाय के भाई श्री देवी सहाय को लेकर पं. भवानी सहाय के पते पर दिल्ली पहुंचे जहां पुलिस निरीक्षक ने पं. भवानी सहाय से गम्भीर पूछताछ की लेकिन वो अपनी चतुराई से बच गये तथा पुलिस निरीक्षक ने उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया।

जब बड़े भाई को पं. भवानी सहाय की क्रांतिकारी गतिविधियों के बारे में पता चला तो उन्होने यह राह छोड़कर घर बसाने की सलाह दी तो पं. भवानी सहाय ने उत्तर दिया कि "अब मेरे जीवन का एक ही लक्ष्य है भारत माता को आजाद कराना।"

पं. भवानी सहाय की निष्ठा एवं समर्पण से चन्द्रशेखर आजाद अत्यधिक प्रभावित थे। इसलिए आजाद ने उन्हे स्वंय पिस्तौल चलाना सिखाया। तकनीकी रूप से दक्ष होने के कारण पं. भवानी सहाय सभी तरह की पिस्तौलों की मरम्मत के अलावा मोटर एवं मोटर साईकिल की मरम्मत का काम भी जानते थे। अतः उनको महत्वपूर्ण कार्य सौंपे गये। पं. भवानी सहाय अपने साथियों के साथ दिल्ली के समीप नलगढ में हथियारों का प्रशिक्षण प्राप्त करते थे। मवाना (मेरठ), टाटेरी (बागपत), हापुड, बलूचपुर इत्यादि पं. भवानी सहाय के गुप्त सुरक्षित ठिकाने थे। पं. भवानी सहाय प्रथम बार 28 अगस्त, 1931 को दिल्ली षडयंत्र केस के फरार क्रान्तिकारी के रूप में गिरफ्तार किये गये लेकिन प्रशासनिक एवं वित्तीय कारणों से मुकदमा ना चलाकर धारा 110 सीआरपीसी का मुकदमा बनाकर 10,000 रूपये की जमानत पर रिहा कर दिया। इसी दौरान लोथेन ट्रेन आउटरेज केस में इनकी संदिग्ध भूमिका के आधार पर 26 फरवरी, 1932 को उन्हें "स्पेशल पावर आर्डिनेंस" की धारा 3 में हिरासत में लिया गया।

हरबंधु पार्टी के कलकत्ता, इलाहबाद, मेरठ, पंजाब एवं दिल्ली में होने वाली क्रान्तिकारी गतिविधियों से भी संबंध थे। इन सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए इनकी गिरफ्तारी को जारी रखने हेतु 22 फरवरी 1932 को दिल्ली के सी.आई.डी. के पुलिस अधीक्षक ने दिल्ली के उपायुक्त को पत्र लिखा कि पं. भवानी सहाय उर्फ रामनाथ उर्फ रामप्रसाद पुत्र श्री पं.रामचन्द्र ब्राहम्ण निवासी राजगढ रियासत अलवर को 'रेगुलेशन-।।। ऑफ 1818' के तहत गिरफ्तार किया जाये, इसकी गिरफ्तारी के लिए जो सामग्री तैयार की गई वह दिल्ली पुलिस अधिकारी मिस्टर पील द्वारा की गई।

उपायुक्त ने 18 मार्च 1932 को डायरेक्टर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन मिस्टर बामफोर्ड को लिखा कि क्या भवानी सहाय के विरूद्ध तैयार सामग्री दो जिला न्यायाधीशो को संतुष्ट करने के लिए पर्याप्त है। इसके जवाब में दिनांक 26.03.1932 को डायरेक्टर ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (डी.आई.बी.) के प्रमुख मिस्टर बामफोर्ड ने अपनी विस्तृत गुप्त रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी। मिस्टर बामफोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि पं. भवानी सहाय के खिलाफ जो रिपोर्ट मिस्टर पील द्वारा तैयार की गई थी वह पाँच आतंकवादियों के बयानों पर आधारित थी। इन पाँच आतंकवादियों के बयानों के आधार पर मिस्टर पील द्वारा रिपोर्ट तैयार की गई।

पुनः कैलाशपति और ओमप्रकाश दोनों ने अपने बयानों में उल्लेख किया है कि पं. भवानी सहाय ने दिल्ली में 25.01.1930 को "द फिलास्फी ऑफ द बम" शीर्षक वाले पत्रकों का वितरण पार्क में किया था।

दिल्ली, संयुक्त प्रांत, पंजाब और बम्बई में इस संगठन की गतिविधियों को देखा जा सकता है। 26 जनवरी 1932 को हिन्दुस्तान सोशियलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) के पर्चे (पम्पलेट) तथा अन्य गतिविधियों के लिए दिल्ली षडयंत्र मामले में फरार लोगों की गतिविधियों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जिनमें भवानी सहाय, यशपाल, काशीराम और हंसराज प्रमुख हैं। इनमें यशपाल और काशीराम को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बामफोर्ड की रिपोर्ट पर गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने टिप्पणी की, कि भवानी सहाय के खिलाफ मामला बहुत मजबूत है जो मैने देखा है उससे कहीं ज्यादा मजबूत है। मैं मिस्टर बामफोर्ड के द्वारा लिखे गये सभी तथ्यों से सहमत हूँ और भवानी सहाय के खिलाफ "रेगुलेशन-।।। ऑफ 1818" के मामले को दर्ज करने में मुझे कोई हिचकिचाहट नही है जो जीवन भर के लिए जेल में नहीं रहने के लिए बेहद भाग्यशाली है। दो हत्याओं के प्रयास के अलावा वह व्यवहारिक रूप से दिल्ली के षडयंत्रकारियों द्वारा किये गये सभी अपराधों में शामिल रहा है। मेरी राय में कोई भी सत्र न्यायाधीश उक्त प्रस्ताव की सहमति के अलावा कोई अन्य निर्णय संभवतः नही दे सकता।

पं. भवानी सहाय के मामले में दो जिला न्यायाधीशो की राय लेने का आदेश दिया गया जो या तो पंजाब से हो या बंगाल से। भारत सरकार ने 5 अप्रेल 1932 को पंजाब सरकार को लिखा कि प्रसिद्ध क्रांतिकारी भवानी सहाय जो कि आपातकालीन शक्तियों के अध्यादेश (इमरजेंसी पावर आर्डिनेंस) की धारा 3 के तहत 25 अप्रेल 1932 तक हिरासत में हैं। डायरेक्ट्रेट ऑफ इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो द्वारा भवानी सहाय पर "रेगुलेशन-।।। ऑफ 1818" के तहत कार्यवाही प्रस्तावित है। दिल्ली प्रशासन द्वारा न्यायाधीश उपलब्ध करवाना सम्भव नही हैं। अतः पंजाब सरकार अतिशीघ्र दो जिला न्यायाधीशो की सहमति प्राप्त कर भिजवाये। इसके प्रत्युत्तर में लाहौर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोर्डन वाल्कर ने दिनांक 18.04.1932 को रिपोर्ट की कि, "मेरे सामने उपलब्ध सबूतों के आधार पर मैं संतुष्ट हूँ कि भवानी सहाय क्रांतिकारी साजिश का सदस्य है और उसके बड़े होने से राज्य को खतरा है।" दिल्ली के चीफ कमिश्नर ने केन्द्रीय गृह सचिव को 28 अप्रैल 1932 को पत्र लिखकर प्रार्थना की– दिल्ली की जेल में राज्य कैदी के लिए सुविधाओं का अभाव है एवं भवानी सहाय एकांतवास से गुजर रहे हैं तथा इस जेल में दिल्ली षडयंत्र केस के विचाराधीन कैदियों से इनका संवाद स्थापित हो सकता है इसलिए इनको अन्यत्र जेल में स्थानान्तरित किया जावे जिस पर गृह विभाग द्वारा पंजाब में चल रहे गदर आन्दोलन एवं बंगाल में चल रही क्रान्तिकारी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से वहां न भेजकर भवानी सहाय को 22 फरवरी 1933 को इनके निवास स्थान की निकटता को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश स्थित नैनी जेल में भेजा गया।

3 अगस्त 1933 को भवानी सहाय ने गर्वनर जनरल को पत्र लिखकर निवेदन किया कि उन्हें बिना ट्रायल के संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। देश की राजनीतिक परिस्थितियां बदल रहीं हैं तथा प्रतिदिन निर्दोष बन्दियों को रिहा किया जा रहा है तथा प्रार्थी का स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है। 29 जनवरी 1934 को जेल अधीक्षक ने आई.जी. जेल उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर कहा कि पिछले 06 माह से उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है।

भवानी सहाय के भाई देवी सहाय ने महात्मा गांधी को भवानी सहाय को रिहा करवाने के संबंध में लिखे गये पत्र के प्रत्युत्तर में महात्मा गांधी ने 24 फरवरी 1938 को पत्र द्वारा लिखा कि "भाई देवीसहाय, सब कैदियों के लिए मेरी कोशिश तो चल रही है"। इसी क्रम में 25 मार्च 1938 को विधानसभा में मोहन लाल सक्सैना द्वारा तीनों राज्य कैदियों श्री ज्वाला प्रसाद शर्मा, श्री वैशम्पायन एवं भवानी सहाय शर्मा की रिहाई के संबंध में उठाये गये प्रश्न के उत्तर में सरकार द्वारा जवाब दिया गया कि "जब तक लोकहित में उचित समझा जाएगा इनको हिरासत में रखा जायेगा"। अंग्रेजों द्वारा उक्त कैदियों की रिहाई के लिए अनुचित मांगों को नहीं मानने पर 11 जनवरी 1939 को लाल बहादुर शास्त्री ने दिल्ली जेल में भवानी सहाय को पत्र लिखकर उनके साहस की प्रशंसा की, साथ ही रिहा नहीं होने पर दुख भी प्रकट किया। उन्होंने सुझाव दिया कि वर्तमान परिस्थितियों में अहिंसा के द्वारा ही कार्य हो सकता है।

जेल में भवानी सहाय के साथ अजमेर के श्री ज्वाला प्रसाद शर्मा एवं झांसी के श्री वी. वैशम्पायन भी थे। श्री वैशम्पायन ने अपने संस्मरण "अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद" में लिखा है कि 1937 में श्री लाल बहादुर शास्त्री जी नैनी जेल के विजिटर नियुक्त किये गये थे। उस दौरान हमने श्री शास्त्री जी से जेल से रिहा करवाने हेतु निवेदन किया जिसके प्रत्युत्तर में शास्त्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार उन्हें रिहा नहीं कर सकती, हमारा रिहाई का प्रश्न केन्द्र सरकार के अधीन है। तब हमने केन्द्र सरकार को लिखित आवेदन किया कि हमें दिल्ली वापस भेजा जाये अन्यथा हम अपनी रिहाई के लिए अनशन करेंगे। इस पर 01 फरवरी 1938 को हमें दिल्ली भेज दिया गया। दिल्ली जाकर हमने पुनः केन्द्र सरकार को पत्र लिखा कि हमें छोडा नहीं गया तो हम भूख-हडताल कर देंगे। इस पर केन्द्र सरकार द्वारा हमसे लिखित में हिंसात्मक कार्यवाही में भाग नहीं लेने तथा दिल्ली एवं पंजाब नहीं जाने का आश्वासन मांगा गया। ऐसा हमारे द्वारा कोई भी आश्वासन नहीं दिया गया तथा मैंने मेरे साथी श्री ज्वाला प्रसाद शर्मा एवं श्री भवानी सहाय शर्मा के साथ भूख हडतात प्रारंभ कर दी। उस समय कांठोस का त्रिपुरी अधिवेशन चल रहा था। उसी अवसर पर गांधी जी ने भी कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के प्रश्न पर भूख हडताल की थी। हमारी 23 दिन की भूख हडताल के पश्चात गांधी जी की मध्यस्थता से हमारा अनशन समाप्त हुआ और हम एक सप्ताह के अन्दर ही 19 मार्च 1939 को छोड दिये गये। वर्ष 1941 में भिवाणी के स्वतंत्रता सेनानी श्री नेकीराम शर्मा की पुत्री विद्यादेवी शर्मा से उनकी शादी हुई। उसके बाद भवानी सहाय ने स्वतंत्रता प्राप्ति तक अपने निवास स्थान राजगढ, अलवर में प्रजामण्डल आन्दोलन एवं आजादी की लडाई को जारी रखा। राजगढ में उन्होंने बिजलीघर, चक्की तथा सूत कताई हेतु बॉबिन फैक्ट्री की स्थापना की। भवानी सहाय राजगढ नगरपालिका के अध्यक्ष रहे तथा थानागाजी से राजस्थान विधानसभा के 05 वर्ष तक सदस्य रहे।

15 अगस्त 1972 को प्रधानमंत्री के हाथ से दिल्ली में ताम्र पत्र स्वीकार करते हुए श्री भवानी सहाय ने कहा कि "क्रान्तिकारी कहलाने वाला आदमी केवल इस बात को अपना गौरव समझता था और अपने जीवन का सबसे बडा पुरस्कार मानता था कि उसका जीवन मातृभूमि की सेवा में समर्पित हो जाये। सरफरोशी की तमन्ना उसकी एकमात्र तमन्ना थी, मातृभूमि उसकी एकमात्र देवी थी और स्वतंत्रता उसका एकमात्र लक्ष्य"। उत्तरी भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी पं. भवानी सहाय शर्मा का 7 अक्टूबर 1985 को जयपुर में लम्बी बीमारी के चलते निधन हो गया।

–डॉ. डी.सी. मीना,
आर. ए. एस.

'चीन में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले लोगों के बीच पीएम मोदी लोकप्रिय'

> ■ **अमेरिका की पत्रिका "डिप्लोमैट" में प्रकाशित एक लेख के अनुसार चीन में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी लोकप्रिय हैं और उन्हें सम्मान से मोदी लाओक्सियन कहा जाता है, जिसका अर्थ "मोदी अमर" हैं।**

जयपुर। अमेरिका की पत्रिका "डिप्लोमैट" में प्रकाशित एक लेख के अनुसार चीन में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों (नेटिजेन) के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी लोकप्रिय हैं और उन्हें सम्मान से मोदी लाओक्सियन कहा जाता है, जिसका अर्थ "मोदी अमर" हैं।

दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के बावजूद, किसी अंतरराष्ट्रीय नेता के लिए यह एक दुर्लभ सम्मानजनक संदर्भ है। रणनीतिक मामलों पर केंद्रित पत्रिका "डिप्लोमैट" के लेख "चीन में भारत को कैसे देखा जाता है?" में पत्रकार म्यू चुनशान ने यह भी लिखा कि ज्यादातर चीनी मानते हैं कि मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व के प्रमुख देशों के बीच संतुलन बना कर रख सकता है। चुनशान चीनी सोशल मीडिया विशेष रूप से सिना वेइबो का विश्लेषण करने के लिए मशहूर हैं। सिना वेइबो चीन में ट्विटर जैसा सोशल मीडिया मंच है और इसके 58.2 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। आलेख के अनुसार "चीनी इंटरनेट पर प्रधानमंत्री मोदी का एक असामान्य उपनाम है: मोदी लाओक्सियन। लाओक्सियन का संदर्भ कुछ विशेष क्षमताओं वाले एक बुजुर्ग अमर व्यक्ति से है। उपनाम का अर्थ है कि चीन में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोग सोचते हैं कि मोदी कुछ भिन्न हैं-और आश्चर्यजनक भी-अन्य नेताओं की तुलना में।"

उन्होंने लिखा है कि चीनी लोग मोदी की पोशाक और शारीरिक हावभाव दोनों की ओर इशारा करते हैं तथा उनकी कुछ नीतियों को भारत की पिछली नीतियों से अलग मानते हैं।

कुछ चीनी नागरिकों का मानना है कि भारत रूस, अमेरिका सहित विभिन्न प्रमुख देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रख सकता है। उन्होंने कहा कि लाओक्सियन शब्द मोदी के प्रति चीनी लोगों की जटिल धारणा को दर्शाता है, जिसमें जिज्ञासा, विस्मय आदि शामिल हैं। म्यू ने कहा, "मैं करीब 20 साल से अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग कर रहा हूं और चीनी नेटिजेन (इंटरनेट उपयोगकर्ता) के लिए किसी विदेशी नेता को उपनाम देना दुर्लभ है। मोदी का उपनाम अन्य सभी से ऊपर है। निश्चित रूप से, उन्होंने चीनी जनमत पर एक छाप छोड़ी है।"

कैलामाता के दर्शनों के लिये उमड़ रहे भक्त

> ■ **कैला मैया के लांगुरिया गीतों की धुन पर मां कैला देवी धाम की ओर भक्त बढ़ते जा रहे हैं**

करौली (नि.स.)। कैलादेवी के चल रहे लक्खी मेले में माता के दर्शनों के लिए पद यात्रियों का रेला का रेला उमड़ रहा है। कैला मैया के लांगुरिया गीतों की धुन पर मां कैला देवी धाम की ओर बढ़ते जा रहे है।

कैला देवी जी के लक्खी मेले में मां कैला देवी के दर्शनों के लिए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली आदि जगह से श्रद्धालु पदयात्रा पर आ रहे हैं करौली में प्रवेश से पूर्व करौली- हिण्डौन सड़क मार्ग पर करौली के निकट स्थित अंजनी माता मंदिर के पास पांचना नदी के पुल के पास बने घाटों पर महिला, पुरुष, बालक पदयात्री स्नान कर मां कैलादेवी धाम के लिए आगे बढ़ते जा रहे हैं पांचना पुल के घाटों पर पांचना के भरे पानी से सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से वोट चला रखी है जो घाटों पर नहाने वाले, नदी में कूदकर नहाने वाले श्रद्धालुओं पर निगरानी बनाए हुए हैं। वही ग्राम पंचायत माची की ओर से यात्रियों को सुरक्षित रहने की माईको के द्वारा चेतावनी दी जा रही है और रात्रि के समय श्रद्धालु परेशान ना हो इसके लिए ग्राम पंचायत प्रशासन द्वारा रोशनी की भी पुख्ता व्यवस्था की गई है।

राशिफल मंगलवार 21 मार्च, 2023

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र सांय 5:25 तक, शुभ योग दिन 12:41 तक, चतुष्पद करण दिन 12:20 तक, चन्द्रमा दिन 11:57 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-मीन, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:25 से सूर्योदय तक है। आज चैत्री अमावस्या, देव पितृकार्य अमावस्या, मन्वादि और आज चान्द्र संवत्सर 2079 विक्रमी संवत होगा। आज पंचक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:34 से 11:04 तक, लाभ अमृत 11:04 से 2:04 तक, शुभ 3:34 से 5:04 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:49, सूर्यास्त 6:27

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में सार्थक सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के मध्यान्ह पूर्व में करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

कन्या
अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
घर-परिवार के कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा। महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। भागदौड़ से राहत मिलेगी। कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

‘राइट टू हैल्थ’ बिल के विरोध में विधानसभा घेरने निकले निजी चिकित्सकों पर पुलिस ने लाठियां बरसाई

चिकित्सकों के प्रतिनिधि मंडल ने स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा से स्पष्ट कहा कि यह बिल किसी सूरत में स्वीकार नहीं है

‘राइट टू हैल्थ’ एक्ट के विरोध में सोमवार को विधानसभा घेराव करने निकले चिकित्सकों को पुलिस ने स्टेच्यू सर्किल पर रोककर जमकर लाठीचार्ज किया।

जयपुर। प्रदेश में राइट टू हैल्थ बिल को लेकर निजी चिकित्सक संगठनों और सरकार के बीच लड़ाई सड़क से सदन तक पहुंच गई है। एक ओर जहां सरकार ने सोमवार को विधान सभा में बिल को चर्चा के लिए पेश किया, वहीं दूसरी ओर इसके विरोध में करीब पांच हजार निजी चिकित्सकों ने जयपुर में विधानसभा कूचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान चिकित्सकों और पुलिस के बीच में झड़प होने से कई डॉक्टर घायल हो गए। उधर डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा कि इस बिल को किसी सूरत में लागू नहीं होने दिया जाएगा।

जयपुर में जुटे पांच हजार निजी चिकित्सक

प्रदेश के करीब पांच हजार निजी चिकित्सक सोमवार को राइट टू हैल्थ बिल के विरोध में जयपुर में जमा हुए। यहां निजी चिकित्सक और हॉस्पिटल संचालक एसएमएस हॉस्पिटल परिसर में बने जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में पहुंचे। यहां उन्होंने बिल के विरोध में सभा करते हुए अपने तर्क रखे। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे सभी चिकित्सक रैली के रूप में एसएमएस हॉस्पिटल से निकले। जेएलएन मार्ग होते हुए त्रिमूर्ति व नारायण सिंह सर्किल होते हुए सेंट्रल पार्क के सामने से स्टैच्यू सर्किल पहुंचे। इससे पहले अहिंसा सर्किल पर पुलिस ने रैली का नेतृत्व कर रहे इण्डियन मेडीकल एसोसियेशन के मीडिया चेयर मैन डॉ. संजीव गुप्ता और हॉस्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया के सचिव डॉ सरबेश शरण जोशी को जीप में बैठाया और दो घंटे तक सांगानेर जगतपूरा घुमाते हुए टोंक रोड पर पुलिया के पास छोड़ दिया।

स्टैच्यू सर्किल के पास पुलिस ने रोका

पुलिस ने सभी को करीब 1 बजे स्टैच्यू सर्किल के पास रोक लिया। इस दौरान आगे बढ़ने की बात को लेकर चिकित्सक और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। डॉक्टर्स ने बेरिकेटिंग को तोड़ने का प्रयास किया। सभी चिकित्सक स्टैच्यू सर्किल पर ही धरने पर बैठ गए। इस बीच पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हो गई।

- लाठीचार्ज में कई चिकित्सक घायल हुए
- पुलिस कार्रवाई के विरोध में चिकित्सकों ने स्टैच्यू सर्किल पर धरना दिया

पांच डॉक्टरों के फ्रैक्चर हुआ

चिकित्सकों का आरोप है कि पुलिस ने पुरुष चिकित्सक के साथ ही महिला चिकित्सक से मारपीट की और उनके कपड़े फाड़ दिए। लाठीचार्ज में कई चिकित्सक घायल होकर लहूलुहान हो गए। लाठीचार्ज में डा विजय कपूर, डॉ. राजीव लोचन तांबी, डॉ अर्चना शर्मा और डॉ. संदीप चौधरी के हाथ में फ्रेक्चर हो गया। प्राइवेट हॉस्पिटल और नर्सिंग सोसायटी के सचिव डॉ. विजय कपूर ने बताया कि हम सभी आगे थे। पुलिस वालों ने अचानक खींचकर नीचे गिरा दिया। दो तीन लाठियां मारने के बाद भगदड़ मच गई। हम नीचे गिर गए। प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स ने साफ कर दिया है कि अब वह नहीं उठेंगे। पुलिस से झड़प के बाद डॉक्टरों का विरोध-प्रदर्शन बढ़ गया है। डॉ. विजय कपूर ने कहा कि अब डॉक्टर्स वापस घर नहीं जाएंगे। अब डॉक्टर्स स्टेच्यू सर्किल पर ही सड़क पर रात बिताएंगे और तब तक बैठे रहेंगे, जब तक बिल निरस्त नहीं हो जाता है। रात बिताने के लिए डॉक्टरों ने गद्दे-तकिये भी मंगा लिये।

विभिन्न संगठनों ने की लाठीचार्ज की निंदा

निजी अस्पतालों का कहना है कि राइट टू हेल्थ बिल को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस बिल में कोई संशोधन भी नहीं चाहिए। किसी भी तरीके से यह बिल नहीं चाहिए। इस बात को लेकर पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल को विधानसभा भेजा गया। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. विजय कपूर, डॉ. राकेश कालरा, डॉ. विजय पाल यादव, डॉ. कमल सैनी, डॉ. सुनील गर्सा शामिल रहें। प्रतिनिधिमंडल ने चिकित्सा मंत्री परसादीलाल मीणा से बात की। जहां सिर्फ बिल को निरस्त करने के लिए कहा। इसके अलावा कोई बात नहीं की। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल वापस आ गया। उन्होंने कहा कि अब सरकार से कोई वार्ता नहीं करेंगे। अब सड़क पर तब तक बैठे रहेंगे। जब तक राइट टू हेल्थ बिल निरस्त नहीं हो जाता है। उधर डॉक्टरों पर हुए लाठीचार्ज की विभिन्न चिकित्सक संगठनों ने निंदा की है। अखिल राजस्थान सेवारत चिकित्सक संघ के अध्यक्ष अजय चौधरी ने कहा कि डॉक्टरों के शांतिपूर्ण आंदोलन पर किया गया लाठीचार्ज निंदनीय कृत्य है। उन्होंने इसके विरोध में कल दो घंटे 9 से 11 बजे तक सरकारी अस्पतालों में पैनडाउन कर कार्य बहिष्कार का ऐलान किया है। वहीं रेजीडेंट डॉक्टरों ने भी लाठीचार्ज की निंदा करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

पुलिस कमिश्नर ने मौका मुआयना किया

मामले को बढ़ता देख जयपुर पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। कमिश्नर ने मौका मुआयना किया। इस दौरान कमिश्नर ने मौके पर पुलिस अधिकारियों से बात की। वहीं स्टेच्यू सर्किल पर पुलिस का भारी जाप्ता तैनात किया गया है। गौरतलब है कि प्रदेश में राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में 2500 से ज्यादा निजी अस्पताल बंद है। जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। बंद का असर सोमवार को देखने को मिला। निजी अस्पतालों में मरीजों को इलाज नहीं मिलने की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ा। निजी अस्पताल बिल के विरोध में अनिश्चितकाल के लिए बंद है।

गैंगस्टर रितिक बॉक्सर नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

पांच करोड़ की फिरौती के लिए जयपुर के जी-क्लब पर फायरिंग करवाई थी

गैंगस्टर रितिक बॉक्सर

- रितिक फायरिंग व रंगदारी के एक दर्जन मामलों में वांछित था, पुलिस ने एक लाख रुपये इनाम घोषित कर रखा था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। लॉरेंस विश्नोई गैंग के गुर्गे गैंगस्टर रितिक बॉक्सर को जयपुर पुलिस की स्पेशल टीम ने नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया है। उसने 5 करोड़ रुपये की फिरौती के लिए जयपुर के जवाहर सर्किल इलाके में जी-क्लब पर पिछले दिनों फायरिंग करवाई थी। आरोपी पर फायरिंग और रंगदारी वसूली के 12 मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 जयपुर के है, जबकि तीन मामले हनुमानगढ़ और एक मुकदमा बीकानेर में दर्ज है। पुलिस मुख्यालय ने आरोपी रितिक पर 1 लाख रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था। गैंगस्टर रितिक बॉक्सर ने जयपुर के व्यापारियों और अन्य लोगों को फोन कॉल करके और वॉइस मैसेज भेज कर अवैध वसूली के लिए धमकी दी थी।

एडिशनल कमिश्नर कैलाश बिश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश ऋतिक बॉक्सर (22 मालवीय नगर में सेक्टर-12, का रहने वाला हैं। यह मूलतः हनुमानगढ़ का हैं, जो पिछले चार माह से नेपाल में अलग-अलग ठिकानों पर फरारी काट रहा था। अंतिम समय में यह नेपाल के एक गेस्ट हाउस में फर्जी आईडी से रूका हुआ था। कुछ दिनों से रंगदारी ना मिलने से परेशान बदमाश जयपुर आकर खुद वारदात करवाने की तैयारी में था, लेकिन लगातार पीछा कर रही पुलिस ने नेपाल बॉर्डर की सीमा पार करते ही उसे दबोच लिया।

विश्नोई ने बताया कि वर्ष 2022 में नवंबर-दिसंबर में जयपुर के व्यापारियों को रंगदारी की धमकी के कॉल आए थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू की थी। इसी बीच जवाहर सर्किल स्थित जी-क्लब पर फायरिंग की घटना भी हुई थी। जी क्लब के मालिक अक्षय गुरनानी को 5 करोड रुपए की रंगदारी के लिए धमकी दी गई थी। जिसके बाद फायरिंग की घटना की गई। पुलिस ने मामले में 4 शूटर्स को पहले गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस मुख्यालय की ओर से किए गए अनुसंधान में बदमाश रितिक बॉक्सर की भूमिका पाई गई।

पिछले दिनों जयपुर पुलिस गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को गिरफ्तार कर जयपुर लाई थी। यहां 14 दिन की रिमांड अवधि के दौरान पूछताछ में कई जानकारियां सामने आई थी। लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ में आई सूचनाओं के आधार पर प्रदेश में कई जगह पर पुलिस ने रेड भी मारी थी।

हाल ही में बदमाश लॉरेंस से जयपुर में हुई पूछताछ के बाद कमिश्नरेट पुलिस को यह लीड लगी थी कि बदमाश ऋतिक बॉक्सर नेपाल में फरारी काट रहा है। इस इनपुट के आधार पर कमिश्नरेट पुलिस की तीन टीम पिछले 5 दिन से नेपाल बॉर्डर के इलाकों पर डेरा डालकर बैठी थी। आरोपी जैसे ही नेपाल बॉर्डर से भारत में घुसा तो नेपाल और बिहार बॉर्डर पर स्थित रक्सौल से इसे घेराबंदी कर दबोच लिया। हालांकि इसके पास कोई हथियार पुलिस को नहीं मिला है लेकिन कई महत्वपूर्ण उपकरण मिले हैं, जिनसे पुलिस को गैंग के अन्य सदस्यों को पकड़ने में काफी मदद मिल सकती है।

एडिशनल डीसीपी (वेस्ट) रामसिंह शेखावत ने बताया बदमाश ऋतिक के कब्जे से जयपुर के अन्य व्यापारियों के फोन नंबर की लिस्ट मिली है, जिन्हें यह धमकी देकर फिरौती मांगने वाला था। पुलिस इस लिस्ट के बारे में इससे पूछताछ कर रही है कि इसके टार्गेट पर ओर कौन कौन था। क्लब पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस 13 आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर चुकी है। अभी इस मामले एक लाख रुपए का इनामी गैंगस्टर रोहित गोदारा फरार चल रहा है, जो विदेश में बैठकर गैंग ऑपरेट कर रहा है।

एडिशनल डीसीपी रामसिंह शेखावत के नेतृत्व में एक एसआईटी बनाई गई। इसमें दो 2 एसीपी चिरंजीलाल मीणा और खलील अहमद के नेतृत्व में इंस्पेक्टर सहित 18 लोगों की एसआईटी में शामिल किया। इसमें एसआई राजेश कुमार, एएसआई महेन्द्र कुमार, साइबर सैल के दिनेश शर्मा और रिजर्व पुलिस लाइन के सोहन लाल आदि को शामिल किया गया। पुलिस का कहना है कि गैंगस्टर रितिक बॉक्सर वर्ष 2019 में केंद्रीय कारागार जयपुर में बंद रहते हुए संपत नेहरा के माध्यम से लॉरेंस विश्नोई से रितिक बॉक्सर का परिचय हुआ था। बाद में गोल्डी बराड़ और अनमोल विश्नोई से जुड़ा।

निंबाराम के विरुद्ध दर्ज एफआईआर रद्द करने के आदेश

- अदालत ने माना कि वायरल ऑडियो-वीडियो की मूल डिवाइस को बरामद नहीं किया जा सका है
- वहीं अदालत ने सह आरोपी ओमकार सप्रे और संदीप चौधरी की याचिका को खारिज कर दिया है

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बीवीजी कंपनी के नगर निगम पर बकाया 276 करोड रुपए के भुगतान के बदले बीस करोड़ की रिश्वत मांगने से जुड़े मामले में आरएसएस के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम के विरुद्ध एसीबी में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। जस्टिस फरजंद अली की एकलपीठ ने यह आदेश निम्बाराम की आपराधिक याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने माना कि वायरल ऑडियो-वीडियो की मूल डिवाइस को बरामद नहीं किया जा सका है। वहीं अदालत ने सह आरोपी ओमकार सप्रे और संदीप चौधरी को राहत देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका को खारिज कर दिया है।

याचिका में निंबाराम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जीएस गिल ने बताया कि प्रकरण में याचिकाकर्ता का नाम राजनीतिक द्वेषता के चलते शामिल किया गया है। बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधि और राजाराम गुर्जर उसके पास राम मंदिर के चंदे का प्रस्ताव लेकर आए थे, लेकिन तब तक चंदा लेने की समयावधि पूरी हो चुकी थी। इस पर याचिकाकर्ता ने प्रताप गौरव केन्द्र के लिए चंदा देने का सुझाव दिया था। याचिकाकर्ता के साथ बैठक के दौरान कंपनी के प्रतिनिधियों ने चंदे के साथ ही कंपनी की समस्याओं के बारे में बताया था। इसके अलावा ऑडियो-वीडियो क्लिप में बदले की भावना से कांट-छांट की गई है। एसीबी के पास मूल क्लिप और डिवाइस भी नहीं है। सिर्फ वायरल वीडियो के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। ऐसे में मामले में याचिकाकर्ता के विरुद्ध दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए।

इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि कंपनी के बकाया भुगतान के बदले रिश्वत की बातचीत में निंबाराम की सक्रिय भागीदारी रही है।

पुलिस जांच में निम्बाराम के विरुद्ध साक्ष्य प्रमाणित है। ऐसे में याचिका को खारिज किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने निम्बाराम के विरुद्ध दर्ज एफआईआर और एसीबी कोर्ट की कार्रवाई को रद्द कर दिया है।

गौरतलब है कि वायरल वीडियो के आधार पर एसीबी ने दस जून, 2022 को मेयर सौम्या गुर्जर के पति राजाराम, बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधि ओमकार सप्रे, संदीप चौधरी और निंबाराम के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

‘ईंट के भट्टों के बीच कम से कम 500 मीटर की दूरी अनिवार्य है’

एन.जी.टी. ने ईंट के भट्टों के कारण हो रहे प्रदूषण से संबंधित मामले पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए

- एन.जी.टी. ने कहा कि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए यह भी अनिवार्य है कि एक ही क्षेत्र के सभी भट्टे एक साथ शुरू ना हो।
- एन.जी.टी. ने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पांच विशेषज्ञों की एक समिति का गठन करने के आदेश दिए हैं जो ईंट के भट्टों से हो रहे प्रदूषण को कम करने का सुझाव दे परन्तु इस व्यवसाय की व्यवहारिता को भी ध्यान में रखें।

- यादवेन्द्र शर्मा -

जयपुर। प्रदेश में ईंट के भट्टे से हो रहे प्रदूषण को कम करने के लिए ‘नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल’ (एन.जी.टी.) की भोपाल स्थित बैंच के समक्ष सुनवाई में अदालत ने आदेश दिए की केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी.पी.सी.बी.) एक पांच सदस्यों की समिति का गठन करें जो ईंट के भट्टों के व्यवसाय व्यवहारिकता बरकरार रखते हुए उससे होने वाले प्रदूषण को कम करें। अदालत ने इस समिति कि रिपोर्ट मई में अगली सुनवाई से पहले मांगी है।

एन.जी.टी. ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार ईंट के भट्टों में ज़ीग-जैग टैक्नोलॉजी लागू करने के लिए मानक और संचालन प्रक्रिया तय करें। साथ ही भट्टों में पी.एन.जी. और सी.एन.जी. गैस के उपयोग को बढ़ावा दे ताकि कोयले का उपयोग कम से कम हो।

एन.जी.टी. का मुख्य आदेश यह भी है कि ईंट के भट्टों के बीच में कम से कम 500 मीटर की दूरी हो और वह एक साथ शुरू ना हो ताकि उस क्षेत्र की आबो हवा को बहुत अधिक प्रदूषण से बचाया जा सके।

इस मामले में याचिकाकर्ता रामदास की ओर से अधिवक्ता हरिंदर नील पैरवी के लिए पेश हुए थे। याचिकाकर्ता की ओर से गुहार की गई है कि ईंट के भट्टों से कहीं अधिक मात्रा में प्रदूषण होता है। इस वजह से ईंट के भट्टों के व्यवसाय को साल में केवल छः महीने ही कार्य करने देना चाहिए। याचिकाकर्ता ने प्रदूषण से होने वाले कई दुष्प्रभावों के बारे में अदालत को अवगत कराया जैसे कि दिल्ली में प्रदूषण के कारण 40 प्रतिशत बच्चों के फेफड़े क्षतिग्रस्त है और उनके मानसिक विकास पर भी बुरा असर पड़ा है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदूषण से होने वाली सांस लेने वाली बीमारी के कारण सालाना 15 लाख लोग मरते हैं। एन.जी.टी. ने इस मामले की सुनवाई करते हुए केन्द्र और राज्य सरकार को अपने आदेशों का अनुपालन कर अगली तारीख तक जवाब प्रस्तुत करने को कहा है।

नव घोषित जिलों को लेकर विवाद, कई जगह पर सड़कें जाम

सुजानगढ़ में व्यापारियों ने बाजार बंद किए, जनता ने रास्ते रोके और निजी बसें भी बंद हुई

सुजानगढ़ को जिला बनाने के इस आंदोलन की सबसे खास बात है कि इसमें किसी भी दल का नेता शामिल नहीं है, पूरा आंदोलन जनता का है

सुजानगढ़ के बोबासर पुलिया एनएच 58 मार्ग पर प्रदर्शन के दौरान उपस्थित जनसमूह।

- सुजानगढ़ शहर के लोग समूहों में आंदोलन स्थल पहुंच रहे हैं। इसमें शहर के आम और खास सभी लोग शामिल हैं।
- तीन दिन से जनता ने हाइवे जाम कर रखा है और वहां ट्रकों की लम्बी कतारें लगी हुई हैं। ट्रक ड्राइवरों का कहना है कि ट्रकों में फल सब्जियां हैं जिनके सड़ने का खतरा है, इससे उन्हें भारी नुकसान हो सकता है।
- सुजानगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स तथा अन्य व्यापारियों ने कहा जब तक सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग पूरी नहीं हो जाती, तब तक बाजार व सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे।

सुजानगढ़, (निसं)। सुजानगढ़ जिले की मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से सबसे व्यस्त रहने वाला अजमेर-किशनगढ़ मेगा हाईवे, एनएच 58 जाम है। जिले की मांग करने वाले आंदोलनकारियों ने टायर जलाकर मुख्यमंत्री गहलोत व विधायक मनोज के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एक दर्जन से अधिक मुख्य सडकों पर टायर जलाकर जाम कर दी है।

तीन दिन से जाम होने के कारण सैंकड़ों की तादाद में ट्रक जाम में फंस गये हैं। ट्रक चालक जाम में फंसे होने के कारण परेशान है। ट्रक चालकों का कहना है कि उनके ट्रक में हरी सब्जियां, फल-फ्रूट भरे हुए है जो खराब हो जायेंगे तो उन्हें करोडों रूपये का नुकसान होगा। वहीं दूसरी और सालासर बालाजी के दर्शनों के लिये आ रहे यात्री भी जाम में फंसे हुए है। चंडीगढ़ से बालाजी के दर्शनों के लिये पहुंचे बलविन्दर सिंह ने बताया कि वे कच्चों रास्ते से होकर सालासर तो पहुंच गये। लेकिन यहां से जाने के लिये अब रास्ता नहीं होने के कारण हम लोग बेवजह परेशान हो रहे है। वहीं दूसरी और अब जनहित संघर्ष मोर्चा ने सुजानगढ़ जिले की मांग पूरी नही होनें तक सभी रास्ते अनिश्चितकाल के लिये बंद करने की चेतावनी दी है। आंदोलन कि खास बात है कि इसमें किसी भी दल का नेता प्रतिनिधित्व नहीं कर रहा है। अब आंदोलन में सुजानगढ़ तहसील का एक -एक व्यक्ति भाग ले रहा है।

जत्थे बनाकर आंदोलन स्थल पहुंच रहे लोग:- सुजानगढ़ शहर से लोग आंदोलन स्थल पर जत्थों के रूप में पहुंच रहे है। नगरपरिषद की नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच ने अपने समर्थकों के साथ डी.जे लेकर बोबासर पुलिया आंदोलन स्थल पहुंची। जहां पर उन्होंने आंदोलन का समर्थन करते हुए सरकार से जिले का हक लेने के लिये लडाई लडने की चेतावनी दी। इसी प्रकार चेम्बर ऑफ कॉमर्स के मंत्री प्रेमप्रकाश तूनवाल अपने साथ हजारों व्यापारी लेकर छापर तिराहे व बोबासर पुलिया एनएच 58 आंदोलन स्थल पहुंचकर जिले के लिये किये जा रहे आंदोलन का समर्थन दिया।

सुजानगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स सहित व्यापारियों ने कहा है कि जब तक जिले की मांग पूरी नहीं होगी तब तक लॉकडाउन की तर्ज पर सुजानगढ़ के बाजार बंद रखें जायेंगे। वहीं दूसरी और लगातार तीन दिनों से व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद होने से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोगों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। फल व सब्जी मंडी के भी बंद होने के कारण सब्जी के लिये लोगों को भटकना पड़ा।

आंदोलन स्थल पर उठ रही विधायक के इस्तीफे की मांग:- सोमवार सवेरे सीएमआर में विधायक मनोज मेघवाल ने डेलीगेशन के साथ मुख्यमंत्री की मांग की। जिसमें ठोस आश्वासन नहीं मिलने के कारण क्षेत्र की जनता में और आक्रोश बढ गया। शहर के लोगों ने कहा कि विधायक मनोज मेघवाल अपने पद से इस्तीफा देकर सुजानगढ़ की जनता का साथ क्यों नही दे रहे है..? शेर सिंह भाटी, शाहीद खान, पूर्व सभापति बाबूलाल कुलदीप, एडवोकेट बनवारी बिजारणियां, गुरूदेव गोदारा सहित क्षेत्र के अनेकों लोगों ने सम्बोधित करते हुए विधायक से इस्तीफा मांगा।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने इस्तीफे दिये लेकिन सरकार के खिलाफ नहीं उठाई आवाज:- मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा जिलों की घोषणाएं की जाने के एक दिन बाद कांग्रेस की सभापति नीलोफर गौरी, उपसभापति अमित मारोठिया व क्षेत्र के अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों ने कांग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा तो दे दिया। लेकिन वे जनता के आंदोलन से दूरी बनायें हुये है। बोबासर पुलिया, छापर तिराहे आंदोलन स्थल पर आकर कांग्रेस व सरकार के खिलाफ किसी तरीके का बयान नहीं दिया है। जिस कारण यहां के लोगों ने उनका विरोध जताते हुए कहा कि चुनावी समय में इन नेताओं से बात की जायेगी। वंही भाजपा, आरएलपी इस मुद्दे को जमकर भुना रही है। विधायक व सरकार की नाकामियों को जनता के बीच में रखकर मौजूद भीड़ से तालियां बटोरी जा रही है।

प्रस्तावित नीमकाथाना जिले में रींगस, खण्डेला को शामिल करने का विरोध

रींगस, (निसं)। प्रस्तावित नीमकाथाना जिले में रींगस तथा खण्डेला को शामिल करने का विरोध आज तीसरे दिन सोमवार को भी जारी रहा। तहसील कार्यालय के सामने पिछले तीन दिन से भाजपा का धरना प्रदर्शन जारी है। वहीं सोमवार को अन्य संगठनों ने भी इसका विरोध किया। इसके बाद माकपा ने अपने कार्यालय से रैली निकाल कर तहसील कार्यालय में तहसीलदार को ज्ञापन सौंप कर रींगस तथा खण्डेला को प्रस्तावित नीमकाथाना जिले में शामिल करने का विरोध जताया।

दोनों पार्टियों के धरने प्रदर्शन से जाम की स्थिति रही। जानकारी के अनुसार तहसील कार्यालय के सामने भाजपा कार्यकर्ता पूर्व चिकित्सा मंत्री बंशीधर खण्डेला के नेतृत्व में अनिश्चितकालितन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को झमाझम बारिश के बीच भी भाजपा कार्यकर्ता जुटे रहे। वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार में महोदव सिंह खण्डेला का कद काफी ऊंचा है इसके बावजूद रींगस तथा खण्डेला को प्रस्तावित नीमकाथाना में शामिल किया गया है। जब तक रींगस तथा खण्डेला को सीकर में यथावथ नहीं रखा जाता तब तक इसका विरोध जारी रहेगा।

वहीं कांग्रेस के प्रत्याशी रहे तथा कांग्रेस कमेठी के सदस्य सुभाष मील भी अपने समर्थकों के साथ धरने पर पहुंचे। तहसील कार्यालय से सटे नगर पालिका के सामने इनका का भी धरना प्रदर्शन हुआ। इसके बाद तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर दस दिन का समय देते हुए कहा कि यदि रींगस व खण्डेला को नीमकाथाना से अलग नहीं किया गया तो महापडाव डाला जायेगा, जिसमें प्रत्येक घर से एक एक सदस्य महापडाव में बैठेंगे। वहीं माकपा कार्यकर्ता भी अपने समर्थकों के साथ रैली के रूप में तहसील में पहुंचे तथा रींगस तथा खण्डेला को सीकर जिले में ही रखने की मांग की।

सांभर को जिला बनाने के लिए जयपुर कूच का आव्हान

सांभरझील, (निसं)। दूदू के स्थान पर सांभर को जिला घोषित किए जाने की मांग को लेकर संघर्ष समिति के प्रमुख रणनीतिकार कुलदीप व्यास व संयोजक विवेक शर्मा के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के तहत संघर्ष समिति की तरफ से 22 मार्च को जयपुर कूच किए जाने के लिए रणनीति को अंतिम रूप दिया गया।

इसके लिए सोमवार को अनेक ग्राम पंचायतों व घर-घर पीले चावल देकर जयपुर कूच करने के लिए न्यौता दिया गया। ग्राम पंचायतों में गठित टीम के सदस्य कपिल सोनी, हेमंत व्यास, एडवोकेट दिलीप प्रजापत, विजय सोनी, रामकिशोर साहू ने पीले चावल बांटकर लोगों से विनम्र आग्रह किया कि वे 22 मार्च को जयपुर कूच करने के लिए सांभर के पृथ्वीराज सर्किल पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। बता दें कि सांभर को जिला बनाने की मांग को लेकर 48 घंटे का बंद का आव्हान मंगलवार को पूर्ण होगा। एसडीएम कोर्ट में आयोजित धरना स्थल पर रात्रि को राजेंद्र आसीवाल एवं उनकी टीम की ओर से मां शाकंभरी के भजनों की प्रस्तुति पेश कर अरदास की गई।

मालपुरा को जिला नहीं बनाने पर 104 गांवों के लोगों ने आंदोलन की चेतावनी दी

- कल्याण किसान सेवा समिति के बैनर तले लोगों ने सीएम के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा
- मालपुरा को जिला नहीं बनाये जाने से भड़की विरोध की चिंगारी अब गांव-ढाणी तक पहुंची

मालपुरा, (निसं)। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में 19 नये जिलों की कि गई घोषणा में मालपुरा को जिला नहीं बनाये जाने से भड़की विरोध की चिंगारी अब गांव-ढाणी तक पहुंच गई है।

सोमवार को कल्याण किसान सेवा समिति के बैनर तले उपखण्ड क्षेत्र के 104 गांवों के लोगों ने आदर्श नगर कार्यालय में आमसभा कर रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए कोर्ट परिसर पहुंच मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम महिपाल सिंह को ज्ञापन सौंप मालपुरा को जिला बनाये जाने की मांग की।

किसान सेवा समिति के प्रदेश पदाधिकारी कैलाश गुर्जर व मालपुरा ब्लॉक अध्यक्ष रामलाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में एकत्रित 104 गांवों के महिला-पुरूषों ने दूदू ग्राम पंचायत को जिला बनाये जाने पर कड़ी नाराजगी जताई, साथ ही मालपुरा को दूदू अथवा केकडी में शामिल कर मालपुरा के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ कर जनभावनाओं से खिलवाड़ किये जाने को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं कर मालपुरा को ही जिला मुख्यालय बनाने की पुरजोर मांग की। प्रदर्शन व ज्ञापन के दौरान पुरूषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी शामिल होकर मालपुरा को जिला बनाने अथवा दूदू व केकडी में शामिल करने के बजाय टोंक जिले में ही यथावत रखे जाने की मांग की। वहीं दूसरी ओर युवा कांग्रेस नेता गोपाल गुर्जर ने मुख्यमंत्री गहलोत से क्षेत्र की जनभावनाओं से अवगत करवाने के लिए मिलने का समय मांगा है।

क्षेत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने किशनगढ़ विधायक सुरेश टांक, विधायक सुरेश रावत, विधायक गंगा देवी, विधायक निर्मल कुमावत, पूर्व संसदीय सचिव कैलाश वर्मा के साथ सीएम हाउस पहुंच मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा। सभी विधायकों ने एक स्वर में नवीन जिलों की घोषणा में जिला बनाने के मापदण्डों की अनदेखी कर दूदू को जिला बनाये जाने पर अपना विरोध दर्ज करवाये जाने व उनके क्षेत्रों को जिला बनाये जाने के लिए अपना पक्ष रखने की जानकारी दी है। मालपुरा को जिला बनाओ कोर कमेठी के बैनर तले महेश सेवा सदन में जनसभा के बाद आज मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा जायेगा।

जालोर जिले भर में बेमौसम बरसात से किसान मायूस

जालोर जिलेभर में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को काफी नुकसान

जालोर, (कासं)। जालोर जिलेभर में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। जिससें किसान चितिंत है। जालोर जिले के नारणावास पंचायत क्षेत्र के नारणावास, नया नारणावास व धवला में बीती रात बेमौसम वर्षा ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया।

- किसानों ने बताया कि इसबगोल व जीरे की फसल में ज्यादा नुकसान हुआ है

सोमवार को किसानों को साथ ले जाकर कृषि विभाग के राजेन्द्र मीणा व अन्य कर्मचारियों ने खेतों में वर्षा से हुई खराब फसलों का सर्वे किया ताकि वास्तविक खराबे का पता लग सके।

किसानों ने बताया कि इसबगोल व जीरे की फसल में ज्यादा नुकसान हुआ है। रविवार को शाम हुई बेमौसम वर्षा से किसानों के खेतों में बोई हुई इसबगोल व देसी जीरे की पक्की फसलों में काफी नुकसान हुआ है। किसानों बताया कि बेमौसम वर्षा होने से फसलों का लागत मूल्य भी मिलना मुश्किल है जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई हैं। मुंह आया निवाला हाथ से निकल गया इससे किसान काफी दु:खी हैं। वर्षा होने से बना बनाया खेल बिगड गया उनकी मेहनत पर पानी फिर गया है।

जालोर के निकट नारणावास में बेमौसम बारिश होने से फसलों को नुकसान हुआ।

चूरू में 5.3 एम.एम. बारिश दर्ज

चूरू, (कासं)। चूरू में तेज बारिश ने मौसम की फिजाओं को बदल दिया। आज सुबह साढ़े आठ बजे तक 5.3 एम.एम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को यहां का अधिकतम 25.2 व न्यूनतम 16.4 डिग्री सेल्सियस तापमान व 5.3 एम.एम बारिश रिकॉर्ड की गई। आज यहां पर सुबह पांच बजे बाद अचानक तेज बोछारों के साथ बारिश का दौर शुरु हो गया। जो कि सुबह छह बजे बाद तक चला।

बारिश के बाद अनेक स्थानों पर बारिश का पानी नजर आने लगा। सुबह ग्यारह बजे तक सूर्य देव बादलों की ओट में छिपे रहे। इसके बाद करीब ढ़ाई बजे बाद सूर्य देवता ने पूरी तरह से दर्शन दिये। सुबह के समय लोग गर्म कपड़ों में लिपटे दिखाई दिये। मौसम में आये बदलाव के कारण सुबह के समय पूरे वातावरण में ठंडक घूली रही।

बरसात ने बढ़ाई किसानों की चिन्ता

बीदासर, (निसं)। रविवार की शाम अचानक मौसम ने पलटा खाया तथा आसमान में गहरे बादल छा गये तथा रात्रि में 12 बजे बाद बिजलियाँ गरजने के साथ हल्की बरसात हुई। जिससे मौसम में ठण्डक घुल गई।

सोमवार की सुबह भी हल्की बूंदाबांदी का दौर जारी रहा। हल्की बरसात से लोगो को सर्दी का एहसास होने लगा तथा लोगों को सुबह सुबह गर्म कपड़े पहनने को मजबूर कर दिया। दिनभर आसमान में बादलों की आने जाने का क्रम जारी रहा। दोपहर तीन बजे बाद फिर हल्की बूंदाबांदी हुई। रात्रि में हुई हल्की बरसात से कस्बे के मुख्य मार्गो पर किचड़ ही कीचड़ हो गया। जिससे आमजन को परेशानीया हुई। बारिस ने किसानों के लिए चिन्ता बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी पकी हुई फसल और कटी फसल खराब होने लगी है।

करंट की चपेट से दो मादा पैंथर की मौत

मृत पैंथरों का वन विभाग की टीम ने नियमानुसार दाह संस्कार किया।

देवगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र की कुंदवा ग्राम पंचायत के बिलों की मंगरी के पास अपोलो माइंस के समीप से गुजर रही 11 केवी लाइन के तार टूटने पर दो मादा पैंथर चपेट में आ गए जिससे उनकी मौत पर हो गई। वन अधिकारी कमलेश रावत ने बताया कि बीती रात्रि रविवार को तेज हवाओं के साथ देर रात्रि में कुंदवा ग्राम पंचायत के पास 11 केवी लाइन गुजर रही थी जिसके तार टूट जाने से उधर से गुजर रहे दो मादा पैंथर जो की चपेट में आ गए जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। अल सुबह ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा मादा पैंथरों के शव को अपने कब्जे में लेकर नीमझर नर्सरी पर ले गए जहां शवों का पोस्टमार्टम करवाकर नियमानुसार दाह संस्कार किया गया।

बेमौसम की बारिश से गेंहू की फसल खतों में पसरी, भारी नुकसान की आशंका

श्रीमहावीर जी क्षेत्र में ओले गिरने से फसल में नुकसान की आशंका

हिण्डौन सिटी, (कासं)। प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से गत दिवस देर शाम को एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली और बेमौसम की बारिश से खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल भीगने से किसानों को मायूस कर दिया। कैलादेवी के पदयात्रियों के लिए लगाए चल रहे भण्डार भी प्रभावित हुए। इधर श्रीमहावीर जी क्षेत्र में ओले गिरने से फसल में नुकसान की आशंका है।

उल्लेखनीय है कि दोपहर बाद आसमान बादलों से अट गया। इसके बाद शाम करीब साढ़े चार बजे से हवा के झोकों के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया। इससे राह में चल रहे पदयात्रियों में बारिश से बचने के लिए अफरा तफरी सी मच गई। शाम करीब 7 बजे बारिश थमने के बाद विद्युतापूर्ति बहाल की गई। गांव में करीब 20 मिनट तक कई दौर में ओले गिरे। तेज हवा के झोकों के साथ गिरे छोटे बड़े ओले से खेत में कटी पड़ी गेहूं की फसल भीग गई।

ग्रामीण मुकेश मीणा ने बताया कि ओलों से पेड़ों के पत्ते झड़ गए। कटकड़ सहित खेड़ा जमालपुर, सनेट, फैलीपुरा, कांचरौली, टोडुपुरा, रीठोली, गावडा मीणा, भमाडी, वझेडा, फुलवाडा, कुतकपुर, कारवाड़ में शाम को बारिश हुई। गांव शेरपुर हाडोली राराशाहपुर में तेज हवा के साथ भारी बरसात हुई एवं बरसात के साथ-साथ चना के बराबर ओले पड़े। ओलावृष्टि के कारण गेहूं की बाली टूट गई। जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। युवा जाट समाज 84 के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राम प्रकाश डगुर, रामनिवास डागुर, परशुराम डागुर, मनोज कुमार, सोनू शर्मा, भूरा जाट, सलीम अली, इमरान अली ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि इन गांवों की गिरदावरी कराकर किसानों को मुआवजा हदया जावे ।

करौली संवाददाता के अनुसार:- क्षेत्र के लोगों ने वे मौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसल को हुए नुकसान का उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सामाजिक कार्यकर्ता धर्म मीणा के नेतृत्व में रवीन्द्र जेरिया, सूनील माली, पिन्टू मीणा, अखलेश मीणा, लालाराम मीणा सहित कई अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम का जिला कलेक्टर को ज्ञापन पेश कर बताया कि हाल ही प्रदेश में वे मौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की रवि की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है चाहे वह गेहूं,चना या सरसों सभी फसलों को भारी नुकसान देखने को मिल रहा है।

मुआवजा दिलाने की मांग:- भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा भरतपुर द्वार भरतपुर जिले में बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि के कारण फसल नष्ट होने पर मुआवजे की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा भरतपुर के जिलाअध्यक्ष मोहन रारह के आव्हान पर जिला महामंत्री घनेश कासौट के नेतृत्व में किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर भरतपुर रतन कुमार को ज्ञापन सौपकर भरतपुर जिले में नष्ट हुई फसल की गिरदावरी करवा कर राज्य सरकार से किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की।

इस अवसर पर भाजपा नेता उदय सिंह, किसान मोर्चा के पूर्व कार्यसमिति सदस्य अमर सिंह फौजदार बरताई, जिला मंत्री बालो त्योंगा, भूरा उर्फ भूप सिंह, मण्डल अध्यक्ष मान सिंह दीवन हिसामडा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष गोविन्द सिंह, वीरेन्द्र सिंह, सरपंच तमरेर बच्चू सिंह आदि मौजूद रहे। बेमौसम बारिष व ओलावृश्टि से किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए पंचायत समिति सेवर क्षेत्र के गांवों जघीना, बिलौठी, धौरमुई, मोरोली कला, तुहिया, हथैनी, जाटौली रथभान, मडरपुर, पीपला, सुनारी, फुलवाडा, गांवडी, इकरन, उंदरा, बछामदी, चिकसाना, खैमरा, रूंध इकरन आदि ग्राम पंचायतों का दौरा किया गया तथा खराबे की गिरदावरी कराकर पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए किसानों का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर प्रधान प्रतिनिधि सतीष सोगरवाल, उपखण्ड अधिकारी देवेन्द्र परमार, विकास अधिकारी डॉ. देवेन्द्र सिंह फौजदार, उपप्रधान ओमप्रकाष सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

सार्वजनिक सूचना

मैसर्स रेज पॉवर एक्सपर्ट्स प्रा.लि., जिसका पंजीकृत कार्यालय-चतुर्थ मंजिल, श्री शील मोहर प्लाजा, युद्धिष्ठिर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302001 राजस्थान है। कम्पनी विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत बिजली के संचरण के लिए विद्युत लाइन या विद्युत संयंत्र लगाने के लिए या कार्यो के उचित समन्वय के लिए आवश्यक टेलीफोनिक या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य से जो सरकार द्वारा स्थापति या अनुरक्षित टेलीग्राफ के प्रयोजन के लिए टेलीग्राफ लाईनों और पदों को रखने के संबंध में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास है या स्थापित करने के लिए या बनाये रखने के लिए और सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, निर्माण और अन्य कार्यो के बाद कमीशनिंग, संचालन, रख-रखाव और अन्य कार्यो के लिए निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजनाओं के लिए भारत सरकार को सभी शक्तियाँ प्रदान करने के लिए आवेदन करना चाहती है :- (1) 40 मेगावाट के सौर ऊर्जा पार्क को सिंगल सर्किट ओ./एच.ट्रांसमिशन लाईन के साथ 132 केवी पूलिंग स्टेशन के माध्यम से 220 के.वी. जी.एस.एस. गजनेर बीकानेर से जोडा जाएगा। (2) 132 के.वी. सिंगल सर्किल ओ./एच. ट्रांसमिशन लाईन की रूट लम्बाई लगभग 02 किलोमीटर होगी। उपरोक्त बिजली निकासी/कनेक्टिविटी सिस्टम को बिजली अधिनियम, 2023 की धारा 68 (1) के तहत फाईल नम्बर-आर.आर.ई.सी./सोलर-II/रेज एक्सपर्ट्स/डी-राजकाज रेफरेंस नम्बर 3074503 दिनांक 02.02.2023 द्वारा स्वीकृति प्राप्त हुई है। योजना के तहत ट्रांसमिशन लाईने राजस्थान के निम्नालिखित गाँवों, कस्बों और शहरो के बीच से होकर गुजरेगी :-

क्र.सं.	गाँव का नाम	तहसील/तालुक	जिला
1	सराह भियानीमानी	कोलायत	बीकानेर

मार्ग सरेखण की प्रति कार्यालय में उपलब्ध है । आम जनता को एतदद्वारा इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से दो माह के भीतर प्रस्तावित पारेषण पर प्रेक्षण/ प्रतिवेदन नीचे लिखित प्रतिनिधित्व के कार्यालय में दे अधिक विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया सम्पर्क करें ।

नाम श्री दिनेश गुप्ता पद महाप्रबंधक
पता सी- 168 महेश नगर जयपुर, मो. नं. 9314187004

‘नगरीय निकायों में बीजेपी के महापौर और सभापतियों को निलंबित करने की साजिश’

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सदन में यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल को घेरा

- **राठौड़ ने सदन में उठाया जयपुर ग्रेटर मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर के गलत निलंबन का मुद्दा**
- **उपनेता प्रतिपक्ष ने नगरपालिका संशोधन विधेयक में नये प्रावधान जोड़ने पर कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए**

जयपुर (वि.सं.)। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कांग्रेस सरकार पर नगरीय निकायों में बीजेपी के मेयर-सभापतियों को बेवजह निलंबित करने का आरोप लगाते हुए यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल को सदन में जमकर घेरा। उन्होंने जयपुर ग्रेटर मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर का राज्य सरकार द्वारा निलंबन करने और उसके बाद हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट से सरकार के आदेश खारिज होने की बात भी रखी।

राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में जब से कांग्रेस की सरकार बनी है, तब से नगरीय निकायों में भाजपा के मेयर व सभापति यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के निशाने पर हैं। अब तक करीब आधा दर्जन सभापति इनके शिकार हुए हैं। इनमें जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर का नाम प्रमुख है। राज्य सरकार ने उन्हें महापौर की कुर्सी से हटाने के लिए तरह-तरह के कानून कायदे तोड़-मरोड़कर लगा दिए, आखिरकार उन्हें हाईकोर्ट और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली और वह आज भी जयपुर मेयर की कुर्सी पर बैठी है। सरकार की हालत यहां पर ‘उल्टे बांस बरेली को’ जैसी हो गई।

राठौड़ ने कहा कि जनता अपने पार्षद चुनती है, वह पार्षद वोट के जरिये महापौर और सभापति चुनते हैं, लेकिन यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने प्रतिपक्ष के आधा दर्जन सभापति और कई पार्षदों को चुन-चुनकर निलंबित किया। यह लोकतंत्र का मजाक उडाने जैसा है।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का दोहरा रवैया ऐसा है कि रींगस नगरपालिका के चेयरमैन अशोक कुमार कुमावत के 17 नवंबर 1995 में तीन बच्चे हैं, फिर भी वे जानकारी छिपाकर चेयरमैन बन गए। जब इसकी शिकायत राज्य निर्वाचन आयोग पर हुई तो जांच उपखंड़ अधिकारी को दी गई। इस प्रकरण की जांच में 2 मार्च 2022 को प्रमाणित हो गया कि वाकई अशोक कुमावत ने जानकारी छिपाकर चेयरमैन की कुर्सी हासिल की। इसके बाद 9 मार्च को जिला निर्वाचन अधिकारी ने चेयरमैन को हटाने और उसके प्रतिद्वंदी हरीशंकर को विजयी घोषित करने की बात कही। इस फाइल को यूडीएच मंत्री दबा गए। इसके बाद जिला सत्र न्यायाधीश ने भी हरीशंकर को विजयी घोषित करने के आदेश दिये, लेकिन हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस की सरकार ने हरीशंकर को आज तक चेयरमैन का चार्ज नहीं संभलवाया है।

ऐसे में सदन में नगरपालिका संशोधन विधेयक लाकर पुराने एक्ट में नई धाराएं जोड़ने वाली राज्य सरकार की मंशा पर सवालिया निशान लगना लाजमी है। राठौड़ ने कहा कि निकायों में चुने हुए जनप्रतिनिधियों को डिस्टर्ब करने का काम यूडीएच मंत्री कर रहे हैं। उन्हें नोटिस-चार्जशीट थमाकर जवाब तलब करते हैं, फिर न्यायिक जांच और बर्खास्तगी का खेल चलता है।

प्रदेश में लगातार तीसरे दिन करोना से मौत

जयपुर (कासं)। प्रदेश में सोमवार को लगातार तीसरे दिन करोना संक्रमण से मौत हुई है। इसके चलते अजमेर में एक संक्रमित ने इस बीमारी से दम तोड़ा है। वहीं इस बीच राज्य में 15 नए मरीज पाए गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को करोना से अजमेर में एक संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में इस बीमारी से अब तक 9660 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं आज राज्य में 15 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को इनकी संख्या 30 रही थी। इधर आज उदयपुर में 7, जयपुर में 6 और अजमेर में 2 नए संक्रमित मिले हैं। उधर, प्रदेश में सोमवार को केवल एक मरीज ही ठीक हुआ है। राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 130 हो गए हैं। इनमें इनमें उदयपुर में 35, जयपुर में 29, भीलवाड़ा में 19, बीकानेर में 12, राजसमंद में 11, जोधपुर में 7, जालोर व अजमेर में 5-5, अलवर में 3, भरतपुर, हनुमानगढ़, कोटा और गंगानगर में 1-1 मामला है।

सतीश पूनिया ने खेतों में जाकर फसल खराबा देखा

- **विधानसभा में मुद्दा उठाकर कहा, भारी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की जल्द गिरदावरी कराकर मुआवजा राशि जारी करे सरकार**

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने विधानसभा में मुद्दा उठाते हुये ओलावृष्टि एवं अतिवृष्टि के कारण प्रदेशभर के किसानों के हुए नुकसान की भरपाई के लिए राज्य सरकार से तत्काल मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि, राजस्थान के विभिन्न जिलों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है, जिसमें दौसा, करौली, अलवर, बूंदी, बाड़मेर, सीकर, जोधपुर सहित तमाम जिलों में काफी नुकसान फसलों को हुआ है।

उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से जो खबरें आई उसमें यह बात सामने आई है कि उसमें तीन किसानों को जिंदगी से हाथ धोना पड़ा, बूंदी के पृथ्वीराज बैरवा जो पहले से ही किसान कर्जमाफी नहीं होने परेशान थे और अब ओलावृष्टि से फसल को हुए नुकसान के सदमे से सुसाइड कर लिया। दौसा की नर्मदा देवी और झालावाड़ के शंभूलाल धाकड़ की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। जिस तरीके से पूरे राजस्थान में फसलों को नुकसान हुआ है। जिसका आंकलन तो राज्य सरकार करेगी, राज रूठ जाए तो इससे बड़ा दंश नहीं होता, गिरदावरी की चर्चा होती है लेकिन गिरदावरी में देरी भी होती है। मुआवजा पिछली फसल तक का आगे तक मिलता नहीं है, ऐसे हालात कांग्रेस शासन में बने हुए हैं। राज्य सरकार से मेरा विनम्र निवेदन है कि आपदा में जो जनधन का नुकसान हुआ है। बडी संख्या में पशुधन का भी नुकसान हुआ है, इसलिए फसल, पशुधन और मानवधन का जो नुकसान हुआ है उसका राज्य सरकार आंकलन करे और तत्परता से पीड़ित परिवारों को

संक्षिप्त

मुदित गुप्ता पुनः अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर (कासं)। महावर वैश्य नवयुवक सेवा संस्था जयपुर के अध्यक्ष मुदित गुप्ता को आगामी 3 वर्ष के लिए पुनः अध्यक्ष मनोनीत किया है। महावर वैश्य सेवा संस्था जयपुर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेश कुमार गुप्ता ने वर्ष 2023-26 की नवगठित कार्यकारिणी के शपथग्रहण समारोह में मुदित गुप्ता को नवयुवक संस्था के अध्यक्ष पद की शपथ दिलायी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय महावर वैश्य महासभा नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल डाटा, विशिष्ट अतिथि मुख्य ट्रस्टी बाबूलाल गुप्ता और महावर वैश्य सेवा संघ अलवर के अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता रहे।

‘फसल खराबे का मुआवजा जल्द दें’

जयपुर (कासं)। बहुजन समाज पार्टी राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों का मुआवजा पीड़ित किसानों को देने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हो रही लगतार बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की खेत में पड़ी हुई और खेत में खड़ी फसलें चौपट हो गई हैं। किसानों को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है, वह अपने भविष्य को लेकर चिंतित, ऐसे में राज्य सरकार से मांग है कि फसल खराबे की शीघ्र गिरदावरी करवाकर उन्हें मुआवजा दें।

रांका से मिले लैब टेक्नीशियन

जयपुर । राजस्थान लैब टेक्नीशियन कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचकर प्रमुख शासन सचिव कुलदीप रांका से वार्ता की। संघ के प्रदेश संयोजक राम प्रसाद चौधरी और सह संयोजक रविकांत गोयल व राजेश विजय ने बताया कि प्रदेश के लैब टेक्नीशियन ग्रेड-पे वृद्धि, एक हजार रुपये का विशेष वेतन देने, 1320 रुपये प्रतिमाह का मैस भत्ता, 200 रुपये हार्ड ड्यूटी व पदनाम परिवर्तन के लिए लंबे समय मांग कर रहे हैं, ऐसे में राज्य सरकार से मांग है कि हमारी तमाम मांगों पर सकारात्मक निर्णय ले। उनकी इस बात पर कुलदीप रांका ने भी जायज मांगों का जल्द निस्तारण करवाने के लिए आश्वासन दिया।

नाटक में दिखाई डॉक्टर की कहानी

जयपुर । संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आशादर्शन कला संस्था के बैनर तले महेश महावर द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक ‘द हॉस्पिटल’ के मंचन के साथ ही रवींद्र मंच पर चल रहे छठे दो दिवसीय ‘द ग्रेट लुइस ब्रेल फेस्टिवल’ का समापन हो गया। आशादर्शन कला संस्था के बैनर तले 30 दिवसीय कार्यशाला में तैयार ‘द हॉस्पिटल’ नाटक में नवोदित कलाकारों ने भाग लिया । इस नाटक की कहानी डॉक्टर रॉबिन मिश्रा की कहानी है, जिसने मेडिकल फिल्ड में अथाह तरक्की पा ली है। वह अपने पेशेंट की सर्जरी चुटकियों में ऐसे कर देते हैं, कि पेशेंट को दर्द का अहसास ही नहीं होता। डॉ रॉबिन निराशा और ज़िंदगी से हार मान चुके लोगों में फिर से आशा की किरण जगाते हैं, परन्तु एक दिन अचानक डॉ. मिश्रा का बहुत ज़बरदस्त एक्सीडेंट हो जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी में अटैक आ जाता है।

जे.डी.ए. ने 200 करोड़ की आठ बीघा बेशकीमती जमीन से हटाया अतिक्रमण

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद विद्याधर नगर स्थित मल्होत्रा नगर में कार्रवाई

विद्याधर नगर स्थित मल्होत्रा नगर में जेडीए की जमीन पर बनी मार्बल की दुकानें। (फाइल)

- **भूमाफियाओं ने कब्जा करके यह सरकारी जमीन मार्बल और ग्रेनाइट व्यापारियों को किराये पर दे रखी थी**
- **बीते 30 साल से ज्यादा समय से कोर्ट में चल रहा था मामला**

जयपुर (कासं)। जेडीए की प्रवर्तन टीम ने सोमवार सुबह विद्याधर नगर में करीब 8 बीघा सरकारी जमीन का कब्जा लिया। मल्होत्रा नगर में इस बेशकीमती जमीन पर लोगों ने पिछले कई सालों से कब्जा कर रखा था। पिछले महीने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी हुई थी, जिसमें फैसला जेडीए के पक्ष में आया था। कब्जे में ली गई जमीन का बाजार मूल्य करीब 200 करोड़ रुपए से ज्यादा माना जा रहा है।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-2 में स्थित ग्राम बीड़ सरकारी, मल्होत्रा नगर, विद्याधर नगर एईएन ऑफिस से लगते हुई इस सरकारी जमीन का कब्जा लेने की कार्यवाही की गई। खसरा नंबर-170 की करीब 8 बीघा इस जमीन पर 40 साल से ज्यादा समय तक लोगों ने कब्जा कर रखा था। इन अवैध कब्जों को आज हटाने की कार्रवाई करते हुए यहां जेसीबी से कच्चे-पक्के निर्माण को तोड़ा गया। जेडीए की इस जमीन पर 9 मार्बल-ग्रेनाइट के बड़े गोदाम, 7 कबाड़ियों व अन्य के गोदाम, ऑफिस, पशुओं के बाड़े, चाय-नाश्ते की थड़ियां समेत अन्य निर्माण करके व्यवसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थी। इसके अलावा करीब 80 टीनशेड-तिरपाल की झुग्गी झोपड़ियां बनाकर अवैध रूप से बस्ती बसा रखी थी। इन सभी से छोटी मीणा और उसके कुछ सहयोगी किराया वसूलते थे। इन सभी को जेडीए ने 10 मार्च को धारा 72 का नोटिस देकर कब्जा खाली करने के लिए कहा था। जेडीए अधिकारियों ने बताया कि इस जमीन का मामला पिछले 30 साल से ज्यादा समय से कोर्ट में लम्बित था। साल 1958 में ये जमीन सेटलमेंट के समय जेडीए के नाम हो गई थी। साल 1997 में इस जमीन पर काबिज छोट राम मीणा ने सरकार पर मुआवजा नहीं देने और जमीन अपने दादा की होने की बात कहकर एडीएम कोर्ट में इस पर दावा पेश किया था। तब से मामला लगातार निचली अदालत से होते हुए सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

सदन के भीतर तर्क होने चाहिए, मनभेद नहीं : गुलाबचंद कटारिया

असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया का राजस्थान विधानसभा में सोमवार को अध्यक्ष डॉ. सी.पी.जोशी ने स्वागत किया।

- **असम के गर्वनर कटारिया के साथ-साथ राजस्थान के विधायक अमीन खां और अनीता भदेल का सम्मान**

जयपुर । असम के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि देश में ऐसे लोकतंत्र का निर्माण होना चाहिए जिसमें सभी लोगों की सहभागिता हो। उन्होंने कहा कि प्रभावी एवं सार्थक लोकतंत्र बनाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। सदन जितना अधिक चलेगा, हम जनता की बात उतने ही अच्छे तरीके से रख पाएंगे।

कटारिया सोमवार को राज्य विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित ‘‘प्रभावी एवं सार्थक लोकतंत्र को बढ़ावा देने में विधानमंडल की भूमिका’’ विषयक सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र के प्रति लोगों की अपार निष्ठा रही है। लोकतंत्र को सार्थक बनाने का काम सदन कर सकता है। कटारिया ने कहा कि सदन में तर्क होने चाहिए लेकिन मनभेद नहीं होने चाहिए, अन्यथा लोकतंत्र कमजोर होगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पद के दायरे में रहकर असम और राजस्थान की जनता की सेवा करेंगे तथा राजस्थान के मान-सम्मान को बरकरार रखेंगे। कटारिया द्वारा असम के राज्यपाल पद का दायित्व ग्रहण करने पर सोमवार को विधानसभा में उनका अभिनन्दन किया गया। वहीं, कार्यक्रम में वर्ष 2022 के लिए शिव विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमीन खां एवं वर्ष 2023 के लिए अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक अनिता भदेल को सर्वश्रेष्ठ विधायक के तौर पर पुरस्कृत किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। दोनों पक्षों को अपनी भूमिका का निर्वहन प्रभावशाली ढंग से करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सदन में वाद-विवाद की गुणवत्ता महत्वपूर्ण है। सरकार को इस प्रकार नीति निर्धारण करना चाहिए कि जन आकांक्षाएं पूरी हो सकें।

फसल खराबे से किसान मायूस

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसल का 90 प्रतिशत से अधिक खराबा हो गया है। फिर चाहे फूलों की खेती हो या गेहूं-जौ की फसल, या फिर मटर व चने की खेती, लगभग बर्बाद हो चुकी है। सोमवार दोपहर को बारिश के साथ इतने ओले गिरे कि दूसरे दिन सोमवार दोपहर तक खेतों में चने से मोटे आकार के ओले मौजूद रहे। सीकर रोड सिथत राजारामपुरा के लगभग सभी खेतो में यही हाल है। फ़ोटो दिनेश भारद्वाज

ठाकुर लोकेन्द्र सिंह कालवी को श्रद्धांजलि

श्री भवानी निकेतन कॉलेज में सर्व समाज के लोगों ने सोमवार को ठाकुर लोकेन्द्र सिंह कालवी का श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जयपुर । ठाकुर लोकेन्द्र सिंह कालवी के सम्मान में श्री भवानी निकेतन में आयोजित की गई श्रद्धांजलि सभा में भारी संख्या में सर्वसमाज के लोगों एवं शिक्षा समिति के पदाधिकारियों, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपने संरक्षक सदस्य एवं सामाजिक न्याय के पुरोधा स्वर्गीय कालवी को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया। जिसमें ख्यातनाम संगीतज्ञ धनश्याम सिंह जादौन, गरिमा कुमावत ने भाग लिया तथा पण्डित राधेश्याम जी सिखवाल ने श्रीमद् भगवत गीता का उद्धरण देते हुए बताया कि आत्मा अजर-अमर है, जिसे ना हथियार काट सकता ना आग जला सकती है और ना ही जल बहा सकता है। शिक्षा समिति के संरक्षक जालिम सिंह आसपुरा ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय कालवी साहब द्वारा समाज एवं संस्था के लिए किये गये कार्यों को सदैव याद किया जायेगा। राजसमन्द लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ जन आयोग के अध्यक्ष (राज्य मंत्री) गोपाल सिंह शेखावत ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि स्वर्गीय लोकेन्द्र सिंह कालवी के परिवार से मेरे आत्मिक संबंध रहे तथा अनारक्षितों को आरक्षित एवं आरक्षितों को संरक्षित करने की सामाजिक न्याय मंच की उनकी मुहिम को भुलाया नहीं जा सकता। सम्पत सिंह धमोरा ने स्वर्गीय कालवी के समाज के वंचित वर्ग के हितों की रक्षार्थ उठाये गये मुद्दों एवं पूरे के पूरे प्रदेश में सामाजिक न्याय मंच के माध्यम से किये गये आन्दोलन ने वंचित वर्ग को लाखों की संख्या में एकत्रित होकर अपनी मांगें रखने का अवसर प्रदान किया। इसको प्रदेश का आरक्षण से वंचित वर्ग हमेशा याद रखेगा। शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष नगेन्द्र सिंह बगड़ ने श्रद्धांजलि सभा में पधारे हुए लोगों का आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा करणी सेना के गठन को स्मरण किया तथा कहा कि शिक्षा समिति में उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

सार-समाचार

आंगनबाडी बच्चों को पाठ्यसामग्री बांटी

जयपुर । ए.आर.वेलफेयर फाउण्डेशन गत 10 वर्षो से जयपुर व राज्य के अन्य जिलों में राजकीय स्कूलों के छत्रों को स्कूल बगे, ड्रेस के स्वेटर, स्टेशनरी व अन्य सामग्री नि शुल्क वितरित कर रहे है। ट्रस्ट द्वारा कोरोना के दौरान भी कच्ची बस्तियों के गरीब परिवारों को बडे पैमाने पर खाद्य पदार्थ वितरित किये गये। अब आंगनवाडियों में आ रहे गरीब बच्चों को टी -शर्ट नेकर, साबुन बिस्किट व प्लेबुक्स नि शुल्क वितरित करने का कार्यक्रम हाथ में लिया गया है। ट्रस्ट को सामग्री वितरित की गयी जिसके लिये गांधी मूर्ति के निकट सूरजपोल गेट के भीतर कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में कैलाश चन्द मीणा वरिष्ठ आर.ए एस मुख्य अतिथि व सुनील प्रसाद शर्माआर पी एस बतौर विशिष्ट अतिथि सम्मलित हुए और ट्रस्ट के बच्चों को निःशुल्क सामग्री वितरित की। ट्रस्ट अध्यक्ष पूर्व आईएएस ए आर खान, समाजसेवी सरदार कंवलजीत सिंह, हाजरी समीद्दीन जमील खान, वसीम परवेज व मोहसिन भी शामिल हुए।

शाहरुख बने राजस्थान कैरम के चैंपियन

जयपुर (कासं)। अजमेर में राजस्थान कैरम एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कैरम प्रतियोगिता में टोंक के शाहरुख खान राजस्थान कैरम के नए चैंपियन बन गए हैं। देर रात तक चले कडे संघर्षपूर्ण मुकाबले में टोंक के शाहरुख खान ने पुरुष स्पर्धा के फाइनल मैच में जयपुर के शोएब को 24-19, 18-25, 25-16 से हरा दिया। यह जानकारी देते हुए राजस्थान कैरम संघ के अध्यक्ष सूरज खत्री ने बताया कि टीम इवेंट की चैंपियनशिप जयपुर जिले ने टोंक जिले को 2-1 के स्कोर से हराकर जीत ली। इससे पूर्व क्वार्टर फाइनल तथा सेमी फाइनल पुरुष चैंपियनशिप के मैच खेले गए जिसमें जयपुर के शोएब ने जयपुर के फजल अहमद को 25-21, 18-25, 25-17 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में टोंक के शाहरुख ने टोंक के ही अंसार को 25-14, 25-16 से हराया। तीसरे और चौथे स्थान के लिए पुरुष स्पर्धा मैच में विगत बार के चैंपियन फजल अहमद ने टोंक के अंसार को 25-21 तथा 25-18 के स्कोर से हराया मुख्य अतिथि अजमेर डेयरी के चेयरमैन रामचंद्र चौधरी और कैरम संघ के अध्यक्ष सूरज खत्री ने विजेताओं को ट्रॉफी तथा सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया।

माथुर सभा की ओर से होली मिलन

जयपुर । माथुर सभा, जयपुर की ओर से कल देर रात शहर के अजमेर रोड, कमला नेहरू नगर स्थित होटल जैपुर सैफरन मे होली मिलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। सभा अध्यक्ष, मेजर जनरल अनुज माथुर, महासचिव डॉ. आदित्य नाग और हेमेन्द्र माथुर ने बताया कि समारोह में कराओके और साज़ संगीत के साथ एक सुरीली शाम आयोजित की गई। उपस्थित लोगों में अमृत कलश, आईपीएस, एजीडी; अतुल माथुर, पूर्व डीजी नागालैंड सीआरपीएफ; संजय माथुर, माथुर वेलफेयर एसोसिएशन वीपी गाजियाबाद शमिल थे। कार्यक्रम में सामुदायिक भोज के साथ माथुर परिवार की 80 साल से अधिक उम्रदराज़ वरिष्ठ महिलाओ का सम्मान और हाल ही में सम्पन्न हुए माथुर सभा द्वारा आयोजित क्रिकेट मैच की टीम को प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं ट्रॉफी वितरण की गई।

फसल खराबे के मुद्दे पर भाजपा ने किया सदन से वाकआउट

उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ बोले, ‘‘गिरदावरी में जानबूझकर कम नुकसान दिखाया’’

- **आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल बोले, ‘‘गलत आरोप लगा रहे हैं राजेन्द्र राठौड़, किसी कलेक्टर को यह नहीं कहा कि खराबा कम करके दिखाना है’’**
- **‘विशेष पैकेज के लिये कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री से सलाह के बाद ही फैसला हो सकता है’**

जयपुर, (वि.सं.)। प्रदेश में ओलावृष्टि से खराब हुई फसलों के मुआवजे का मामला सोमवार को विधानसभा में उठा। बीजेपी विधायकों ने खराबे के आकलन पर सवाल उठाया और आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल के जवाब से नाराज विधायकों ने नारेबाजी की और फिर सदन से वॉकआउट कर गए।

सोमवार को फसल मुआवजा और आकलन पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि इस बार किसानों पर चार-चार बार कहर टूटा है। सरकार ने गिरदावरी के नाम पर लीपा-पोती की है। इस बार डिजिटल गिरदावरी का नाम दिया गया, जबकि पटवारी और राजस्व विभाग के कर्मचारी फील्ड में गए ही नहीं। बिना फील्ड में गए ही गिरदावरी कर दी गई।

सरकार ने गिरदावरी के वक्त कलेक्टरों को यह भी कहा कि 33 फीसदी से ज्यादा खराबा नहीं दिखाना है। फसल बीमा का फायदा लेने के लिए किसान को कॉल सेंटर पर सूचना देनी होती है, लेकिन वहां कोई फोन ही नहीं उठाता। 16 से 18 मार्च को अंधड़, तूफान और बारिश से फसलें बर्बाद हो गईं।

राठौड़ ने कहा कि जनवरी में हुए स्पेशल गिरदावरी के बाद खराबे का एक पैसा तक नहीं दिया। सरकार पूरी गिरदावरी करवाएं और किसानों को हुए नुकसान पर 15 दिन में सहायता दी जाए। इसके बाद भाजपा सदस्यों ने सदन में नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि सरकार के वक्तव्य का हम और हमरा दल घोर विरोध करते हैं और वाक आउट करते हैं।

इस पर आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा कि उपनेता प्रतिपक्ष ने सदन में गलत दावा किया है। किसी भी कलेक्टर को यह नहीं कहा गया कि खराबा कम करके दिखाना है। गिरदावरी की रिपोर्ट के आधार पर किसानों को जल्द इनपुट सब्सिडी के रूप में सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

इससे पहले आपदा राहत मंत्री ने वक्तव्य देते हुए कहा कि प्रदेश में आम तौर पर 103 लाख हेक्टेयर में रबी की फसल की बुवाई होती है। इस बार 109.55 लाख हेक्टेयर में बुवाई हुई। जनवरी में शीतलहर से फसल खराबे की गिरदावरी करवाई गई। शीतलहर से 10 जिलों में 33 फीसदी खराबा हुआ, जिनमें दौसा, गंगानगर, सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, नागौर, अलवर, भरतपुर सहित 10 जिले हैं। इनमें 61 तहसील के 5038 गांवों में 20 लाख 85 हजार 317 किसान प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि ओलावृष्टि से फसल खराबे में कोटा और उदयपुर के 18 हजार से ज्यादा किसान प्रभावित हुए हैं। 19 जिलों में कोई खराबा नहीं हुआ। 5 और 6 मार्च को हुई ओलावृष्टि की गिरदावरी करवाई है। कोटा जिले में 6 तहसील के 69 गांवों में 8293 किसान प्रभावित हुए हैं। फसलों की गिरदावरी के अनुसार 8293 किसान प्रभावित हुए हैं।

स्पीकर सीपी जोशी ने कहा कि बारिश, ओलावृष्टि से फसल खराब हुई है। अब भी बारिश हो रही है। क्या किसानों को कोई स्पेशल पैकेज या सहायता दी जा सकती है, इस पर सरकार विचार करें।

इस पर आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने कहा कि स्पेशल पैकेज का फैसला सीएम से सलाह के बाद कैबिनेट की बैठक में ही हो सकता है। गिरदावरी के बाद प्रभावित किसानों को जल्द सहायता दी जाएगी।

World Puppetry Day

Step into a world of imagination with puppetry. From simple hand puppets to elaborate marionettes, these lovable characters will delight audiences, young and old. Come join the show and let the magic begin! While it can take on a variety of different forms, puppetry involves creating animation from inanimate objects, with the purpose of telling a story. Puppetry has been used for thousands of years to communicate ideas theatrically, whether in a comedic, dramatic, political or tragic fashion. World Puppetry Day is here to celebrate the creativity and art.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
21 March 2023
A-B

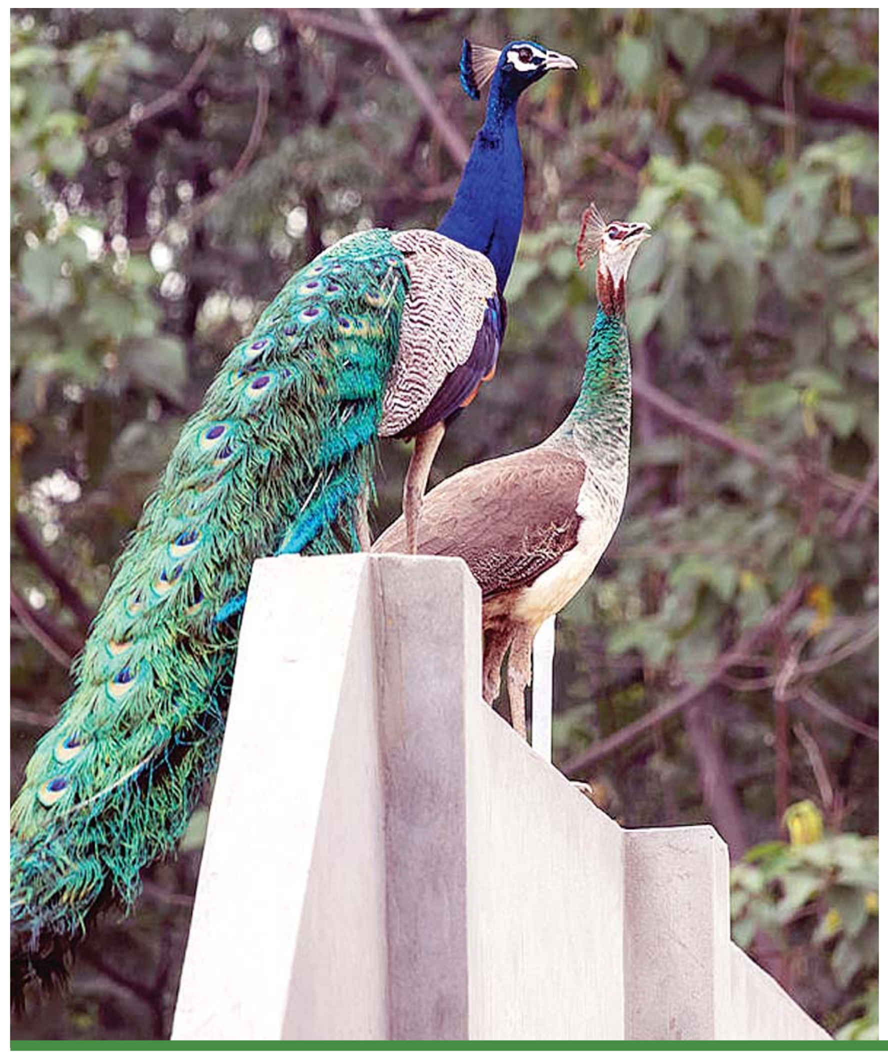

I have known Dhauli for quite some time now. She is a chirpy and gay creature who rarely gets perturbed. What was it that was making her wreathe in pain like this? While standing atop the roof, my face was turned towards the direction of the Imli tree and despite the considerable distance between the tree and the castle, Dhauli's cries were clearly audible. Something was utterly bothersome to her. Her wailing had become so heart wrenching that without making any effort, her grief exerted a strange pull on me. Enough was enough! I decided. I had to get to the bottom of the matter. My anxieties and concern for my friend's agony were overwhelming me now. I climbed atop the pony wall, shouted aloud calling out to her in a typical sound imitating a peahen's scream and asked her to fly to me. Sometimes experiencing the bliss of a conversation with a friend is all one needs.

Dhauli's Painful Waiting

Dr Abhimanyu Singh Arha
Assi. Professor, Department of History, University of Rajasthan, Jaipur

#SAWAN

This is not a short story or an essay. I do not know in which genre of literature does this piece of writing fall in? It is a simple, genuine and heart-felt narration of my conversation with a peahen, who hails from the same village to which I belong to. Her name is Dhauli or the 'White One'. I keep bumping into her whenever I visit my village. You can assume that by now we have made good friends with each other.

I am a regular visitor to my village which lies tucked away in one corner of the Great Indian Desert or the Thar. Since my village lies along the western slopes of the Aravalli Mountain Range, it occupies a relatively greener tract of the Thar Desert lying sandwiched between seasonal streams flowing down from the mountains. During a good monsoon, our lands get quite well-watered and the resultant greenery, despite being short-lived, lets us forget the rigors of the desert for a few months. This year happens to be one such year and we have been blessed with abundant rains. My village is looking like a nikhlistan.

Usually, when I visit my village and stay in the beautiful, little castle which was built by my ancestors almost five centuries ago, I prefer to sleep out in the open. My bed is laid either on the dagla (terrace), during summers or in the dalan, if it is cold at night. It is a routine to hear the cooing of my peahen friend in the middle of the night when I sleep in the open. Each night, unfailingly, Dhauli breaks the nocturnal silence with her cacophonous screams. Sometimes I wonder as to why she starts honking right at midnight. I have often observed that when the night is lit up by a resplendent moon, quite mysteriously, she starts straining her vocal chords exactly at the time when the clock strikes 12. That night also appeared to be one such normal routine occurrence until I discovered a strange happenstance.

Bliss of a Conversation

It was a full-moon night of late August. I was invited to a goth (feast) at my cousin's farm lying on the outskirts of the village. The entire field was covered with adolescent stalks of a rich wheat crop. We drank, discussed politics, listened to some songs of the late Nayarra Noor and gorged on the sumptuous desi food prepared on charcoal. On my way back, I drove my SUV through the countryside very slowly because I wanted to let my eyes savour the faintly lit landscape bathed in the chandni (moonlight). Just when I was about to enter the village, I reached the huge Imli (Tamarind) tree which happens to be Dhauli's home and I brought my car to a dead stop. I could see Dhauli perched on a thick branch and I waived a 'hi' to her. She responded with a cold shudder of her shoulder and seemed conspicuously dejected. It was clear to me that she was upset about something and I didn't want to pester her any further. I drove off quickly because after having a happy evening, my cool bed was beckoning me. On full moon nights like these, beds laid out on the terrace floor and covered with white cotton sheets become so cool that when you lay your tired frames on them, you feel like taking a dip in a bath tub filled with rose water.

So, I returned, changed my clothes quickly, asked for a kunja (pitcher) of water for myself, took leave from my helper and retired to my bed. After making myself comfortable on the bed, I got busy checking my phone. The inebriation flowing out of a few posts on instagram, engaging videos on YouTube and some interesting messages on WhatsApp soon engulfed me and transported me into a La La land.

Just then, very close to the striking of the 12 o' clock gong, the raucous cooing started echoing from the distant Imli tree located near the village temple. There was a strange restlessness and melancholy in Dhauli's voice that night. The pain and pathos of her voice imparted a spooky appearance to the silver washed night marked by a black and white contrast. The huge white moon, whose light was fading and flickering due to the hasty flow of the floating clouds around it, also appeared to be agitated. There was a compelling sense of uneasiness in her voice, so much so that it was difficult to ignore it. Her boisterous shrieks urged me to detach myself from the phone and I sprung up from the bed like a cork. I walked up to the edge of the roof and stood near the pony wall on the terrace with my palms placed on it.

I have known Dhauli for quite some time now. She is a chirpy and gay creature who rarely gets perturbed. What was it that was making her wreathe in pain like this? While standing atop the roof, my face was turned towards the direction of the Imli tree and despite the considerable distance between the tree and the castle, Dhauli's cries were clearly audible. Something was utterly bothersome to her. Her wailing had become so heart wrenching that without making any effort, her grief exerted a strange pull on me. Enough was enough! I decided. I had to get to the bottom of the matter. My anxieties and concern for my friend's agony were overwhelming me now. I climbed atop the pony wall, shouted aloud calling out to her in a typical sound imitating a peahen's scream and asked her to fly to me. Sometimes experiencing the bliss of a conversation with a friend is all one needs.

Sweet Encounters

To my delight, she threw no tantrums this time and quickly responded. She flew from her home towards the castle and landed on one of the larger battlements. When her face shone under the silvery moonlight, all my doubts were laid to rest. Tears were oozing out of her gorgeous longish eyes, she wore a mournful countenance and looked emaciated. At the very first look, I knew that my dear friend was love-struck.

After a few minutes of silence between us, we broke into a conversation. I asked, "So, who is he? What's cooking between the two of you?"

Dhauli cleared her choked throat and said, "Of course! It is a peacock. What a silly billy question to ask? And you call yourself my friend! Is this how you behave with a sick friend? Learn some politeness you Professor!"

I quickly apologised and tried to explain that the haste and roughness in my voice was not due to my callous attitude or impolite demeanour but due to the feelings I held for a kindred spirit. When she was convinced of my intention, she proceeded further.

"So, his name is Raju. We met here in the village during the festival of Holi. You know, Holi also falls on a full moon night. I met him then and have lost my heart to that dandy pigeon! What to do? He was so tall and good looking. The violet on his throat was so glossy and smooth that it shone in the silvery moonlight too. And uffffff! My God! What to say about his plumes and feathers. They looked so vibrant and rich and colourful that it appeared as if God himself painted them in careful, meticulous strokes of fine brushes made out of silk. The cherry on the top of the cake, he had graduated with an Honours in English Literature!"

This sounded so familiar. As she fervently described her lover, a page out of a quintessential Jane Austen's novel flashed on the screen of my mind. Poor Dhauli was truly, madly and deeply in love with Raju. Before she could disclose anything further, my gut feeling revealed to me, the exact reason for her disillusionment. The way it happens in a typical love-story, when one partner gets separated from the other leaving behind the former to howl and wail like a lovelorn diva, likewise, poor Dhauli might have been estranged from Raju. Yet, I made an effort to ask her in a soothing tone, "Dear Dhauli! It is okay to be fond of somebody. Why are you so sad? What went wrong?"

She replied, "Wrong! There isn't anything right about us in the present. In the beginning, everything was hunky dory. He professed his love and told me that he had never come across a peahen more beautiful and loving than me. While assuring me of a life-long companionship, he confessed that I make him feel like no peahen has ever made".

I interrupted, "Brilliant! This is a perfect script. Then where is the problem?"

"Ohfo! Listen you moron!"

"Things were fine until monsoons struck. In the initial bout of the rains, he was happy frolicking in the village meadows. We would spend long hours in the thicket all by ourselves in the monsoon afternoons, that seemed to last forever. Initially, it seemed that he had no business in life other than to dance around me, showing off his Technicolor plumage to woo me incessantly. Then, I do not know what suddenly got into his mind. One day, he came up to me and announced his wish to go to a place called University of Rajasthan in Jaipur and pursue Higher Studies. He envisaged a brighter future for us in the city. On the contrary, you know how much I love the village and my cosy little Imli tree. I cannot even imagine to leave this spot even if I were offered the Heaven in exchange. However, my decision or choice is immaterial to him. Before I could make up my mind, he departed for the city of his dreams."

"Ahaaan! So that's about it." I said.

In order to console her, I added, "Oh dear Dhauli! It happens with everyone. You meet somebody great. The two of you strike a common chord and both of you experience a fine emotion called 'love'. Isn't that enough? We cannot live our lives according to the conditions and whims that we would like to entertain. We all have to strike compromises somewhere and move on. Besides, there are many woes and laments in our lives other than those related to love and courtships. Like the famous poet Faiz wrote, "Aur bhi dukh hain zamane main mohabbat ke siva" (There remain many graver griefs in this world other than love)."

"Things were fine until monsoons struck. In the initial bout of the rains, he was happy frolicking in the village meadows. We would spend long hours in the thicket all by ourselves in the monsoon afternoons, that seemed to last forever."

Dhauli replied, "I know all of that. I am also not a teen whining away to glory because I have failed in my first dalliance. My woes are deep seated because of how Raju has left me in the lurch."

"What pains me most is that I am trapped in an existence where I have nothing to hold on to but the memories of our sweet encounters, the depth of our soul-touching conversations, the fragrance of our special moments, the levity of our heart-felt laughter and the hope that our amazing bond was forged by the grace of destiny not just to wither away like a meaningless idea. You know how optimistic I am. Something inside me keeps me going, when I think that if there is a soulmate on Earth with whom I can share my mind and heart so well, if there is a twin flame on Earth with whom even silence and glances become beautiful tools of language and expression, if there is a person on this planet with whom I feel one, then how can we remain apart? The vacuum that my lover has left me in, tests my patience and my optimism each night, each day of my life."

Platonic Love

"Lovers are supposed to survive several ups and downs. True love can brave any distress but the anguish of being left in the lurch is excruciatingly painful. That endless wait for your other half, that desperate clinging onto a tiny ray of hope and that lonesome life bereft of that blissful companionship worsens the plight of hijra (period of separation). From the beginning, I made it amply clear to my partner about what I longed for. A faint acknowledgment of our platonic love in our heart of hearts is all that I expected. Was that too demanding?

The enormous distance that separates us makes things more difficult. I wish he called me, once. I wish he wrote to me, once. Am I so dispensable for him? And if it is the other way round (which I know it is because I could look into his eyes and read him), then why does he play this guessing game with me. One word of assurance from him and I can wait for a lifetime for the fructification of our togetherness. I am willing to walk that extra mile by conceding to him the comfort that even if any fructification cannot be possible tangibly, a mere mind-bond is enough for me. If not Rukmini, I am happy being his Radhika but I am not capable of becoming his Meera."

Dhauli let out a big sigh and a long pause followed thereafter. She had expressed her state of mind so articulately and beautifully. Grief has the power to lend even the most reticent creatures, the ability of impeccable expression, a skill that no other emotion in the world is capable of bestowing. My heart went out to her and I was touched by her despondency which she carried, none the less, with remarkable grace and élan. How deeply she felt? How unfathomably she loved? How patient and intense was her longing? No wonder, the cooing of this peahen is so penetrating and so forlorn. I believe that in the age of 'Artificial Intelligence', the age of social media and the age of 'gadgets galore' in the twenty-first century, humans are rendered incapable of feeling so genuinely for someone. The options are way too many. Can there be a man today who can wait so long for his beloved who lives so distant and so far away from him? Can there be a woman, who can love like Dhauli?

With a heavy heart, I hugged Dhauli. I offered her help. I told her that when I return to Jaipur, I shall try to find Raju and reach out to him. As a true friend, I decided that in this love-story, I shall play the role of a perfect Prem-doot (Messenger of love) and pull her out of this misery. When I confided my plan to her, she got a bit anxious. She exclaimed with worry, "But what if you actually meet him and he denies his love for me?"

I replied, "All the more better! Didn't you yourself say just now that you were left in the lurch? A denial will set you free. And an affirmation will light up your soul and being. So, kindly allow me to do what I think is the best for you." This time Dhauli gave me a bear hug. I asked her to give me some clue as to how to identify Raju?

She said, "Oh! Trust me you will recognise him the moment you see him. He is the most gorgeous peacock ever to exist!"

"Relax Dhauli! It is you who are besotted with him, not me. I can find better peacocks than him, any day. And, by the way, why the hell will I find any peacock for myself? Come out of your obsession for him and tell me something practical." I said.

"OK! Raju wears a golden ring in his left foot."

That night I bid goodbye to Dhauli with some comforting words. She flew back to the Imli tree and did not coo again. However, the next two nights that I stayed in the village, her midnight cooing resumed with full force. I could relate her entire story in those moments. Now, I knew, the melancholy in a peahen's cooing on a moist Swan moonlit night.

The next morning, I drove back to Jaipur and resumed my teaching at the University. Since then, it has become my daily habit to go for a walk in the campus looking for Raju. I carry a binocular with me and whenever I see a gorgeous peacock, I try to look for a golden ring in its left foot. Alas! I have not been able to find him so far. If you come across one, please ping me.....

writetoarbit@rashtradoot.com

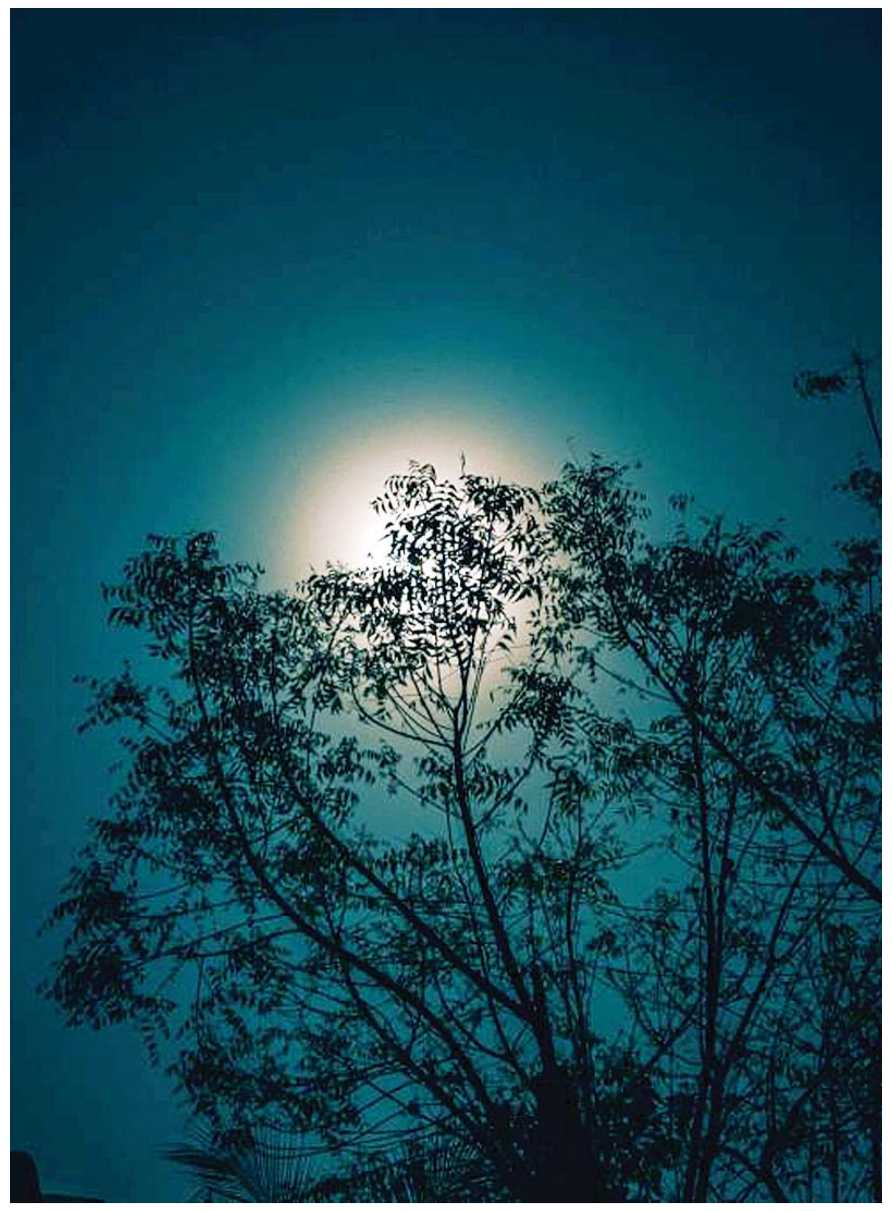

#REVIEW

Crown Royal Roots

The Pan Shots – a sweet liqueur made from gulkund is divine – now especially as the mercury rises. It was once considered the elixir of life when temperatures in the Thar became life threatening. Gulkund to date is best made in Pushkar, with the petals of pink desi Gulab where it's cultivation is done on a commercial scale.

Sadhana Garg
Journalist & social entrepreneur

Social media, food bloggers and even Zomato, a multinational restaurant food aggregator site should be taken with a handful of salt. Or how else do you explain the exclusion of Royal Roots - a fine dining restaurant of Crown Plaza, from the list of white table cloth restaurants in Jaipur on the social media?

Royal Roots, as the name suggests, delivers a range of Awadhi cuisine together with the local flavours. The table ware, the cutlery, the lay out, the ambience is not only upscale but unique.

Pan Shots

The usual suspects of Paneer items are all there but the Kandhari Paneer Tikka, marinated in yellow mustard sauce, added to this, the beetroot pomegranate seeds, roasted in clay oven turns it into a saliva inducing signature Kandhari dish.

The Nadrooki Shammi or a Lotus stem braised patties stuffed with cheese is as enticing as Mahi Kagzi Tikka, Tandoori Jhinga, the Royal Root Galauti Kebab. The latter are soft lamb patties with a distinct taste of cloves and other masalas that are essential ingredients in the quintessential Indian Khada Garam Masala.

For non-vegetarians, the fare is as flavoursome as it is fulfilling. The Khade Masala Murg and Avadhi Murg Biryani stuffed scented chicken in Basmati rice cooked on slow charcoal fire is combo to savour.

The lacarte menu of Royal Roots is curated for a five course meal - as any fine dining restaurant should have.

Some of the most popular dishes mentioned in the reviews are Murgh Awadhi Korma, Sab Dum Biryani and Chule Ka Shikar. The latter is tender lamb meat cooked in wood fired Bhatti. Korma is saffron scented chicken. What gives the Royal Root it's distinctive taste, be it Dal makhani, Rajgharano Ka Sag or the non-veg-fare is the generous but judicious use of Khada Garam Masala and Royal Root signature gravy.

Add to this, the copper vessel and wood fired chulha's slow cooking, that gives the food-fare an authentic flavour.

The Dal Makhani for once is just right.

It is a pity that a city with overwhelming majority of foodies who love their meat and mutton is yet to discover Royal Roots.

It's vegetarian repertoire is as inviting as it is innovative.

The Warqi Malai Parantha, Jafrani Taftab - the latter is a flat round Persian bread, though resembling a Naan, is much softer, lighter and fluffier. The presence of selenium makes it a hot favourite with fitness freaks as it ups the good cholesterol – HDL.

The Pan Shots – a sweet liqueur made from gulkund is divine – now especially as the mercury rises. It was once considered the elixir of life when temperatures in the Thar became life threatening. Gulkund to date is best made in Pushkar, with the petals of pink desi Gulab, where it's cultivation is done on a commercial scale.

Desserts in the bygone era in this part of the world were niether many nor were they exotic. More often than not, it was Laddoos, Halwa, kheer and sweet rice. The latter being a sole preserve of the well-heeled, as rice in the dessert was once a delicacy.

Dal makhani

The desserts section is somewhat limited to kulfi, rasmalai and gulabjamuns.

One could do with some regional specialities like coin ghewar or token sized Mawa kachoris or even malpuas!

Yet next time round you look for a royal culinary experience and service, head to the "Crown" nestled beautifully in the Plaza.

So, refresh the culinary heritage of the Thar and celebrate - less is more , gastronomic traditions of the region.

THE WALL

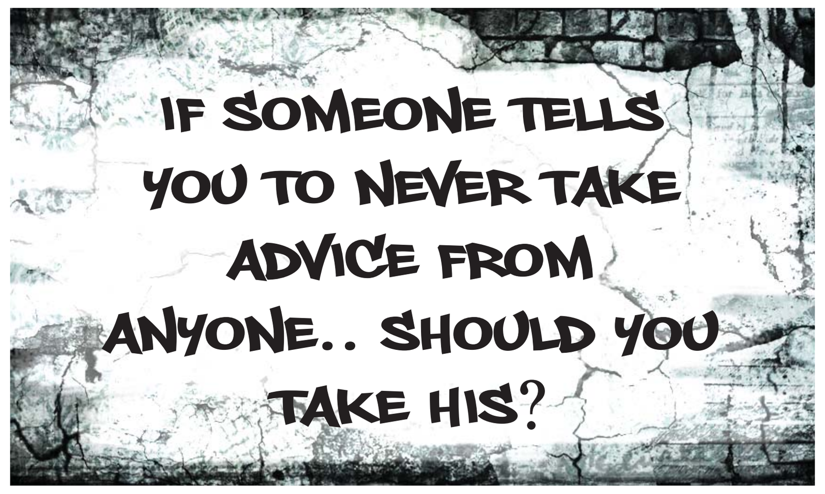

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

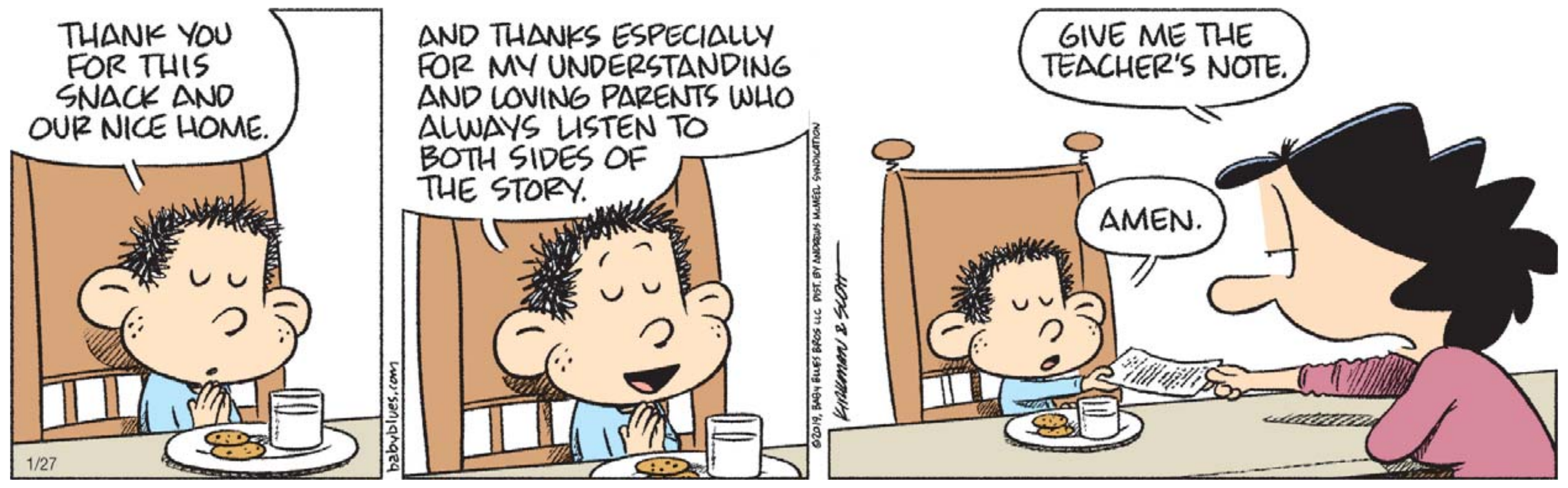

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

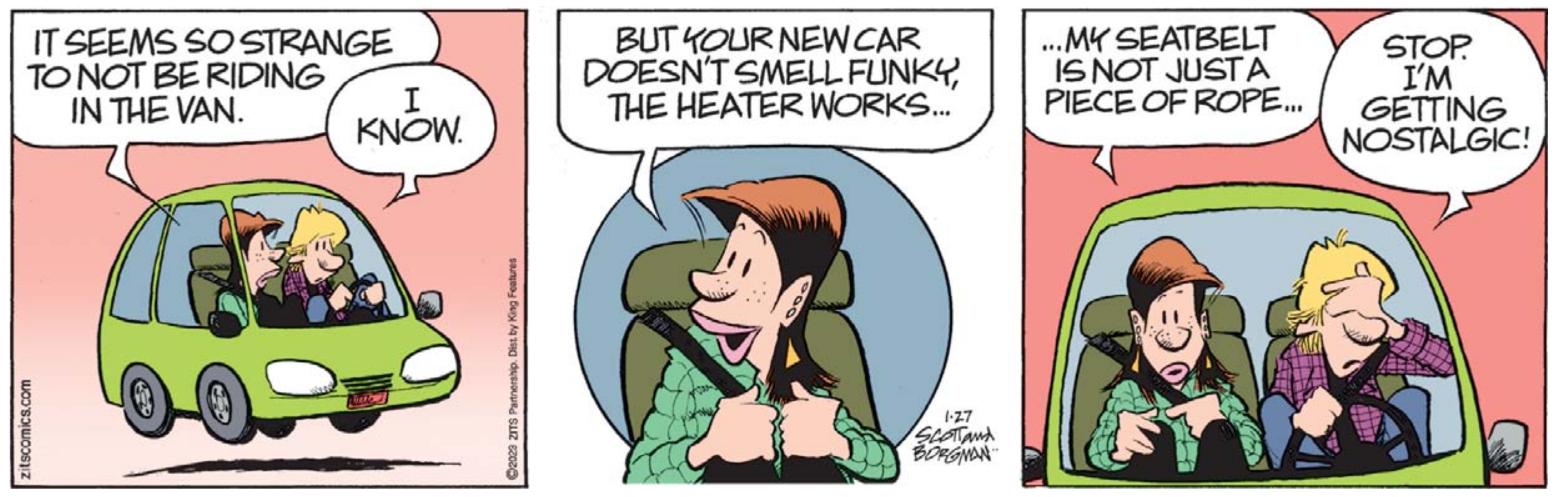

गुढ़ागौड़जी को नीमकाथाना जिले में शामिल करने के विरोध में बंद रहा गुढ़ा

लोगों ने कहा गुढ़ागौड़जी को कतई नीमकाथाना जिले में नहीं होने देंगे शामिल

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में 19 जिले नए बनाने को लेकर गुढ़ागौड़जी को नीमकाथाना जिले में शामिल किए जाने को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया एवं बाजार पूर्णतया बंद रखे। विरोध प्रदर्शन को लेकर भोड़की चौराहे पर विरोध प्रकट कर सभा का आयोजन किया गया। नीमकाथाना को जिला बनाने के बाद गुढ़ागौड़जी को शामिल किए जाने पर लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

इसी दौरान लोगों ने गुढ़ागौड़जी नायब तहसीलदार ओमप्रकाश को ज्ञापन भी सौंपा। पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि वर्तमान विधायक ने जनता को धोखे में रखा। पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस सरकार और उसके स्थानीय मंत्री व विधायक ने कुटरचित चाल चलकर संपूर्ण उदयपुरवाटी उपखंड क्षेत्र को नवसृजित जिले नीमकाथाना में शामिल करवाया है। जो निहायत ही गलत है। इसमें नीमकाथाना मुख्यालय से कम दूरी वाले गांव को उनकी सुविधा को मध्यनजर रखते हुए ओर उन गावों कि इच्छानुसार शामिल करना चाहिए था।

गुढा क्षेत्र के गांवों को शामिल करना तो इस सरकार और स्थानीय विधायक का अन्याय के पथ कर चलते हुए एक दमनकारी कदम है। पूर्व विधायक चौधरी ने आगे कहा कि इस तरह कि दोगली बातों से ही तो क्षेत्र का सत्यानाश हो रहा है। गुढा क्षेत्र के लोगों मे नीमकाथाना मे शामिल करने से त्राहि त्राहि मची है और आप सरकार का आभार वक्त कर रहे है। नीमकाथाना जिले में शामिल करने के विरोध में पहले भी शुभकरण चौधरी ने ही पुरजोर आवज उठाई थी और आज भी उन्हीं के नेतृत्व में धरातल पर आंदोलन होने से सफलता हासिल होगी।

धरने को पंचायत समिति सदस्य रामसिंह खेदड़ टीटनवाड़, सीथल सरपंच संजू चौधरी, सुप्यार देवी, टोडी सरपंच प्रतिनिधि सरपंच रामनिवास मूंड, अनिल कुमावत, रेडिमेड व्यापार अध्यक्ष गणेश गुप्ता, घनश्याम सर्राफ कपड़ा व्यापार, राकेश खदेड़ सहित बहुत से व्यापारी और रामावतार धींवा,

गुढ़ागौड़जी में गांव के लोगों ने धरना दिया।

दारासिंह मेघवाल पूर्व सरपंच गुढाबावनी, जेपी महला शहीद भगत सिंह अध्यक्ष जन संघर्ष समिति, सेवा निवृत्त अध्यापक कुरड़ाराम जाखड़ धमोरा, प्रहलाद गिल पूर्व सरपंच भोड़की, प्रहलाद बांगड़वा सरपंच दूड़िया, रवींद्र दूड़िया, भवानीसिंह छावसरी, भूपेंद्रसिंह छावसरी, विकास गिल, नरेंद्र गढ़वाल, कमल जाखड़, बसंत चौधरी, ख्यालीराम पूर्व सरपंच टोडी, परवीन मैचू, रामदेव जैतपुरा, बंशीलाल अठावाल, भोजराज गुढा, शिवराम सांखला, राहिताश मेघवाल टोडी, बुधराम सैनी बजावा, अंकेस खैरवा पोसाना, अशोक पूनियां पूर्व उप प्रधानसहित कई लोग मौजूद थे।

- **वर्तमान विधायक ने जनता को धोखे में रखा : शुभकरण चौधरी**

देवसेना ने किया 21 गांव की कार्यकारिणी का गठनः- इधर, आस पास के गांव को नीमकाथाना जिले में जोड़ने का देव सेना के प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर ने विरोध किया। बड़ागांव के खटाना फार्म हाउस पर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश सचिव गुर्जर ने बताया कि किसी भी सूरत में बड़ागांव, नंगली, केसरीपुरा, सीथल, बजावा, खींवासर समेत आस-पास के 30 गांवों को नीमकाथाना जिले में नहीं जाने देंगे।

झुंझुनूं जिला शहीदों के नाम से जाना जाता है। इसलिए यहां के लोग कुर्बानी दे देंगे। पर अन्याय सहन नहीं करेंगे। केसरीपुरा से झुंझुनूं की दूरी 14 किलोमीटर है। जबकि नीमकाथाना की दूरी 90 किलोमीटर है। समय और आर्थिक भार दोनों का ही सामना करना पड़ेगा। प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर ने चेतावनी दी अगर जल्द ही संशोधन नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन का आगाज किया जाएगा।

बैठक का आयोजन कर आंदोलन की रणनीति तैयार की गई। उन्होंने कहा कि नेता तो सिर्फ वोटों के लिए ही जनता को गुमराह कर रहे हैं। सभी सामाजिक संगठनों को साथ में लेकर के बड़े आंदोलन का जल्दी आगाज किया जाएगा इस मौके पर देवसेना के काफी पदाधिकारी उपस्थित रहे। देवसेना के प्रतिनिधि मंडल के द्वारा जिला कलेक्टर झुंझुनूं को ज्ञापन दिया जाएगा।

सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग को लेकर तीसरे दिन भी धरने पर बैठे नागरिक

धरने पर बैठी प्रधान संतोष मेघवाल व क्षेत्र के नागरिक।

सीकर-नोखा स्टेट हाईवे पर पुराना बस स्टैण्ड पर आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने जाम लगाया

बीदासर, (निसं)। सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग पूरी नहीं होने पर सोमवार को तीसरे दिन जनहित संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में लोगों का विरोध-प्रदर्शन जारी रहा।

सीकर-नोखा स्टेट हाईवे पर कस्बे के पुराना बस स्टेण्ड पर पंचायत समिति प्रधान संतोष मेघवाल के नेतृत्व में मोर्चा के सैकड़ो आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने धरना देकर जाम लगा दिया। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री गहलोत और विधायक मनोज मेघवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर आक्रोश जताया तथा सुजानगढ़ को जिले का गौरव लौटाने की मांग करते हुए हाईवे को जाम रखा। जिससे चारों और वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यातायात प्रभावित रहा। जिससे आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने एक बार कस्बे के बाजार भी बंद करवा दिये। लेकिन कार्यकर्ताओं के धरना स्थल जाने के बाद बाजार फिर खुल गये। वही कस्बे के डुंगरगढ तिराहे पर भी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया तथा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया।

- **लोगों ने मुख्यमंत्री गहलोत और विधायक मनोज मेघवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की**

सोमवार को बीदासर के ग्रामीण क्षेत्रों में भी विरोध प्रदर्शन एवं हाइवे जाम किया। ग्राम साण्डवा और कातर में नागरिकों ने जमकर प्रदर्शन किया और धरने पर बैठे रहे। बीदासर में जाम की सूचना पर एसडीएम रमेश कुमार, पुलिस उप अधीक्षक प्रहलाद राय, नायब तहसीलदार सुभाष छींपा, थानाधिकारी जगदीश सिंह मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे और धरना-प्रदर्शन कर रहें लोगों से समझाइस की। शाम करीब 5 बजे मुख्य मार्ग खोला गया।

धरना देने वालों में विश्व हिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद राजपुरोहित, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरूण तिवारी, आरएलपी नेता रतनलाल नायक, रामनिवास तेतरवाल, भाजपा नेता बीएल भाटी, बजरंग दल संयोजक धनराज सैन, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष जयप्रकाश बैंगानी, पार्षद सांवरमल सैन, ललित सैनी, बबलू शर्मा, शंकर सुथार, भीखाराम खैरिया, सीताराम भामूं, दीपाराम सारण, पंकज गुसाईंवाल, मनोहर नायक, बजरंग ढिढारिया, सुरेन्द्र सुथार, बाबूलाल माली, नोरतन सैन, कमल माली, दिपेंद्र राठौड़ सहित सैंकड़ों नागरिक मौजूद थे।

हत्या के दो आरोपियों का कोर्ट में सरेंडर

पाली, (नि.सं.)। सुरेशसिंह रावणा राजपूत की हत्या के आरोपी हिमांशु मीणा ने सोमवार को कोर्ट में सरेंडर किया। जिसे कोर्ट के आदेश पर जेल भेजा गया। बाद में प्रोडक्शन वारंट पर जोधपुर पुलिस आरोपी को ले गई। जोधपुर में पुलिस कस्टडी में पेशी से लौट रहे पाली के सुरेशसिंह रावणा राजपूत की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या करने के दो आरोपियों ने सोमवार को कोर्ट में सरेंडर किया। भरतसिंह मणिहारी ने जोधपुर कोर्ट में और हिमांशु मीणा ने पाली कोर्ट में सरेंडर किया। मामले में अब जोधपुर पुलिस को इनामी आरोपी अजयपाल सिंह उर्फ एसपी सिंह की तलाश है।

बता दे कि चित्तौडगढ़ के हुडको कॉलोनी गांधी नगर निवासी हिमांशु मीणा उर्फ हरिकिशन मीणा पुत्र नवीन कुमार मीणा पाली के सदर थाने में मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में भी वांटेड था। जिसने सोमवार को पाली के पर्यावरण कोर्ट में सरेंडर किया। आरोपी के खिलाफ सदर थाने में मादक पदार्थ तस्करी को लेकर मामला दर्ज था। आरोपी को कोर्ट के आदेश पर पाली जेल भेजा गया। जहां से उसे जोधपुर पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर जोधपुर ले गई। जोधपुर ईस्ट देरावरसिंह ने बताया कि मामले में दूसरे आरोपी पाली जिले के मणिहारी निवासी भरतसिंह राजपूत ने जोधपुर कोर्ट में सरेंडर किया है। पाली के डरी गांव निवासी सुरेशसिंह रावणा राजपूत। जिसकी जोधपुर के भाटी चौराहे पर 18 दिसम्बर 2021 को जोधपुर के भाटी चौराहे के 2021 को जोधपुर के भाटी चौराहे के निकट कोर्ट से पेशी से पुलिस कस्टडी में लौटते समय दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गइ थी। मामले में पुलिस को इनामी आरोपी अजयपाल सिंह उर्फ एपी सिंह, भरत सिंह मणिहारी, हिमांशु मीणा उर्फ दुर्योधन की तलाश थी।

इसको लेकर 14 मार्च को पाली जिले के मणिहारी में जबरसिंह राजपूत की माइंस पर अलसुबह जोधपुर की टीम ने दबिश दी थी। लेकिन आरोपी जबरसिंह ने तीनों को भगा दिया था। पुलिस ने यहां से पुलिस ने जबरसिंह राजपूत के ठिकानों से 21.5 लाख रुपए और भंवर सिंह मंडली के फॉम हाऊस से 22.5 लाख रुपए बरामद किए थे। इसके साथ ही 22 वाहन, 18 मोबाइल, अवैध हथियार, अवैध शराब और सिम कार्ड बरामद किए। पुलिस के दबाव के चलते सोमवार को दोनों आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर किया। पाली के मणिहारी गांव का निवासी जबर सिंह पर सुरेश ने दुश्मनी के चलते 6 जनवरी 2020 को लॉरेंस और काला जेठडी गैंग के बदमाशों के साथ मिलकर जबर सिंह पर फायरिंग करवाई थी।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। बडौदामेव थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की को जबरन उठाकर सुनसान जगह ले जाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र में 16 मार्च को मामला दर्ज कराया गया था कि सेमली थाना नगर के कुछ युवक नाबालिग लड़की को उठाकर किसी सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया है। जिस पर अलवर जिला पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम का गठन करके आरोपियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया। बडौदामेव पुलिस ने 5 आरोपियों में से गोलू जाट को गिरफ्तार कर लिया। बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस प्रयास कर रही है।

किसानों ने लगाया जाम

भुसावर, (निसं)। गांव पथैना के किसानों ने बेमौसम वर्षा और ओलावृष्टि से हुए सरसों, गेंहू फसल नुकसान से खफा होकर खेरलीगंज से जयपुर नेशनल हाईवे मेगा हाईवे के गांव पटना पर संघर्षशील किसान नेता राजेंद्र शर्मा के नेतृत्व में जाम लगा कर प्रशासन और क्षेत्रीय सांसद व विधायकों के प्रति नाराजगी प्रकट की। किसानों की जाम की सूचना पर हल्का पटवारी बलराम गुर्जर मौके पर पहुंचे और उन्होंने जाम लगाने वाले किसानों से वार्ता की, साथ ही उन्होंने तहसीलदार सुरेंद्र कुमार से उनकी दूरभाष पर वार्ता कराई।

सवा दो लाख की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

नागौर, (निसं)। नागौर में राजस्व पटवारी को 2 लाख 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी ने मामले में सत्यापन होने के बाद सोमवार को इस कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर बड़ी खाटू में यह कार्रवाई की गई। बड़ी खाटू में पदस्थापित पटवारी ओमप्रकाश मेघवाल को रिश्वत लेते एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के घर सहित अन्य ठिकानों की तलाशी जारी है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी (अति. चार्ज महानिदेशक) ने बताया कि एसीबी की नागौर इकाई को परिवादी ने शिकायत दी थी। शिकायत में परिवादी ने कहा कि उसकी क्रयशुदा जमीन का नामान्तकरण खोलने की एवज में पटवार हलका खाटू कलां (बड़ी खाटू), तहसील जायल में पोस्टेड पटवारी ओमप्रकाश मेघवाल ने परिवादी से 2 लाख 25 हजार रुपए की रिश्वत मांगी।

इस पर एसीबी अजमेर के उपमहानिरीक्षक समीर कुमार सिंह के सुपरवीजन में एसीबी नागौर इकाई के पुलिस निरीक्षक सुशीला विश्नोई के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया। इसके बाद उनकी टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए बड़ी खाटू हाल खाटू कलां रहने वाले ओमप्रकाश मेघवाल पुत्र धर्माराम को परिवादी से

आरोपी पटवारी ओमप्रकाश

- **क्रयशुदा जमीन का नामान्तरण खोलने की एवज में रिश्वत मांगी थी**
- **एसीबी मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर बड़ी खाटू में यह कार्रवाई की गई**

2 लाख 25 हजार रुपए रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। एसीबी के महानिरीक्षक सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू की जाएगी।

28 गौवंशों से भरा कंटेनर पकड़ा

बजरंग दल कार्यकर्ताओं और पुलिस ने एक गौ तस्कर को पकड़ा।

धौलपुर, (निसं)। आज बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पुलिस के सहयोग से 28 गौवंशों से भरा हुआ कंटेनर पकड़ा। जिला सह संयोजक राम शर्मा ने बताया कि पिछले कई दिनों से जिला संयोजक मनोज सोनी के नेतृत्व में विहिप बजरंग दल के गौरक्षा प्रमुख द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ मनिया क्षेत्र में गौ तस्करों की तलाश कर रहे थे। आज रात्रि करीब 1:30 बजे एक कंटेनर कार्यकर्ताओं के सामने से गुजरा कार्यकर्ताओं को संदेह हुआ कि ट्रक में गोवंश हो सकते हैं। उनके द्वारा कंटेनर को रोकने की कोशिश की गई जहां कंटेनर ड्राइवर ने स्पीड को बढ़ाते हुए कंटेनर को भगाया कार्यकर्ताओं ने कंटेनर का पीछा करते हुए पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर मनिया पुलिस ने कंटेनर का पीछा किया लेकिन ट्रक ड्राइवर ने कंटेनर नहीं रोका संयुक्त रूप में पुलिस सदर थाना धौलपुर एवं सैपऊ पुलिस के सहयोग से कंटेनर को सैपऊ पुल पर रुकवा लिया गया। कंटेनर को रोकते ही ड्राइवर तस्कर भागने लगे बजरंग दल कार्यकर्ताओं और पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक गौ तस्कर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। गोवंशों को सकुशल बिजोलिया गौशाला में छुड़वा दिया गया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल गौ रक्षा प्रमुख चंद्र प्रताप एवं शुभम श्रीवास्तव ने बताया कि विगत कई दिनों से हमें सूचना मिल रही थी कि मनिया क्षेत्र में चरवाहा के रूप में रह रहे गौ तस्करी का कार्य चल रहा है।

हमारी टीम द्वारा आज जिसमें एक कंटेनर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। टीम में राम शर्मा, चंद्र प्रताप ठाकरे, शुभम श्रीवास्तव, दीपक पचौरी, रविंद्र प्रजापति, विकास शर्मा, ऋषि शर्मा, शुभम बघेल, विशाल मथुरिया सहित कार्यकर्ताआ उपस्थित रहे।

स्कूल बस में युवक का शव मिला

अलवर, (निसं)। अलवर के खेडली थाना क्षेत्र के घाटा भावर के पास खड़ी एक स्कूल बस में सोमवार सुबह व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव पाटन गांव निवासी 40 वर्षीय शिव शंकर पुत्र घनश्याम शर्मा का है। इसके बाद आमजन ने रोड पर शव रखकर जाम लगा दिया। कठूमर सीओ अशोक चौहान सहित खेडली थाना अधिकारी महावीर प्रसाद मौके पर पहुंचे। परिजनों के ने बताया कि शिव शंकर रविवार रात करीब 7 बजे खेतों की तरफ गया था। जिसके बाद उसका मोबाइल स्विच ऑफ था। परिजनों ने सोचा कि खेत पर गायों से फसल सुरक्षा के लिए वहीं रुक गए होंगे।

सोमवार सुबह घाटा भावर मंदिर के पास खडी स्कूली बस में शव मिला। बस को लेने गए ड्राइवर ने शव देखा तो लोगों को बताया। इसके बाद आमजन की भीड़ जुट गई। तुरंत मृतक के परिजनों को सूचना दी। बस की छत पर रस्सी भी मिली है। परिजनों ने व्यक्ति की हत्या के मामले का खुलासा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। शव को खेड़ली-रोनिजा मार्ग पर रखकर विरोध जताया गया। काफी देर तक रोड जाम कर दिया। मौके पर काफी संख्या में भीड़ एकत्र हो गई।

प्रेम प्रसंग को लेकर युवक की हत्या की थी, आरोपी गिरफ्तार

टोंक/उनियारा, (निसं)। पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज वर्मा के निर्देशानुसार जिले के सोप थाना क्षेत्र में युवक की ट्रेक्टर से कुचलकर हत्या की वारदात का खुलासा गठित टीम ने करते हुए मुख्य आरोपी सुरेन्द्र धाकड़ को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुयार हत्या की वारदात को प्रेम प्रसंग को लेकर अंजाम दिया गया।

पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज ने सोमवार को पत्रकारों से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में वार्ता करते हुए बताया कि 15 मार्च को सायंकाल के समय जरिये टेलिफोन थाना सोप पर सूचना मिली कि कस्बा सोप के आम रोड पर एक युवक को ट्रैक्टर से कुचल दिया गया है, इस सूचना पर थानाधिकारी सोप मय जाप्ते के घटनास्थल पर पहुंचे, तो वहां पर मस्तराम उर्फ रिंकू मीणा गंभीर घायल अवस्था में अपनी मोटरसाईकिल के साथ पड़ा हुआ मिला, जिसको ईलाज हेतु अस्पताल सोप ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जनाकोश व प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक राजर्षि राज

- **युवक की ट्रेक्टर से कुचलकर हत्या की वारदात का खुलासा**

के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भवानी सिंह के निर्देशन में वृताधिकारी वृत्त उनियारा शकील अहमद खान के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी थाना सोप नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। जिस पर टीम ने कार्यवाही करते हुए हत्या करने के आरोपी सुरेन्द्र धाकड पुत्र महावीर धाकड उम्र 26 वर्ष निवासी करसोलिया मोहल्ला सोप को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक मस्तराम उर्फ रिंकू मीणा व आरोपी सुरेन्द्र धाकड पडौसी व आपस में घनिष्ठ मित्र थे, जिनका कुछ समय से एक प्रेम प्रसंग को लेकर दोनों के बीच में गाली गलोच होकर झगड़ा हो गया था, जिसके कारण रंजिश पैदा हो गई थी।

फैक्ट्री में पानी की 3644 बोतल सीज

बीकानेर, (कासं)। विवाह सहित कई सामाजिक कार्यक्रमों में बोतल बंद पानी का उपयोग बढ़ता जा रहा है लेकिन इस पानी की शुद्धता पर अब सवाल खड़े हो रहे हैं। हेल्थ डिपार्टमेंट ने कानासर गांव में स्थित एक फैक्ट्री पर कार्रवाई करते हुए साढ़े तीन हजार बोतल बंद पानी सीज किया है। दरअसल इस फैक्ट्री में पानी की शुद्धता जांचने की लैब बंद थी। जबकि पानी की पैकेजिंग हो रही थी। ऐसे में पानी की शुद्धता का पता नहीं चल रहा। अब हेल्थ डिपार्टमेंट इस पानी की जांच करेगा, जिसमें गड़बड़ी मिलने पर कंपनी पर कार्रवाई की जायेगी।

सीएमएचओ डॉ. अबरार पंवार ने बताया कि कानासर रोड पर संचालित बोतल बंद पानी की फैक्ट्री पर स्वास्थ्य विभाग के दल द्वारा कार्यवाही की गई है। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के अंतर्गत 3,644 बोतल पानी को सीज किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी भानु प्रताप सिंह, सुरेन्द्र कुमार तथा श्रवण कुमार वर्मा के द्वारा कानासर रोड स्थित जसमान मिनरल्स फैक्ट्री पर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान सामने आया कि वाटर टेस्टिंग की लैब बंद पड़ी थी। वह कार्यशील नहीं थी।

युवक-युवती के अपहरण का खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने खुलासा किया कि गांव ले जाकर ससुराल वालों ने दामाद की नाक काटी

अजमेर, (कासं)। गेगल थाना इलाके में रह रहे दामाद का सुसराल पक्ष द्वारा अपहरण कर नाक काटने के मामले का पुलिस महानिरीक्षक रूपिन्दर सिंघ व पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने खुलासा करते हुये पांच लोगों को गिरफ्तार करना बताया है।

मामला 18 मार्च का बताया जा रहा है। दो गाडियों में डाल सुसराल पक्ष के लोग गेगल पहुंचे थे, यहां से दंपती का अपहरण कर नागौर के मारोठ गांव ले गए। दंपती को जमकर पीटा और दामाद को रात करीब 2 बजे गांव के तालाब पर ले जाकर दांतली से नाक काट दी। इसके बाद उसे नावां चौराहा पर पटककर आरोपी भाग निकले। आरोपियों की गुंडागर्दी इतनी है कि पुलिस से बेखौफ नाक काटने का वीडियो वायरल कर दिया। गेगल थाने में पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ अपहरण, मारपीट सहित अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। इस मामले में नागौर पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा है। सभी आरोपियों को गेगल थाना पुलिस को सुपुर्द किया जाएगा। आरोपियों में युवती का पिता और भाई शामिल हैं।

अजमेर रेंज आईजी रूपेन्द्र सिंह के मुताबिक नागौर निवासी हाल बालाजी मंदिर के पास गेगल चांदियावास निवासी हमीद खान पुत्र जलाल ने रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट में हमीद ने बताया कि 18 मार्च को सांय 4 बजे उसके कमरे पर पर नागौर निवासी प्रकाश खान, अजीज खान, इकबाल खान, हुसैन, मोमिन, आमीन खान, सलीम, सराज और मेरी सास सहित तीन अन्य व्यक्ति दो वाहनों में भरकर पहुंचे। आते ही पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी और उसे एक गाड़ी में जबरन बैठाकर रताउ ले गए। परिवादी हमीद ने बताया कि दूसरी गाड़ी में उसे जबरन बैठाया और नागौर के मारोठ गांव ले गए। वहां लाठी और लोहे के सरियों से बुरी तरह से मारपीट की गई। रात करीब 2 बजे मारोठ के तालाब के पास ले गए और वहां धारदार दांतली से नाक काट दी, इसका वीडियो बनाया गया। बाद में बेहोशी की हालत में अरोपी मुझे नावां चौराहा पर पटक कर भाग निकले।

आईजी के अनुसार पीड़ित हमीद को नावां चौराहा पर होश आने के बाद वह बस से सीधे परबतसर पहुंचा, वहां अस्पताल में इलाज करवाया। फिर देर रात पुलिस थाने पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया। इधर, नागौर पुलिस ने इस मामले में नागौर मारोठ निवासी बीरबल खान, इकबाल, हुसैन, आमीन और मेहरूद्दीन को पकड़ा है। सभी आरोपियों को पूछताछ के बाद देर रात गेगल लाया जा रहा है। फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

अजमेर रेंज आईजी रूपेन्द्र सिंह ने बताया कि गेगल थाने में देर रात प्रकरण दर्ज हुआ था। दोनों परिवार एक ही समुदाय से जुड़े हैं। मुकदमे की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की गई। इस मामले में अजमेर और नागौर पुलिस ने संयुक्त करवाई कर पांच आरोपियों को पकड़ा गया है। घिनौना कृत्य है, इस मामले को केस ऑफिसर स्कीम के तहत लेकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी ससुर बीरबल खान के द्वारा अपनी बेटी रजिया बानो(22) की गुम होने की रिपोर्ट 23 जनवरी 2023 को जिला नागौर के पुलिस थाना मारोठ में दर्ज करवाई गई थी। मामले में युवती की पुलिस के द्वारा तलाश की जा रही थी। इस घटना को लेकर युवती के परिजनों द्वारा हमीद खान के नाक काटने की घटना की गई है। हालांकि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

इस समय विराटा का रिकॉर्ड अपने आप बोल रहा है वह बहतरीन फोरम में है अभी उसका कैरियर कॉपी है

-शैनवॉटसन

पूर्व ऑस्ट्रेलिया किक्रेटर विराट कोली के बारे में

आज का खिलाड़ी

मुशफिकुर रहीम

बांग्लादेश की टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने सोमवार 20 मार्च को आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में कमाल की पारी खेली। मुशफिकुर रहीम ने अपने देश के लिए इतिहास रचने का काम किया है। मुशफिकुर रहीम बांग्लादेश के लिए वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मुशफिकुर रहीम ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में पारी की आखिरी गेंद पर एक रन लिया और अपना नौवां शतक पूरा किया। उन्होंने महज 60 गेंदों में शतक पूरा किया।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

वॉरियर्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई

मुंबई, 20 मार्च (वार्ता) यूपी वॉरियर्स ने ग्रेस हैरिस (41 गेंद, 72 रन) और ताहलिया मैकठाा (38 गेंद, 57 रन) के विस्फोटक अद्धर्शतकों की बदौलत विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में सोमवार को गुजरात जायंट्स को तीन विकेट से हराकर प्लेऑफ के लिये क्वालीफाई कर लिया।

जायंट्स ने 'करो या मरो' मुकाबले में दयालन हेमलता (57) और एशले गार्डनर (60) के अद्धर्शतकों की मदद से 178 रन बनाये। वॉरियर्स ने 179 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में हासिल करके जायंट्स को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

जायंट्स को शुरुआती झटके लगने के बाद हेमलता और गार्डनर ने चौथे विकेट के लिये 108 रन की साझेदारी करके टीम को संकट से निकाला। हेमलता ने 33 गेंद पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाये, जबकि गार्डनर ने 39 गेंद पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 60 रन बनाकर जायंट्स को दमदार स्कोर तक पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉरियर्स ने भी तीन विकेट जल्दी गंवा दिये, लेकिन हैरिस-मैकठाा की जोड़ी एक बार फिर टीम को बचाने के लिये आगे आयी और चौथे विकेट के लिये 78 रन जोड़े। वॉरियर्स ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले इन दोनों बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये, हालांकि उसे आखिरी ओवर में जीत के लिये सात रन की जरूरत थी। सोफी एकलेस्टन (19 नाबाद) ने पहली चार गेंद पर पांच रन लेने के बाद पांचवीं गेंद पर चौका जड़कर वॉरियर्स को यादगार जीत दिलाई। वॉरियर्स ने सात मैच में आठ अंक के साथ डब्ल्यूपीएल तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसने प्लेऑफ के लिये क्वालीफाई कर लिया है। जायंट्स ने आठ मैच में सिर्फ दो जीत के साथ अपना अभियान समाप्त किया, जबकि उसकी इस हार के साथ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (सात मैच, चार अंक) भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है।

वॉरियर्स ने 179 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान एलीसा हीला और किरण नवगिरे का विकेट जल्दी गंवा दिया। हीली (12) ने मोनिका पटेल की गेंद पर हरलीन देओल को कैच पकड़ाया, जबकि नवगिरे को किम गार्थ ने आउट किया। मैकठाा ने क्रीज़ पर आने के बाद कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन पावरप्ले समाप्त होने से पहले देविका वैद्या भी उनका साथ छोड़कर पवेलियन लौट गयीं। वॉरियर्स के तीन विकेट 39 रन पर गिरने के बाद ठोस हैरिस ने मैकठाा का साथ दिया। इस जोड़ी ने एक बार फिर शतकीय साझेदारी करके वॉरियर्स को संकट से निकाला। इस साझेदारी में मैकठाा ने मुख्यतः आक्रामक भूमिका निभाई, लेकिन हैरिस ने 12वें ओवर में दो छक्के और एक चौका जड़कर वॉरियर्स को 100 रन के स्कोर के पार पहुंचाया। मैकठाा ने अगले ओवर में चौका जड़कर अपना अद्धर्शतक पूरा किया। यह साझेदारी वॉरियर्स को जीत की ओर ले जा रही थी लेकिन गार्डनर ने मैकठाा को आउट करके मुकाबले को रोमांचक बना दिया। इससे पहले की वॉरियर्स इस झटके से संभलती, स्नेह राणा ने दीप्ति शर्मा को पवेलियन लौटा दिया। मैकठाा ने 38 गेंद पर 11 चौकों की मदद से 57 रन बनाये, जबकि दीप्ति मात्र छह रन ही बना सकीं। हैरिस दो लगातार झटके लगने के बावजूद नहीं रुकीं और 17वें ओवर में अपना अद्धर्शतक पूरा करते हुए तनुजा कंवर को दो चौके जड़े। हैरिस की आक्रामकता की मदद से वॉरियर्स 18वें और 19वें ओवर में 23 रन बनाकर लक्ष्य के करीब आ गया। किम गार्थ ने 19वें ओवर की चौथी गेंद पर हैरिस को आउट कर मैच का रोमांच दोबारा बढ़ाया, हालांकि एकलेस्टन ने दबाव में धैर्य का प्रदर्शन करते हुए चौका जड़कर वॉरियर्स को जीत दिलाई। जायंट्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन आक्रामक शुरुआत के बाद तेजी से तीन विकेट गंवा दिये। सलामी बल्लेबाज लौरा वुलवार्ड और सोफिया डंकली ने पहले विकेट के लिये चार ओवर में 41 रन की साझेदारी की।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल के लिये कसी कमर

लखनऊ 20 मार्च। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 31 मार्च से शुरू होने वाले सत्र के लिये लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाड़ियों ने यहां अपने घरेलू मैदान पर सोमवार से अभ्यास शुरू कर दिया। एलएसजी के 13 खिलाड़ी आज शाम इकाना स्टेडियम पहुंचे और शाम पांच बजे से तीन घंटे तक चलने वाले अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। मैदान पर आज पहुंचे खिलाड़ियों में मंयक यादव,मनन वोहरा,कृष्णप्पा गौथम,करन शर्मा,आयुष बडोनी, अमित मिश्रा,यश ठाकुर,स्वनिल सिंह,युद्धवीर सिंह,डेनिल सैम्स,दीपक हुडा और रवि विश्नोई शामिल थे। इकाना के खूबसूरत मैदान पर एलएसजी अपना पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी।

इथियोपिया के जमाल यिमेर ने लॉस एंजिलिस मैराथन जीती

लॉस एंजिलिस, 20 मार्च। इथियोपिया के जमाल यिमेर ने लॉस एंजिलिस मैराथन में पुरूष वर्ग का खिताब जीता जबकि महिला वर्ग में कीनिया की स्टासी एंडिवा विजयी रही। यिमेर ने 42 . 2 किलोमीटर की दौड़ दो घंटे 13 मिनट 13 . 58 सेकंड में पूरी की।

न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट 58 रन से जीता, सीरीज 2-0 से

वेलिंगटन, 20 मार्च। न्यूज़ीलैंड ने श्रीलंका को दो दिन में दूसरी बार ऑलआउट करते हुए सोमवार को दूसरा टेस्ट 58 रन से जीतकर दो मैचों की शृंखला क्लीन स्वीप कर ली।

पहली पारी में 580 रन बनाने वाले न्यूज़ीलैंड ने श्रीलंका को 164 रन पर ऑलआउट कर दिया था। फॉलो ऑन करते हुए मेहमान टीम शानदार धैर्य और तकनीक का प्रदर्शन करने के बावजूद चौथे दिन 358 रन पर ऑलआउट हो गयी।

श्रीलंका ने दिन की शुरुआत 113/2 के स्कोर से की। मेहमान टीम के पास चौथे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने का मौका था, जबकि पांचवें दिन भारी बारिश के आसार थे।

कुसल मेंडिस (106 गेंद, 50 रन) और एंजलो मैथ्यूज़ (44 गेंद, 02 रन) दिन की शुरुआत में ही आउट हो गये, लेकिन दिनेश चांदीमल और धनन्जय डी सिल्वा की जोड़ी ने श्रीलंकाई पारी को संभाल लिया।

चांदीमल और डी सिल्वा के बीच पांचवें विकेट के लिये 126 रन की साझेदारी हुई। चांदीमल 92 गेंद पर आठ चौकों की मदद से 62 रन बनाकर ब्लेयर टिकनर का शिकार हो गये, लेकिन डी सिल्वा क्रीज़ पर टिके रहे। उन्होंने अपना अद्धर्शतक पूरा करते हुए विकेटकीपर निशन मदुशंका (39) के साथ 76 रन की साझेदारी की। श्रीलंका मज़बूती के साथ दिन का समापन कर सकता था, लेकिन न्यूजीलैंड ने चाय से पहले और बाद में एक-एक विकेट चटकाकर मैच में वापसी कर ली। टिकनर ने दूसरा सत्र समाप्त होने से ठीक पहले मदुशंका को आउट करके छठे विकेट की साझेदारी को तोड़ा, जबकि तीसरे सत्र की शुरुआत में डी सिल्वा शतक से दो रन दूर माइकल ब्रेसवेल का शिकार हो गये। डी सिल्वा ने 185 गेंद पर 12 चौकों और एक छक्के के साथ 98 रन बनाये।

प्रशिक्षण के लिये तुर्की जायेंगे नीरज

नयी दिल्ली, 20 मार्च। युवा मामले और खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को तुर्की के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में प्रशिक्षण के लिये मंजूरी दे दी है। मंत्रालय ने सोमवार को एक विज्ञिप्त जारी कर बताया कि भाला फेंक एथलीट नीरज एक अप्रैल को तुर्की के लिये रवाना होंगे और 61 दिनों के प्रशिक्षण के बाद 31 मई को भारत लौटेंगे। नीरज ने पिछले साल भी ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में प्रशिक्षण लिया था।

साक्षी, लवलीना क्वार्टरफाइनल में, प्रीति बाहर

नयी दिल्ली, 20 मार्च। एशियाई चैंपियनशिप 2021 की कांस्य पदक विजेता साक्षी चौधरी और टोक्यो ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोर्गोहेन ने महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टरफाइनल में सोमवार को अपने-अपने मुकाबले सर्वसम्मति से जीतकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

साक्षी ने 52 किठाा वर्ग के एकतरफा मुकाबले में कज़ाकस्तान की ज़ज़िरा उराकबायेवा पर शुरू से ही दबाव बनाया और 5-0 से जीत दर्ज की। लवलीना ने 75 किठाा वर्ग में मेक्सिको की वनेसा ओर्टिज़ को 5-0 से हराया। इंदिरा गांधी खेल परिसर पर आयोजित चैंपियनशिप में लवलीना ने अपने मुकाबले की रक्षात्मक शुरुआत की और उन्हें लय हासिल करने में समय लगा। छोटे कद की ओर्टिज़ के विरुद्ध लवलीना को सूझबूझ से डिफेंस करना पड़ा लेकिन जैसे-जैसे बाउट आगे बढ़ता गया, लवलीना अपनी विपक्षी खिलाड़ी पर हावी हो गयीं।

लवलीना ने जीत के बाद कहा, ''विपक्षी मुक्केबाज का कद मुझसे छोटा था। मेरी कोशिश थी कि मैं आगे आकर खेलूं लेकिन छोटे मुक्केबाज के खिलाफ ऐसा करना आसान नहीं है। मैंने काफी सारी योजनाएं बनायी थीं लेकिन मैं सब पर अमल नहीं कर सकी। मैं बेहतर कर सकती थी। कोशिश होगी कि अगले बाउट में इससे भी बेहतर कर सकूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं पहली बार 75 किठाा भार वर्ग में खेल रही हूं। अन्य मुक्केबाज पहले से ही इस वर्ग में हैं तो यह मेरे लिये मुश्किल होगा लेकिन मैं अपना 100 प्रतिशत प्रयास करूंगी।'' दूसरी ओर, साक्षी ने अपनी पहुंच का शानदार इस्तेमाल किया और दोनों हाथों से लगातार मुक्के बरसाये। वह शुरुआत से ही पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं और पहले राउंड में जीत हासिल की। दो बार की विश्व युवा चैंपियन ने अगले दोनों राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी करने का मौका नहीं दिया और अपनी गति एवं चतुर आक्रमण रणनीति के साथ सर्वसम्मत निर्णय से आसानी से दर्ज कर ली। साक्षी ने जीत के बाद कहा, ''काजाकिस्तान की मुक्केबाज (उराकबायेवा) मजबूत प्रतिद्वंदी थी इसलिए मैंने सोचा कि लड़ाई का स्कोर ऊपर या नीचे जा सकता है लेकिन कोचों और बीएफआई की रणनीति का पालन करने के बाद मैं अच्छा खेल सकी।'' उन्होंने घरेलू समर्थन के बारे में कहा, ''इसके अलावा, जो लोग हमारा समर्थन करने आये उन्होंने मुझे जीतने के लिये प्रेरित किया।

खोया-पाया

मेरा मकान नं. 105/62, मानसरोवर जयपुर का मूल कब्जा पत्र कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें- जया नेनानी-9119336555

मेरा मकान संख्या 184/29, प्रताप नगर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र, मुझसे कहीं गुम हो गई है मिलने पर सूचित करें। राजेन्द्र सोन मो.नं. 9828070935

मेरा प्लॉट संख्या ए-173, टीलावाला जे.डी.ए. एम्लाई स्कीम का ओरीजनल अलाटमेंट लैटर मुझसे कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें। 9828022381

NAME CHANGE

I have changed my name from Patel Sonalbahen Harshadbhai to Sonal Patel W/o Mr Bharat Patle for all future purpose R/o Plot No. 501-502/5, Vyas Marg, Gali No. 5, Tilak Nagar Jaipur.

मैंने अपना नाम Mahendra Kumar Agarwal से बदलकर Mahendra Kumar Agarwal पुत्र श्री मोहन लाल अग्रवाल निवासी 1399, एलएमबी होटल के पीछे, मोहन कुंज, ताराचन्द नायब की गली, जौहरी बाजार, जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे Mahendar Kumar Agarwal के नाम से जाना पहचाना जावें।

मेरे पुत्र का नाम लक्ष्मी सिंह के स्थान पर हर्षवर्धन सिंह है, स्कूल में उसका नाम गलत दर्ज हो गया है। भविष्य में उसे हर्षवर्धन सिंह पुत्र श्री सुमेर सिंह शेखावत के नाम से जाना जावें। पता:- ग्राम-नारी, (तहसील-फतेहपुर, जिला सीकर)

मैंने मेरा नाम श्याम सुंदर से बदलकर श्याम सुंदर सोनी पुत्र बनारसी लाल सोनी रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना-पहचाना जावें। निवासी-मकान नम्बर-8, हरि वाटिका, जयसिंहपुरा खोर, नायला रोड, जयसिंहपुरा, शेखावतन, जयपुर, राजस्थान 302027 मो. 9828077779

मैं ज्योति तुलसानी मैंने शादी के पश्चात अपना नाम बदलकर मानसी शिवनानी रख लिया है। भविष्य में मुझे मानसी शिवनानी धर्मपत्नी मुकेश शिवनानी के नाम से जाना जाए। पता-50/271, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर।

तीये की बैठक

हमारी पूजनीय माताजी श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नवल किशोर बालानी का स्वर्गवास 19.03.2023 को हो गया है जिनकी तीये की बैठक 21.03.2023 को भागवत भवन हिदा की मोरी पर सायं 4 से 5 बजे तक रखी गई है।

शोकाकुल- मनोज, नक्षत्र (पुत्र) ओमप्रकाश, मधुसूदन (देवर), विशाल, अंकित, चैतन्य, पार्थ, यश, राघव (पौत्र) एवं समस्त बालानी परिवार। 9529505398, 7877388255

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अरविन्द आर्य S/o श्री सुखदेव आर्य के स्वामित्व के प्लॉट नम्बर B-7 जे.डी.ए. स्टॉफ कॉलोनी टीलावाला, जगतपुरा, जयपुर में स्थित है। उक्त सम्पत्ति के चेन आफ डाक्यूमेंट में से मूल आवंटन पत्र क्रमांक 315 दिनांक 08.03.2023 कहीं खो चुका है। जिनकी प्रथम सूचना रिपोर्ट दिनांक 20.03.2023 आनलाइन कर दी गई है। जिनके नम्बर LR No- 1754139/2023 है। उक्त सम्पत्ति को भारतीय स्टेट बैंक से लोन लेकर गिरवी रख रहे हैं। किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस पर आपत्ति हो तो 7 दिवस में लिखित रूप से सम्पर्क करें।

दिनांक- 20.03.2023 — अरविन्द आर्य 9828039647

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य सुरेश कुमार छीपा पुत्र स्व. श्री जगदीश नारायण छीपा, निवासी-प्लॉट नं. 10, दिनेश कॉलोनी, कंवर का बाग, सांगानेर, जयपुर राजस्थान का पुत्र पवन सोहणियाँ मेरे अभिभाष्य के साथ लड़ाई झगड़ा व गाली गलोच करता है तथा मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है जिस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र पवन सोहणियाँ को बेदखल करता है। अब पवन सोहणियाँ का मेरे अभिभाष्य की समस्त प्रकार की चल व अचल सम्पत्ति से किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध व सरोकार नही रहा है यदि कोई व्यक्ति इसे किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहे।

दिनांक- (बलवीर सिंह), एडवोकेट, मो. 9351303390

सूचना

मेरे अभिभाष्य हथरोई गढ़ी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जरिये संयोजक अनिल कुमार शर्मा पुत्र श्री सोमदत्त शर्मा जाति ब्राह्मणनिवासी एलजी क्राउन प्लाजा आम्रपाली मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर के प्रेषित 1. बनवारी लाल पुत्र स्व. लालचन्द छीपा 2. रूबी छीपा पत्नी योगेश छीपा 3. दीपक कुमार पुत्र बनवारी लाल छीपा 4. योगेश पुत्र बनवारीलाल छीपा 5. प्रेरणा छीपा पत्नी दीपक कुमार छीपा 6. दुर्गेश छीपा पुत्र बनवारीलाल छीपा जाति छीपा निवासी 6/37 गणेश कॉलोनी सांगानेर जिला जयपुर (राज.) आपको जरिये रजिस्टर्ड कानूनी नोटिस सूचित किया जा चुका था कि 15 दिवस में मेरे अभिभाष्य को पट्टे लौटावे एवं किसी प्रकार का उक्त पट्टों का सम व्यवहार नहीं करें वरना गुजरने मियाद आपके विरूद्ध सक्षम न्यायालय में सिविल एवं आपराधिक मुकदमें दर्ज करवाये जावेंगे जिसके होने वाला व्यय आपसे संयुक्त रूप से एवं पृथक रूप से वसूला जावेगा। सूचित रहे तथा जारी पट्टे स्वयं ही निरस्त समझे।

(नारायण सहाय पारीक), एडवोकेट मो. 9460555083

Ranthambhore Sevika Hospital
Vinayak Nagar, Sawai Madhopur

Notice

This is to inform you that Medical Record for the Year 2015-16 is being destroyed. Any person having any objection may kindly contact the hospital within 30 days of the notice.

By Order-Rupinder Kaur. ED

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपु-0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास/फ्लैट संख्या-4/502 (एफ.एफ.) जवाहर नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 89.219 वर्ग मीटर का आवंटन श्री मोतीलाल मेघानी पुत्र श्री मूल चन्द को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 10412 दिनांक 04.12.1980 एवं 10779 दिनांक 17.12.1980 जारी किया गया। उनके द्वारा उक्त आवास/फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर नगर में दिनांक 13.03.1987 को करवाया गया। श्री मोतीलाल मेघानी की मृत्यु दिनांक 14.07.2010 को हो जाने के कारण श्री किशोर मेघानी पुत्र स्व. श्री मोती लाल मेघानी के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति, अपंजीकृत वसीयतनामा की छाया प्रति, राशन कार्ड की छाया प्रति एवं वसीयतनामा में अंकित गवाह श्री दिलीप कुमार बसन्दानी ... सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त तृतीय रा.आ. मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक- DHC-II/3253 — दिनांक-05.07.2023

जाहिर आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 93/27 मानसरोवर जयपुर क्षेत्रफल 162.00 वर्गमीटर/वर्गगज का आवंटन श्री आर.पी. भटनागर पुत्र श्री ईश्वर प्रसाद भटनागर ... सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

नाम संशोधन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं SIRIRAM, No. 2962360, RANK SEP निवासी ग्राम पोस्ट कुढ़ावल तहसील टोडाभीम जिला करौली राजस्थान हूं। मेरी पत्नी का नाम आधार कार्ड सहित दस्तावेजों में ATARO DEVI (अतरो देवी) जन्मतिथि 10-02-1954 दर्ज है। जबकि आर्मी के रिकॉर्ड में मेरी पत्नी का नाम ATTRI DEVI दर्ज है जो कि अशुद्ध है। मेरी पत्नी का सही नाम ATARO DEVI(अतरो देवी)है, भविष्य में उन्हें इसी नाम से जाना जावे। सूचित रहे।

आम सूचना

... मूल दस्तावेजों में से असल आवंटन पत्र नं. 942 दिनांक 04.01.2011 एवं संशोधित आवंटन पत्र नं. 1300 दिनांक 30.03.2011 कहीं गुम हो गये हैं, जिनके बाबत एक गुमशुदगी रिपोर्ट साईबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर में क्रमांक LR No. 1750444/2023 दिनांक 15.03.2023 दर्ज करवा रखी है। अब कैलाश चन्द चौधरी उक्त सम्पत्ति पर HDFC Bank से ऋण ले रहे है, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे व अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

ऋषिकेश महर्षि, एडवोकेट, (एस.आर.एम. पार्टनर) पता-82, एवरेस्ट विहार, किंग्स रोड,

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

... करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती रिद्धि गुप्ता की मृत्यु दिनांक 27.10.2019 एवं श्री अशोक कुमार गुप्ता की मृत्यु दिनांक 07.01.1995 को हो जाने के कारण इनके पुत्रान श्री अंकुर गुप्ता एवं श्री अंकित गुप्ता पुत्रान व. श्री अशोक कुमार गुप्ता ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री अंकुर गुप्ता एवं श्री अंकित गुप्ता पुत्रान स्व. श्री अशोक कुमार गुप्ता के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

RAJASTHAN UNANI MEDICAL COLEGE & HOSPITAL

URGENTLY REQUIRED

1. Ayush nursing staff & Pharmacist
2. Laboratory Technician

Infont of Rajesh Coach, Jagdamba Colony, Paldi Meena, Agra Road, Jaipur (Raj.) Pin- 302031

Phone No. 0141-268015, Mob.: 9672976228

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 09/2023

चूंकि प्रार्थिया श्रीमती प्रीति उर्फ बबली पत्नी श्री संजय यादव निवासी कनोड़ा, तहसील बहरोड़ जिला अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास मंदिर श्री हनुमान जी महाराज, कनोडा, तहसील बहरोड, जिला अलवर का संशोधित न्यास विधान व नीवन न्यासियों को दर्ज अभिलेख कराने हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 16.03.2023 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 25.04.2023

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना

भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप. मुख्य इंजीनियर (निर्माण-प्रथम), उत्तर-पश्चिम रेलवे हिरण मगरी, सेक्टर-11, उदयपुर-313001 (राजस्थान) निम्नलिखित कार्य हेतु, निर्धारित प्रपत्र पर इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के माध्यम से खुली व "मुहरबंद" (दो पैकेट प्रणाली) निविदा आमंत्रित करते हैं:- **टैण्डर संख्या: एन. डब्ल्यू आर-एससी / ईपीसी-पीएमएस-यूडीज़ैड-टी-3 आर । कार्य का नाम एवं स्थान:** उत्तर-पश्चिम रेलवे के अजमेर मण्डल के उदयपुर सिटी स्टेशन का प्रमुख उन्नयन (Major-Up-gradation) के लिये परियोजना प्रबंधन सेवाऐं प्रदान करना। **निविदा का प्रकार:** सिंगल स्टेज, दो पैकेट सिस्टम। **अनुमानित लागत:** रु. 4,42,27,080 (रूपये चार करोड़ बियालीस लाख सत्ताईस हजार अस्सी केवल) । **बिड सिक्योरिटी /धरोहर राशि:** रु.2,21,100.00 (दो लाख इक्कीस हजार एक सौ रूपये मात्र)। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 (छत्तीस) माह। **सभी दस्तावेजों को भौतिक रूप से जमा कराने की दिनांक और समय:** दिनांक 10.04.2023 को 15.00 बजे तक कार्यालय उप. मुख्य इंजीनियर (निर्माण-प्रथम), उत्तर-पश्चिम रेलवे, हिरण मगरी, सेक्टर-11, उदयपुर-313001 (राजस्थान) । **बिड बन्द होने की दिनांक और समय:** 10.04.2023 अपरान्ह 15:00 बजे । **बिड खुलने की दिनांक और समय:** 15.04.2023 अपरान्ह 15.30 बजे। उन निविदा दाताओं को जिनकी तकनीकी एवं कॉमर्शियल बिड स्वीकार्य होगी, द्वितीय पैकेट जिसमें फाईनेंशियल बिड है, खोलने का समय व दिनांक पृथक रूप से अधिसूचित कर दिया जाएगा। **वैबसाईट का विवरण: www.ireps.gov.in नोट:** कोई भी व्यक्तिगत (मैनुअल) टैण्डर स्वीकार नहीं किया जाएगा। 274-AK/23

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड — IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 I फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्राहिताओं एवं सहऋणग्राहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्राहिताओं एवं सहऋणग्राहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियां उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूची में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्राहिताओं एवं सहऋणग्राहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पति का पता
1	26411190 एवं 27112431	सम्पत्ति का ऋण	1 संतोष कुमार शर्मा 2 सुधा शर्मा	23.11.2022	21,66,916.47/-	सम्पत्ति-1- दुकान नं. जी-6, ग्राउन्ड फ्लोर, क्षेत्रफल 12.16 वर्ग मीटर (14.55 वर्गगज) (छत/बेसमेंट अधिकार के बिना), दाधीच मार्केट, मोहल्ला खुंटेटों, चौमू, जयपुर (राज.) का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है पूर्व-दाधीच मार्केट का पैसेज 8 फिट 6 इंच चौडा, पश्चिम- गली, उत्तर-दुकान नं. जी-08, दक्षिण-दाधीच मार्केट की सीड़ियाँ सम्पत्ति-2- दुकान नं. एफ-7, पहली मंजिल, क्षेत्रफल 12.16 वर्गमीटर (14.55 वर्गगज(छत के अधिकार के बिना), दाधीच मार्केट, मोहल्ला खुंटेटो, चौमू, जयपुर (राज.) का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है पूर्व-दाधीच मार्केट का पैसेज 8 फिट 6 इंच चौडा, पश्चिम- गली, उत्तर-दुकान नं. एफ-6, दक्षिण-दाधीच मार्केट की सीड़ियाँ

आपको एतद् द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूची में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्टबैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पड़ेगा / इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री / लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिए प्रतिबंधित है।

दिनांक : 21.03.2023
स्थान : जयपुर

ह./- प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड — IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 I फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्राहिताओं एवं सहऋणग्राहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्राहिताओं एवं सहऋणग्राहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियां उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूची में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्राहिताओं एवं सहऋणग्राहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पति का पता
1	27098580 एवं 32898105	सम्पत्ति पर ऋण	1 शुभ शक्ति विद्यापीठ शिक्षा समिति 2 धनवन्त्री यादव 3 जसवंत सिंह यादव 4 लोकेश यादव 5 मीना यादव	28.12.2022	1,64,80,617.64/-	आइटम-1-प्लाट नं. 58, प्लाट क्षेत्रफल 219 वर्गगज, देवी नगर विस्तार, हरनाथपुरा, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-अन्य भूमि, पश्चिम-रोड 30' चौड़ी, उत्तर-अन्य भूमि, दक्षिण-प्लाट नं. 58-ए आइटम-2- प्लाट नं. 58-ए, प्लाट क्षेत्रफल 300 वर्गगज, देवी नगर विस्तार, हरनाथपुरा, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग और सीमायें है- पूर्व- अन्य भूमि, पश्चिम-रोड 30' चौडी, उत्तर-प्लाट नं. 58, दक्षिण-प्लाट नं. 59 आइटम-3- प्लाट नं. 64, प्लाट क्षेत्रफल 165 वर्गगज, देवी नगर विस्तार, हरनाथपुरा, जयपुर (राज.) का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है पूर्व-रोड 30' चौड़ी, पश्चिम-अन्य भूमि, उत्तर-प्लाट नं. 65, दक्षिण-प्लाट नं. 63-ए

आपको एतद् द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूची में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्टबैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पड़ेगा / इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री / लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिए प्रतिबंधित है।

दिनांक : 21.03.2023
स्थान : जयपुर

ह./- प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

संक्षिप्त

धर्मपरायण महिला गुलाब देवी का निधन

पावटा, (निसं)। पूर्व तसीलदार नरसिंह प्रसाद मिश्रा रायपुरा जागीर वाले की धर्मपत्नी गुलाब देवी का आकस्मिक निधन हो गया। इससे उनके परिवार सहित आस पास में शोक की लहर है। झोटवाडा स्थित निवास पर 90 वर्षीय गुलाब देवी ने अपने पति पूर्व तसीलदार नरसिंह प्रसाद मिश्रा व दोनों पुत्रों विमल मिश्रा व कमल मिश्रा एवं उनके पोते पीयूष मिश्रा की मौजूदगी में अपनी अंतिम सांस ली। वे कुछ महिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। झोटवाडा स्थित स्वर्गधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बडे बेटे विमल मिश्रा ने मुखाग्नि दी। स्व. गुलाब देवी शुरू से ही धार्मिक कार्यो में बढ चढकर हिस्सा लेती थीं। धार्मिक कार्यों के प्रति उनका जुडाव था। वही निवास स्थान पर सोमवार शाम 5 से 6 बजे तक शोक सभा का आयोजन किया गया।

चार घंटे विद्युत कटौती रहेगी

मालपुरा, (निसं)। विद्युत निगम के सहायक अभियंता ने बताया कि किशनगढ़ जीएसएस पर आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते मंगलवार को सम्पूर्ण मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र में सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक विद्युत कटोती रहेगी। कटोती के निर्धारित समय में मालपुरा शहरी व मालपुरा ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल है।

भामाशाह ने दो कुर्सियां भेंट की

श्रीमाधोपुर, (निसं)। बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधा हेतु स्व. दौलत रामजी सोनी की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी संतरा देवी, हितेश सोनी, देवांशु, अशोक सोनी द्वारा 2 यात्री कुर्सियां सप्रेम मुख्य प्रबंधक आगार श्रीमाधोपुर को भेंट की गई। आगार प्रबंधक दीपक कुमावत ने बताया कि इस मौके पर भामाशाह परिवार का माला पहना कर सम्मान किया गया। दौरान रोडवेज से पवन मीणा, प्रकाश हरितवाल,जयसिंह, सुनीता पुलिस चौकी से राकेश कुमार तथा अन्य उपस्थित रहे।

विधायक शर्मा का आभार जताया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। जन स्वास्थ्य एवं अभियान्त्रिकी विभाग के द्वारा नलकूप और पाइपलाइन कार्य हेतु कुमावतो की ढाणी कालाडेरा में 49.32 लाख की स्वीकृति मिलने पर ग्रामवासियों द्वारा सुभाष सर्किल स्थित विधायक कार्यालय पर विधायक रामलाल शर्मा का माला एवं साफ़ा पहनाकर आभार व्यक्त किया गया। विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि कालाडेरा सहित विधानसभा क्षेत्र में 311.74 लाख रुपयों की 7 पेयजल योजनाओ की स्वीकृति मिली है।

बालाजी का वार्षिक मेला शुरू

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के लाखनपुर ग्राम पंचायत के गोठड़ा बालाजी प्रांगण में सोमवार से तीन दिवसीय वार्षिक मेले का शुभारंभ हो गया। इस वार्षिक मेले में सोमवार को संतों द्वारा भजन संध्या की गई । मंगलवार को इस मेले में मानव दौड़, घुड़दौड़, ऊंट दौड़ व नाल उठाने की प्रतियोगिताएं आयोजित होगी।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक ने ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों का दौरा किया

निवाई, (निसं)। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक केके मंगल ने सोमवार को निवाई क्षेत्र के ओलावृष्टि से प्रभावित गांवों का दौरा किया एवं नुकसान से प्रभावित क्षेत्रों के बीमित किसानों को बीमा कम्पनी के टोल फ्री नम्बर पर 72 घण्टे में सूचना की जानकारी देते हुए बताया कि टोल फ्री नम्बर जानकारी देने पर किसानों को बीमा क्लेम की राशि मिलेगी।

संयुक्त निदेशक केके मंगल ने बताया कि गैंहू, चने की खड़ी एवं खेत

- **फसल खराबे की टोल फ्री नम्बर पर अवश्यक सूचना देवें: केके मंगल**

में कटी हुई फसलों में ओलावृष्टि से नुकसान हुआ है। जिनका सर्वे कृषि विभाग के सहायक कृषि अधिकारियों एवं कृषि पर्यवेक्षकों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में हुई बैमौसम वर्षा एवं ओलावृष्टि के कारण फसल खराब होने की सम्भावना है। जिन ऋणी व गैर-ऋणी किसानों द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत रबी की फसलों का बीमा कराया हुआ है। वह सभी किसान जिनकी फसल कटाई के बाद आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने के लिये रखी गयी है अथवा खडी हुई फसलों में बैमौसम वर्षा एवं ओलावृष्टि के कारण नुकसान हुआ है। वे सभी किसान 72 घंटे के अन्दर जिले की संसूचित बीमा कम्पनी एचडीएफसी एर्गो जनरल इश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड के टोल फ्री नम्बर 18002660700 पर या फसल बीमा वाट्सअप नम्बर 7304524888 पर शिकायत कर सकते हैं। अत: किसान यथा सम्भव खराबे की सूचना टोल फ्री नम्बर एवं मोबाईल नम्बर एप पर देना सुनिश्चित करें। अगर किसी तकनीकी कारण से मोबाईल ए पर शिकायत दर्ज नहीं हो पा रही है तो लिखित में भी फसल खराबे की सूचना जिले की संसूचित बीमा कम्पनी के प्रतिनिधियों, जिला एवं ब्लॉक या कृषि विभाग के कार्मिकों, जिला एवं ब्लॉक अथवा संबंधित बैंक में जाकर भी 72 घंटे के अन्दर वांछित दस्तावेज सहित प्रस्तुत करना होगा। संयुक्त निदेशक मंगल ने सोमवार को मुण्डिया, बाढ दामोदरपुरा, सजिया, गुन्सी, बडली की ढाणी, झापडी व लुहारा सहित कई गांवों का दौरा कर फसलो में हुए नुकसान का जायजा लिया।

निवाई क्षेत्र के गांव बाढ़ दामोदरपुरा में संयुक्त निदेशक केके मंगल (बीच में) ने ओलावृष्टि से प्रभावित गेंहू की फसल का जायजा लिया।

बालिका आवासीय विद्यालय की मंजूरी

विराटनगर, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक इंद्राज गुर्जर के प्रयासों से सरकार ने बजट में विराटनगर के विकास में एक नई कड़ी जोडते हुए ग्राम छितोली में 30 करोड की लागत से देवनारायण योजना के तहत बालिका आवासीय विद्यालय की मंजूरी मिली।

ग्राम छितोली में देवनारायण योजना के तहत लगभग 25 बीघा भूमि में बनने वाला बालिका आवासीय विद्यालय कैंपस सभी सुविधाओं से युक्त होगा। इसमें 280 बेटियों का नि:शुल्क प्रवेश व उनके लिए रहना, खाना, कपडे व शिक्षा बिल्कुल नि:शुल्क होगी।

वही खेल मैदान के साथ अन्य गतिविधियां होंगी। इस आवासीय विद्यालय में 60 प्रतिशत बेटियां एमबीसी वर्ग की व 40 प्रतिशत बेटियां सभी वर्गों की होंगी। इसी प्रकार पालडी में 200 बेटियों के लिए 10 करोड की लागत से कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास बन रहा है जिसका काम प्रगति पर है।

इस दौरान विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि मेरा सपना है कि विराटनगर की हर बेटी की उडान को पंख लगे। उन्होंने कहा कि बालिका शिक्षा अत्यन्त आवश्यक है। इसलिए हमें इस पुनित कार्य में बढ-चढ कर योगदान देना है।

सार-समाचार

मोहनपुरा स्कूल में संकाय बढ़ाने की मांग

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम मोहनपुरा के ग्रामीणों ने राजकीय उच्च माध्यमिक विधालय में संकाय बढ़वाने की मांग को लेकर सोमवार को क्षेत्रीय विधायक, उच्च शिक्षा व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में विद्यालय में केवल कला संकाय ही संचालित है। विद्यालय में विज्ञान, गणित व कृषि विज्ञान संकाय खोले जाने से आसपास के सभी विद्यार्थियों को अध्ययन में काफी सुविधा मिलेगी। अत: विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए उक्त विद्यालय में शीघ्र विज्ञान संकाय, गणित संकाय व कृषि विज्ञान संकाय खोले जाये। इस दौरान विष्णु दत्त सौरेला, विक्रम सिंह, जयसिंह समेत अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

आहूजा व्यापार महासंघ के अध्यक्ष बने

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के गांधी चौक के निकट स्थित सिंघानिया धर्मशाला में सोमवार को प्रात: 8 बजे से चुनाव संचालन समिति के द्वारा व्यापार महासंघ फुलेरा के अध्यक्ष पद हेतु चुनाव संपन्न करवाये गये। निर्वाचन अधिकारी गोपाल लाल शर्मा ने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए 3 उम्मीद्वार मनोज आहूजा, निर्मल शर्मा व गिरधारी सिंह शेखावत चुनावी मैदान में उतरे थे। जिनमें कुल 1431 मतों में से मनोज आहूजा को 833 मत एवं निर्मल शर्मा को 448 मत तो गिरधारी सिंह शेखावत को 65 मत प्राप्त हुए, तो वहीं 6 व्यापारियों ने नोटा का प्रयोग किया। इसके चलते मनोज आहूजा ने 385 मतों के एक तरफा अन्तर से जीत दर्ज करवाई है। जैसे ही आहूजा की जीत की घोषणा हुई घोषणा हुई वैसे ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं मुख्य निर्वाचन अधिकारी गोपाल लाल शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज आहूजा को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसी क्रम में नवनिर्वाचित व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मनोज आहूजा ने कहा कि व्यापारी और फुलेरा नगर के हित में सदैव समर्पित होकर कार्य करूंगा। वहीं समर्थकों ने क्षेत्र में आहुजा का गाजे-बाजे के साथ नाचते हुए विजयी जुलूस निकाला। इस अवसर पर सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

भजन संध्या में बाबा को रिझाया

फागी, (निसं)। कस्बे में बाबा बर्फानी मित्र मण्डल द्वारा बरसात में भी आयोजित भजन संध्या में बाबा को रिझाते रहे। कस्बे के पंचायत समिति प्रांगण में सदासिव महादेव मंदिर में आयोजित भजन संध्या में हजारों दर्षकों एवं महादेव भक्तों की मौजूदगी में दिल्ली से आये कलाकारों कुमार रितेष कोटा भरत राजस्थानी गुलाब कोरानी जयपुर सहित मनोज एवं रिया पार्टी के ने भगवान शिव की बर्फ से सजी झाकियों ने जहां भक्तों के आकर्षित किया तो कालाकारों ने भजनों से मानो समा बांध दिया जिससे भक्त झूमने को मजबूर हो गये। गौरतलब है कि इस मित्र मण्डल द्वारा प्रतिवर्श इस विषेश भजन संध्या में बाबा की बर्फ की झांकी सजाकर बर्फानी बाबा की छटा को शोभा बढाते हैं। मित्र मण्डल के रामलाल योगी संजय पारीक कानाराम सैन रामलाल जांगिड प्रकाष जैन प्रधान सैनी सहित हजारों शिवभक्त उपस्थित थे।

'फसलों में हुये नुकसान की रिपोर्ट 72 घंटे दें'

दौसा, (निसं)। जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने सभी राजस्व अधिकारियों व कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले में ओलावृष्टि एवं अंधड़ से फसलों में हुये नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें तथा किसानों को फसल में हुये नुकसान की भरपाई के लिये 72 घंटे के भीतर ऑनलाईन या आफलाईन रिपोर्ट भिजवाने के लिये भी जागरूक करें। सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेन्स के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ओलावृष्टि एवं अंधड से फसलों में हुये नुकसान की जानकारी लेते हुये सभी राजस्व अधिकारियों व कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि क्षेत्र में भ्रमण कर, किसानों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से मिलकर फसलों में हुये नुकसान की वास्तविक रिपोर्ट भेजें ताकि किसानों को नुकसान का समय पर मुआजा दिलवाने के लिये रिपोर्ट भेज सकें।

मदद फाउंडेशन को सम्मान मिला

मनोहरपुर, (निसं)। सामाजिक कार्य में अग्रणीय संस्था मदद फाउंडेशन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरुस्कार दिया गया। संस्था के गणपत सिंह गांवड़ी ने बताया कि बीकानेर में आयोजित मानवता क्रांति प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन एवं कार्यशाला ग्लोबल इम्यूनिटी चेंज मेकर अवार्ड में राष्ट्रीय स्तर पर मदद फाउंडेशन को सामाजिक कार्यों में अपनी अहम भूमिका निभाने के अवसर पर बीकानेर की धरा पर सम्मानित किया गया। जहां देश विदेशों के सामाजिक कार्यकर्ताओं व कॉर्डिनेटर ने शिरकत की । संस्था की तरफ से पुरुस्कार रक्तदाता दिलीप सबलपुरा द्वारा ग्रहण किया गया।

बनास नदी में बजरी लीज को निरस्त करने की मांग

टोंक, (निसं)। जिले के ग्राम सुरेली की सीमा में स्थित बनास नदी में बजरी लीज को निरस्त करने की मांग को लेकर जिला प्रमुख सरोज बंसल की अगुवाई में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवचरण मीणा को ज्ञापन सौंपा।

सुरेली के ग्रामवासी ग्राम विकास समिति अध्यक्ष रामसहाय, सीताराम, श्योजी जाट, डॉ. विक्रम सिंह गुर्जर, रूपसिंह गुर्जर, कानाराम जाट, कालूराम रैगर, रमेश कीर एवं सुरेश मीणा आदि ने दिये गये ज्ञापन में बताया कि बनास नदी से बजरी खनन परिवहन से सुरेली मीणो की झोपड़िया, सारसोप, डिडायज, पांवडेरा आदि के कुएं व इन गांवों के हैण्डपंप सूखने का पूरा खतरा है, खनन होने की वजह से 100 प्रतिशत कुंए, पेयजल के हैण्डपंप व ट्यूबवेल सूख जाएंगे और लोगों को सुरेली छोडकर मेहनत मजदूरी करके अपना परिवार का पालन पोषण हेतु पलायन करने के अलावा कोई उपाय नहीं रहेगा। ग्राम सुरेली में बनास नदी में हुई बजरी लीज अविलंब निरस्त कर ग्राम की जनता को उचित राहत दिलवाई जावे ताकि ग्राम में शांति व्यवस्था बनाए रहे एवं लीज धारक को सख्त से सख्त पाबंद किया जावे।

जिला प्रमुख सरोज बंसल (बीच में) की अगुवाई में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवचरण मीणा को ज्ञापन सौंपा।

बारिश के बाद मरीजों की संख्या बढ़ी

नारायणपुर, (निसं)। बारिश के बाद मौसम में अचानक आए परिवर्तन से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की संख्या बढ़ गई है।

पहले रोजाना जहां 300 मरीज आते थे वहीं अब ओपीडी में प्रतिदिन करीब 600 मरीज अपना इलाज कराने पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों की माने तो ऐसे समय में खान-पान को लेकर थोड़ी सावधानी बरतनी जरुरी है। चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सुरेश मीणा ने बताया कि बदलते मौसम के कारण अस्पताल की ओपीडी में पहले से अधिक मरीज आ रहे हैं। सोमवार को ओपीडी में मरीजों का आंकड़ा 600 से अधिक संख्या को पार कर गया। इसमें सबसे ज्यादा मरीज बुखार, खांसी, जुखाम के आ रहे हैं। चिकित्सक विक्रम गुर्जर, पूरण जाट, मनीष बामनिया मरीजों को साफ-सफाई का ध्यान रखने सहित मौसमी बीमारी से बचाव के उपाय बता रहे हैं।

वैश्य महासम्मेलन को लेकर बैठक

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय स्थित खंडेलवाल सेवा सदन लालसोट पर वैश्य महासम्मेलन की तहसील कार्यकारिणी एवं नगर कार्यकारिणी की एक विस्तारित बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान वैश्य समाज से जुडे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक मुख्य अतिथि मनोहर लाल गुप्ता प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष व कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष हरिनारायण माठा तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश डीडवाना की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

लालसोट डिप्टी एसपी अरविंद गोयल विशिष्ट अतिथि गजान्नद गर्ग जिला महामंत्री जिला उपाध्यक्ष हजारीलाल गुप्ता युवा तहसील अध्यक्ष विनोद गोयल जिला उपाध्यक्ष रतनलाल डंगायच महिला संघ अध्यक्ष पुष्पा झिगनिया जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष रुकमणी देवी नगर अध्यक्ष दौसा गीता रावत जिला कोर्डिनेटर उर्मिला रावत जिला संयुक्त मंत्री नीरू विजय प्रदेश युवा मंत्री अनिल बुर्जा प्रदेश महिला मंत्री प्रियंका चौधरी नगर महामंत्री राजेंद्र गर्ग नगर युवा अध्यक्ष सुभाष भीवाल महिला तहसील अध्यक्ष हेमलता कायथवाल युवा तहसील प्रवक्ता रोहित पंसारी ने कहा की वैश्य समाज में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए सदस्य अभियान चलाया जाए। पूरे जिले में और कम से कम पांच हज़ार सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा व लालसोट तहसील कार्यकारिणी सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया। लालसोट तहसील में वैश्य महासम्मेलन का जुलाई माह में एक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन के मुख्य संयोजक सुभाष भीवाल संयोजक जगदीश प्रसाद अग्रवाल सह संयोजक मोहन सोखियां विनोद गोयल साथ में नगर अध्यक्ष हरिनारायण माठा तहसील अध्यक्ष ओम प्रकाश डीडवाना के साथ 21 वरिष्ठ लोगों की कमेटी बनाई जाएगी।

कृषि उपज मण्डी व्यापारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कृषि उपज मंडी के व्यापारियों ने सोमवार को हड़ताल शुरू कर मंडी प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

व्यापारियों ने मांगे नहीं माने जाने तक अनिश्चितकालीन व्यापार बंद रखने की चेतावनी दी है। व्यापार संघ के मंत्री प्रकाश जैन ने बताया कि कृषि

- **मांगें नहीं माने जाने तक मंड़ी बन्द रखने की चेतावनी**

विपणन विभाग राजस्थान व प्रशासन कृषि उपज मण्डी समिति श्रीमाधोपुर द्वारा मण्डी प्रांगण में कार्यरत 65 व्यापारियों का करीब साढ़े तीन करोड रूपया हठधर्मिता कर रोकने, अचल सम्पति आंवटन नीति में वर्णित प्रावधानों पर विधी सम्मत निर्णय नहीं लेने व राजस्थान उच्च न्यायलय ने पुराने जिस निर्णय को नहीं मानकर पुराना निर्णय पुन: लेकर व्यापारियों को करोड़ों रूपयों की हानि पहुंचाने की नियत से रोके गये करीब साढे तीन करोड़ रूपया जो ब्याज सहित वापस मांगे जा रहे है को नहीं लौटाने, मण्डी प्रांगण में पिछले करीब 10 वर्षों से पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं करने, कृषकों द्वारा अपनी उपज का विक्रय हेतु लाये गये कृषि जिन्सों की बरसात व धूप से बचाव की समुचित व्यवस्था नहीं करने, जिस मंडी की वार्षिक आय करीब 5 करोड़ से ज्यादा है उस मंडी कार्यालय में पूर्णकालीन सचिव नहीं होने पर मण्डी प्रांगण में आवश्यक व्यवस्थायें नहीं होने के विरोध में व्यापार संघ द्वारा मण्डी प्रांगण में व्यापार अनिश्चित काल के लिए स्थगित रखने का निर्णय लिया है।

मण्डी प्रांगण में अपनी उपज का माल लेकर आने वाले कृषक भाईयों से आगामी सूचना से पूर्व अपना माल मण्डी में विक्रय के नहीं लाने की बात कही है। ंद के दौरान अध्यक्ष पवन कुमार चौधरी, कोषाध्यक्ष महेंद्र सोलावाला, व्यापारी कमल कुमार जैन, अंकुर हलवाई, दीपक गोपालका ,कैलाश गोपालका, झाबरमल फोगावट, रामबाबू चौधरी, राहुल न्यारिया अमरचंद गोपालका, मुकेश मउवाला, योगेश न्यारिया सहित कई व्यापारी मौजूद थे।

कृषि उपज मंडी के व्यापारियों ने हड़ताल शुरू कर मंडी प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कार्यालय नगर पालिका लालसोट (दौसा)

Email ID :- lalsot.jaipur@yahoo.com Ph-01431-260714

प्ररूप-13
(नियम-13 (2) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका लालसोट

क्रमांक:-न.पा.ला./8988 **दिनांक: 20.3.2023**

लोक सूचना

अद्योहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि नगर पालिका क्षेत्र, लालसोट के खसरा नम्बर में स्थित भूमि या उसके भाग का 17 जून 1999 से बाद की कालावधि से गैर कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उपधारा (8) के अधीन पर्यवसित किए जाने के दायी है।

क्र. सं.	खसरा नम्बर	रकबा	राजस्व ग्राम	सुओमोटो 90-क हेतु प्रस्तावित रकबा	खातेदार का विवरण
1.	4654/333	1 बीघा	लालसोट	सम्पूर्ण	अंतिमा पत्नी रिंकू शर्मा, अनिकेत पुत्र अतुल कुमार महाजन, अनिता पत्नी अतुल कुमार महाजन, अनिल कुमार पुत्र प्रेम चन्द महाजन, अशोक कुमार पुत्र नाथू लाल महाजन, दिनेश कुमार पुत्र नाथूलाल महाजन, पुष्पा पत्नी नरेन्द्र कुमार खाती, पुष्पा देवी पत्नी प्रेमचन्द महाजन, महेन्द्र कुमार पुत्र नाथूलाल महाजन, सुनील कुमार पुत्र प्रेमचन्द महाजन
2.	1372/1	11 बिस्वा	लालसोट	सम्पूर्ण	बद्रीलाल पुत्र धन्ना माली निवासी लालसोट
3.	4314/1300	9 बिस्वा	लालसोट	सम्पूर्ण	कन्हैयालाल पुत्र कजोड माली, किशनलाल पुत्र कजोड माली, जगदीश पुत्र कजोड माली, सुखजी पुत्र कजोड माली
4.	3795/1298	2 बीघा 11 बिस्वा	लालसोट	सम्पूर्ण	कन्हैयालाल पुत्र कजोड माली, किश्नलाल पुत्र कजोड माली, जगदीश पुत्र कजोड माली, सुखजी पुत्र कजोड माली

अत: उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिवस के भीतर-भीतर कारण बताए कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाए और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लगमों से मुक्ति निहित किया जा सके। यह सूचना में हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 20.3.23 को जारी की जाती है।

स्थान- लालसोट

नोट :- संबंधित खातेदार इस लोक सूचना को व्यक्तिगत तामील भी समझें व कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगर पालिका लालसोट में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें।

प्राधिकृत अधिकारी
(हस्ताक्षर, नाम और पदनाम)

भीनमाल को जिला नहीं बनाने के विरोध में सोमवार को अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक बंद रखा गया। बंद के अलावा स्थानीय लोगों ने कई स्थानों एवं क्षेत्र की मुख्य सड़कों पर जबरदस्त धरना प्रदर्शन भी किया। बंद का पूरे क्षेत्र में व्यापक असर देखा गया, क्योंकि इस बंद का यहां की जनता एवं कारोबारियों ने स्वेच्छा से सहयोग एवं पूर्ण समर्थन दिया।

भीनमाल में भी जिला बनाओ आंदोलन ने जोर पकड़ा, सोमवार को पूरा शहर बंद रहा

सभी व्यापारियों ने स्वेच्छा से बाजार, प्रतिष्ठान बंद रखे

- पहली बार भीनमाल में भाजपा व कांग्रेस के लोगों ने एक साथ मिलकर धरना दिया।
- पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भीनमाल के लोगों की भावनाओं को सोनिया गांधी तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।
- क्षेत्र के वर्तमान कांग्रेस के विधायक पूराराम चौधरी और पूर्व विधायक समरजीत सिंह ने कहा कि, भीनमाल को जिला बनाने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

भीनमाल, 20 मार्च (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के द्वारा 19 जिलों की घोषणा के दौरान जालोर जिले के भीनमाल को अलग जिला नहीं बनाने पर आक्रोशित भीनमाल की जनता एवं व्यापारियों ने सोमवार को सम्पूर्ण बंद रखा। बन्द को स्थानीय नागरिकों ने अभूतपूर्व समर्थन देकर इसे शानदार सफल बना दिया।

बन्द के दौरान लोगों को चाय, बीडी, नास्ता, सब्जी के साथ कुछ भी नसीब नहीं हुआ। यहां के व्यापारियों ने अपनी स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर कार्यक्रम में भाग लिया। लोगों में चर्चा थी कि, भीनमाल को जिला नहीं बनाने के लिए हमारे जन प्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण हम सब भुगत रहे हैं। धरना स्थल पर लोगों ने भयंकर रूप से रोष प्रकट कर नेताओं को इसके लिए दोषी करार दिया। उनका कहना था कि, अगर समय रहते इस मांग की ओर ध्यान दिया गया होता तो आज यह नौबत नही आती।

धरना स्थल पर मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक डॉ. समरजीत सिंह ने कहा कि भीनमाल नगरवासियों की भावनाओं को लेकर कांग्रेस नेता सचिन पायलट का फोन आया था, उन्होंने भीनमाल क्षेत्र की भावनाओं को सोनिया गांधी तक पहुंचाने का विश्वास दिलाया। उन्होंने उनकी भावनाओं को सीएम अशोक गहलोत तक पहुँचाने की भी बात कही।

पूर्व विधायक ने कहा कि, लगातार हार के बावजूद भीनमाल के हित में राजनीति से ऊपर उठकर संघर्षरत रहने का विश्वास दिलाया।

वर्तमान विधायक पूराराम चौधरी ने कहा कि, जब तक भीनमाल जिला नहीं बनेगा तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। चौधरी ने कहा कि भले उन्हें विधानसभा व राजनीति से इस्तीफा देना पड़े तो भी वे पिछे नहीं हटेंगे। विधायक ने कहा कि भीनमाल के साथ धोखा हुआ है, इसके विरुद्ध संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने धरने को अनवरत जारी रखने का आव्हान किया।

धरना स्थल पर कांग्रेस एवं भाजपा के कई नेताओं ने अपने विचार व्यक्त कर बताया कि, किसी ने भी इस ओर ध्यान नहीं देकर इस मामले को हल्के में ही लिया। लोगों के साथ सभी पार्टियों के नेता भी इस मामले में गुमराह बने रहे। उन्हें आशा थी कि भीनमाल को जरूर जिला घोषित किया जायेगा। भीनमाल जिला बनाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में रानीवाडा, जसवंतपुरा, बागोडा, भीनमाल सहित आस-पास के अनेक क्षेत्र के नागरिक बंधुओं, प्रबुद्धजनों, स्वयं सेवी संस्थाओं, ट्रस्टों, सामाजिक संगठनों व जन प्रतिनिधियों की ओर से ज्ञापन उपखंड अधिकारी पूनम चौधरी को सौंपा गया।

ज्ञापन देते समय पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. समरजीत सिंह, भाजपा विधायक पूराराम चौधरी, धुखाराम राजपुरोहित, संजीव माथुर, शैतानसिंह भाटी, भरत सिंह भोजाणी, अशोक सिंह ओपावत, सत्यवान सिंह राजपुरोहित, नरिंगाराम चौधरी, माणकमल भंडारी, संदीप देसाई, सांवलाराम देवासी, बाबुलाल चौधरी, शंभुसिंह राठौड़, श्रवण सिंह राव, नवलकिशोर राठी, ओमप्रकाश महेश्वरी, नरेश अग्रवाल इत्यादि मौजूद रहे। कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में लोग जमा होकर अपनी मांग पर आक्रोशित नजर आए।

भीनमाल में यह पहला मौका था जब कांग्रेस और भाजपा के नेता एक साथ धरने पर बैठे थे।

धरने में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ. समरजीत सिंह राठौड़ एवं भाजपा के विधायक पूराराम चौधरी सहित भाजपा व कांग्रेस के नेता पहली बार एक साथ एक जाजम पर मिलकर भीनमाल को जिला बनाने के लिए धरना दे रहे थे।

'असली जादूगर तो नीली छतरी वाला है, बाकी सब हाथ की सफाई है'

पायलट ने यह भी कहा कि, राजस्थान में हर 5 साल में सरकार बदलती है, जब हारते हैं तो इतना लंबा हारते हैं कि, वो गैप लंबा होता है

- नरेन्द्र मोदी को चुनाव में हराने के सवाल पर सचिन पायलट ने कहा, ऐसा क्यों नहीं हो सकता, कौनसा ऐसा नेता है, जिसे चुनाव में पराजित नहीं कर सकते।

नई दिल्ली, 20 मार्च (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने नई दिल्ली में एक न्यूज़ चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए कहा है कि 'राजस्थान में अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाना पार्टी का फैसला था और हम सबकी इसमें सहमति थी। वैसे भी हमारे समाज मे उम्र का एक प्रीमियम होता है।

पायलट ने कहा कि राजस्थान में हर पांच साल मे सरकार बदल जाती है। उस दौरान जब हारते हैं तो इतना लंबा हारते हैं कि वो गैप लंबा हो जाता है। वहीं उन्होंने कहा कि उनको हार का डर नहीं लग रहा है, लेकिन इतिहास से सीखना तो पड़ेगा। मैंने अपनी पार्टी में कुछ सुझाव दिए थे, ताकि ये पुनरावृति नहीं हो। बाकी स्टेट में कांग्रेस सरकार रिपीट हुई हैं,इसलिए राजस्थान में सबको मिलकर काम करना होगा, अभी बहुत काम करने की जरूरत है।

सचिन पायलट ने कहा कि 'पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी में हर स्टेट में अलग रणनीति होती है। हमने पांच साल मेहनत करके राजस्थान में चुनाव लड़ा, अंत में पार्टी ने जो निर्णय लिया, उसे सभी ने स्वीकार किया। पायलट ने कहा कि 'आप मुझ पर ये आरोप नहीं लगा सकते कि मैंने ऐसे शब्दों का उपयोग किया। इसलिए शब्दों का चयन महत्वपूर्ण होता है। बिना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का नाम लिए उन्होंने कहा कि जिसने इस तरह की बात की बोली, ये उससे पूछना चाहिए। हमारी संस्कृति है कि जो बड़े लोग हैं, चाहे किसी दल के हो, हमने मान-सम्मान दिया। पायलट ने कहा कि वो चाहते थे कि किसी इंसान को बुरा नहीं लगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट के लिए नाकारा- निकम्मा जैसे शब्दों का प्रयोग किया था।

पायलट ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि असली जादूगर तो नीली छतरी वाला है, बाकी सब हाथ की सफाई है। पायलट ने कहा कि जनभावना का एक ही टैस्ट है और वो है बैलेट बॉक्स। मैं चाहता हूं कि मध्य प्रदेश, राजस्थान में हम लोग बेहतर प्रदर्शन करें। कौन कब किस पद पर बैठेगा, ये पार्टी का निर्णय होता है। सोनिया गांधी ने पिछले साल पर्यवेक्षक भेजे थे, मगर विधायको की बैठक नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि मैं पद की राजनीति नहीं करता। पार्टी ने बहुत सारे पद दिए, पार्टी का शुक्रगुजार रहता हूं, पद की कोई कमी नहीं रही।

इसी के साथ देश में लोकतंत्र पर खतरा होने के राहुल गांधी के बयान पर उठ रहे विवाद पर कांग्रेस के नेता सचिन पायलट ने कहा कि 'पिछले 7-8 सालों में ऐसे हालात बन रहे हैं, जिससे ये बात उठ रही है। अगर लोगों को अपनी बात रखने से भय पैदा होता है, गैर-जरूरी दवाब पैदा होता है, तो जाहिर है कि लोकतंत्र पर खतरे की बात होगी।

पायलट ने कहा कि अगर कोई सरकार के खिलाफ बोलता है, तो वो देश के खिलाफ नही बोल रहे हैं। देश में लोकतंत्र स्वस्थ रहे, इसके लिए लोगों को खुलकर बोलना जरूरी है। पायलट ने कहा कि अगर लोकतंत्र स्वस्थ नहीं रहेगा, तो पिछले कुछ समय में देश की सस्थाएं कमजोर पड़ जाएंगी। पायलट ने कहा कि 'कांग्रेस खतरे में है या नहीं, ये अलग बात है, मगर लोगों का विश्वास प्रजातंत्र में हमेशा कायम रहना चाहिए। इसके लिए लगातार सावधान और सचेत रहना है। वैसे भी कई इंडेक्स मे भारत की रैंक गिरती जा रही है, फ्रीडम मे कमी आई है। इसके लिए आत्मचिंतन करना चाहिए,क्योंकि देश में कई सरकारें आई हैं और आगे भी आती रहेंगी।

पीएम नरेंद्र मोदी को चुनाव में हराने के सवाल पर सचिन पायलट ने कहा कि ऐसा क्यों नहीं हो सकता है। कौन सा ऐसा नेता है, जिसे चुनाव मे पराजित नहीं कर सकते हैं। हिमाचल मे चुनाव था, सब बड़े नेता गए, मगर वहां सरकार कांग्रेस की बनी। पायलट ने कहा कि देश का मतदाता ये नहीं चाहता कि नेता ये सोचे कि वोट उसकी जेब में है। मुद्दों पर राजनीति होनी चाहिए, मुद्दे धार्मिक व जज्बाती नहीं होने चाहिए।

पायलट ने कहा कि आज मंत्री खड़े होकर संसद को चलने नहीं दे रहे हैं। मंत्री खुद बाधा डाल रहे हैं। ये सब लोग देख रहे हैं, सही समय पर लोग जवाब देंगे।

सत्तारूढ़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तरफ से हो रहा था लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने सदन को काम करने के वास्ते बातचीत करने के लिये केवल विपक्षी नेताओं को ही बुलाने का निर्णय लिया।

राहुल गांधी सोमवार को चुनाव प्रचार के सिलसिले में दिल्ली से बाहर, कर्नाटक में थे, उनकी पार्टी के सांसदों ने जोर देते हुये कहा कि उन्होंने कोई गलती नहीं की है जिसके लिये माफी माँगी जाये।

शनिवार को, विदेशी मामलों से संबंधित संसदीय समिति की मीटिंग में राहुल गांधी को अवसर मिल गया था जिसका उपयोग करते हुये, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि उन्होंने भारत में लोकतंत्र को बचाने के लिये कहीं भी विदेशी मदद नहीं माँगी।

उन्होंने समिति में मौजूद दो भाजपा सांसदों से कहा था कि वे उनके खिलाफ फैलाई जा रही इस झूठी अफवाह को रोकें।

विंड मिल से टकरा कर कई दुर्लभ पक्षियों की मौत

- पर्यावरण विशेषज्ञों ने इनकी पहचान स्टैपी ईगल, हिमालयन वल्चर के रूप में की है।
- स्थानीय लोगों ने बताया कि, गांवों में जो तालाब है वहां पानी पीने के लिए पक्षी आते हैं और आस-पास लगी विंड मिल्स के पंखों से टकराकर मर जाते हैं।

जैसलमेर, 20 मार्च (नि.सं.)। जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील के छोड़िया व लखमणा गांवों के पास मौजूद पवन चक्कियों (विंड मिल्स) के पंखों से टकराकर कई प्रजातियों के गिद्धों व बाजों मौत हो गई। सोमवार को स्थानीय चरवाहों की सूचना पर पर्यावरण विशेषज्ञों ने इन शवों को देखा।

पर्यावरण विशेषज्ञ राधेश्याम पेमानी विश्नोई और पार्थ जगाणी पक्षियों की पहचान स्टेपी ईगल, हिमालयन गिद्ध और सिनेरियस गिद्ध के रूप में की। सुमेर सिंह भाटी सांवता ने बताया की श्री देगराय मन्दिर ओरण के पीछे जो गांव है वहां कुछ पुराने तालाब हैं, जिनमें पानी पीने के लिये पक्षी आते हैं और आसपास मौजूद पवन चक्कियों के पंखों से टकराकर मारे जाते हैं।

'लिव इन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा एवं जे.बी. पारदीवाला की बैंच ने जानना चाहा कि क्या याचिकाकर्ता उन्हें संरक्षण देने के बहाने, लिव-इन- रिलेशनशिप को रोकना चाहते हैं। इस बात पर खिन्नता व्यक्त करते हुये कि "लोग कुछ भी लेकर" सर्वोच्च न्यायालय चले आते हैं, सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ ने पूछा, "रजिस्ट्रेशन किसके साथ? केन्द्र सरकार के साथ? केन्द्र सरकार को लिव-इन-रिलेशनशिप्स में रह रहे लोगों से क्या लेना-देना?" उन्होंने इस याचिका को खारिज करने से पहले कहा, "हम इस प्रकार के केसों पर जुर्माना करना शुरु कर देंगे। उन्होंने इसे, "मात्र एक अविवेकपूर्ण याचिका" कहते हुये, खारिज कर दिया। एडवोकेट ममता रानी ने मांग की कि केन्द्र को निर्देश दिये जायें कि वह लिव-इन- रिलेशनशिप के लिये नियम बनाये। उन्होंने दलील दी कि अदालत ने लिव-इन-रिलेशनशिप के सदस्यों को कई बार संरक्षण प्रदान किया है, "चाहे वे महिलाएं हों, पुरुष हों, या इस प्रकार सम्बंध से जन्में बच्चे हों।"

चंबल नदी में डूबे दो बालकों के शव और मिले, मृतकों की संख्या 7 हुई

करौली, 20 मार्च (नि.स.)। मंडरायल के रोधई घाट पर चंबल नदी में 17 पद यात्रियों के डूबने के मामले में लगातार तीसरे दिन लापता की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। शेष दो शव सोमवार को चंबल नदी से तलाशी के दौरान बाहर निकाले गए। सुबह करीब 10 बजे बृजमोहन (17) तथा दोपहर करीब 3 बजे लव कुश (12) का शव चंबल से निकाला। इसके बाद सर्च ऑपरेशन समाप्त हो गया।

घटना में शनिवार को 2 लोगों के शव चम्बल नदी में मिले थे। जबकि 5 लापता हो गए और 10 को सुरक्षित बचा लिया था। रविवार को सर्च ऑपरेशन में मृतका अलोपा बाई, रश्मि और रुकमणी का शव चंबल से निकाला गया। लेकिन बृजमोहन और लव कुश के शव नहीं मिले।

- शनिवार को हुई इस घटना में मध्य प्रदेश के 17 जने कैलादेवी के दर्शन करने आ रहे थे तथा चंबल नदी को पैदल पार करते समय डूब गये थे।

सोमवार सुबह एक बार फिर जगडरपुरा गांव में एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस की टीम, स्थानीय लोग और गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जगडरपुरा में चंबल नदी में चल रहे सर्च ऑपरेशन में एसडीएम, तहसीलदार, मंडरायल थाना अधिकारी सहित पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहें। सोमवार को नदी से पदयात्री लवकुश पुत्र थानसिंह एवं बृजमोहन पुत्र पप्पू, का शव निकाला गया। ज्ञात रहे कि, 17 पदयात्रियों का जत्था मध्यप्रदेश से कैलामाता के दर्शन के लिए आ रहा था जो, शनिवार को प्रात चंबल नदी पार करते समय हादसे का शिकार हो गया।

'बंद लिफाफों में इन्फॉर्मेशन देना बंद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया गया था। सी.जे.आई. ने भारत सरकार के सर्वोच्च वकील से कहा कि वे या तो इसे पढ़े या फिर वापस ले जायें।

न्यायमूर्ति चन्द्रचूड़ ने कहा, "हम गोपनीय दस्तावेज़ या सीलबंद लिफाफे नहीं लेंगे तथा मैं व्यक्तिगत रूप से इस (व्यवस्था) के खिलाफ हूँ। अदालत में पारदर्शिता होनी चाहिये। यह (लिफाफा) आदेशों को लागू करने के विषय में हैं। इसमें गोपनीयता की क्या बात है?" उन्होंने कहा कि वे "सीलबंद लिफाफा व्यवस्था" को समाप्त करना चाहते हैं।

उन्होंने एटॉर्नी जनरल से कहा, "अगर सर्वोच्च न्यायालय इस (प्रथा) का अनुसरण करेगा, तो उच्च न्यायालय भी इसका अनुसरण करेंगे।"

मुख्य न्यायाधीश ने सीलबंद लिफाफों को एक बार पुन: "निर्धारित न्यायिक सिद्धांतों के पूरी तरह विरूद्ध" बताया।

उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा, "इसका सहारा केवल तभी लिया जा सकता है, जब यह किसी व्यक्ति के जीवन के लिये खतरा बना रहे स्रोत या सूत्र के बारे में हो।"

इस केस (ओ.आर.ओ.पी.) के बारे में उन्होंने कहा कि अदालत पूर्व सैनिकों को ओ.आर.ओ.पी. एरियर्स के भुगतान से संबंधित सरकार की कठिनाई को समझ रही है लेकिन वह सरकार की कार्य-योजना की जानकारी चाहती है।

इसके बाद एटॉर्नी जनरल ने रिपोर्ट पढ़कर सुना दी।

उन्होंने पढ़कर सुनाया, "बजट इतनी बड़ी राशि एकमुश्त देने की स्थिति में नहीं है। संसाधन सीमित है तथा खर्चों को नियंत्रित करना जरुरी है। वित्त मंत्रालय ने विश्वास में लेने की कोशिश की गई थी किन्तु उसका कहना है कि इतनी बड़ी राशि एकमुश्त देने की स्थिति में नहीं है।"

मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और जे.बी. पारदीवाला की बैंच इस समय ओ.आर.ओ.पी. की बकाया राशि के भुगतान के लिये इंडियन एक्स-सर्विसमैन मूवमैन्ट्स (आई.ई.एस.एम.) की याचिका की सुनवाई कर रही है।

सर्वोच्च न्यायालय ने 13 मार्च को सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुये कहा था कि उसने ओ.आर.ओ.पी. की बकाया राशि को चार किश्तों में अदा करने का "एकपक्षीय" निर्णय कैसे ले लिया।

रक्षा मंत्रालय ने अभी हाल ही में एक हलफनामा तथा एक अनुपालना रिपोर्ट अदालत में पेश की है तथा उसमें पूर्व सैनिकों को 2019 से 2022 तक के एरियर्स के 28,000 करोड़ रू. के भुगतान का सुनिश्चित बताया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पूर्व सैनिकों को ओ.आर.ओ.पी. एरियर्स का टुकड़ों में भुगतान करने के लिये 28 फरवरी, 2024 तक का समय दे दिया क्योंकि केन्द्र ने कहा था कि 28,000 करोड़ रू. की राशि का एकमुश्त भुगतान करने से रक्षा-प्रबंधन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

अदालत ने आदेश जारी कर दिये कि 2019 के बाद के एरियर्स, फैमिली पेंशन पाने वालों तथा गैलेन्ट्री पुरस्कार विजेताओं (कुल 6 लाख लोग) को 30 मार्च तक, 70 वर्ष से अधिक आयु के पूर्व सैनिकों (करीब 4 लाख) को 30 जून तक तथा शेष (10-11 लाख) को 31 अगस्त, 30 नवम्बर तथा 28 फरवरी तक दे दिये जायेंगे।

सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच ने कहा कि यद्यपि बैंच इस बात से नारज थी कि रक्षा मंत्रालय ने ओ.आर.ओ.पी. ऐरियर्स का भुगतान चार किश्तों में करने का एकपक्षीय निर्णय लेते हुये, सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय की अनदेखी कर दी थी कि भुगतान 15 मार्च तक कर दिया जाये, लेकिन अदालत सरकार की मुश्किलों को देखते हुये, यह महसूस करती है कि राष्ट्रहित की अनदेखी नहीं की जाये।

दिल्ली में किसानों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्ज़-माफी तथा पेंशन शामिल हैं, पूरी नहीं की तो एक और आंदोलन शुरु किया जायेगा।

इस विरोध-प्रदर्शन का आयोजन संयुक्त किसान मोर्चा (एस.के.एम.) ने किया था। ज्ञातव्य है कि एस.के.एम. ने ही दिल्ली की सीमाओं पर एक साल तक धरना देकर सरकार को तीन किसान-विरोधी कानून वापस लेने के लिये मजबूर कर दिया था। दोपहर बाद, एस.के.एम. के 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कृषि भवन में कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से भेंट की तथा उन्हें अपना माँग-पत्र (चार्टर ऑफ डिमान्ड) सौंप दिया तथा उन्हें चेतावनी भी दी कि वे किसानों को एक और आंदोलन शुरु करने के लिए बाध्य न करें। किसान नेता दर्शन पाल ने कहा, "ऐसे कई मुद्दे हैं जिनका "समाधान नहीं हुआ है" तथा ये मुद्दे एक और "आंदोलन" की माँग कर रहे हैं। हम 30 अप्रैल को दिल्ली में एक और मीटिंग आयोजित करेंगे। मैं सभी किसान यूनियनों से कहना चाहूँगा कि वे इस मीटिंग से पहले अपने-अपने राज्यों में रैलियाँ तथा पंचायतें करें।" उन्होंने कहा, "हम आये दिन आंदोलन करना नहीं चाहते। अगर सरकार हमारी माँगों पर ध्यान नहीं देगी, तो हम एक और आंदोलन करेंगे, जो कृषि कानूनों के विरोध में किये गये आंदोलन से कहीं बड़ा होगा।"

'चीन के "नैटिज़न" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपनाम किया जाना दुर्लभ है। स्पष्ट रूप से उन्होंने चीन की जनता पर अपनी एक छाप छोड़ दी है।"

क्यू के अनुसार दोनों देशों के सीमा विवाद पर चीन के सोशल मीडिया का प्रयोग करने वाले लोगों ने कठोर और आक्रोशित प्रतिक्रियाएं दी हैं। उनकी धारणा यह है कि भारत ने पश्चिमी देशों का समर्थन लेकर और उसी उद्देश्य से "क्वाड" में शामिल होकर चीन की घेराबंदी कर उसे नियंत्रित कर लिया है।

वह दोनों देशों के मीडिया को एक सलाह देना चाहते हैं, वह यह की चीन और भारत के मीडिया को संयम बरतने की जरूरत है और भारत की एक आधुनिक एवं उदार छवि पेश करनी है ताकि चीन के सामान्य नागरिक को भारत की एक बेहतर छवि प्रस्तुत की जा सके।

यह भारत-चीन संबंधों के लिए निश्चित रूप से सार्थक होगा।

लेख में आगे कहा गया है कि यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध, जिसने अमेरिका और पश्चिमी देशों को रूस के विरूद्ध खड़ा कर दिया है, चीन के अधिकांश लोग ऐसा महसूस करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी का भारत विश्व के बड़े देशों के बीच एक संतुलन स्थापित कर सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ना केवल चीन के इन्टरनैट बल्कि चीन में भी लोकप्रिय हैं। मोदी ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट "सायना वेइबो" के अपने अकाउन्ट के माध्यम से चीन के जनता से भी बातचीत की थी।

यह अकाउन्ट उन्होंने वर्ष 2015 में खोला था और उनके 2.44 लाख से अधिक फोलोअर्स थे। हालांकि सीमा पर हुई झड़प के बाद भारत सरकार ने जब चीन के 59 ऐप्स प्रतिबंधित किए, तब उन्होंने जुलाई 2020 में स्वयं को वेइबो से हटा लिया था। ट्विटर के समकक्ष माने जाने वाले चीन के सिना वेबो के वर्तमान में 582 मिलियन से अधिक एक्टिव यूज़र्स हैं।

इसके अलावा, वर्ष 2014 में केन्द्र में पहली बार सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिन्पिंग की अहमदाबाद में मेजबानी की थी और उनके बाद चीन के पूर्व प्रमुख ली केकियांग की।

द डिप्लोमैट का लेख आगे कहता है कि भारत को लेकर चीन के लोगों के विचार काफी जटिल हैं, लेकिन इसका आधार वर्चस्व और आत्म-विश्वास की भावना है।

लेख यह भी उल्लेख करता है कि चीन के सोशल मीडिया यूज़र्स की राय में पाकिस्तान की अपेक्षा भारत के साथ संबंध अच्छे होने चाहिए क्योंकि उनका मानना है कि अपने सुख-दु:ख के साथी पाकिस्तान का इस्तेमाल करने के चीन के प्रयास अवास्तविक हैं क्योंकि दक्षिण एशिया के दोनों पड़ोसी देशों के बीच की खाई बढ़ती जा रही है।" पाकिस्तान पिछले कुछ समय से राजनीतिक और आर्थिक बदहाली झेल रहा है।

लेख में कहा गया है कि "पिछले नौ वर्षों के तथ्यों से यह साबित हुआ है कि चीन और भारत के बीच सहयोग की बहुत संभावनाएं हैं। उदाहरण के तौर पर भारत के साथ चीन का व्यापार 115 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष है, जो पाकिस्तान के साथ उसके व्यापार 30 बिलियन डॉलर से कहीं अधिक है।

लेख में, पश्चिमी देशों के साथ भारत की बढ़ती लोकप्रियता को लेकर चीन की आशंकाओं का भी उल्लेख है, खासतौर पर अमेरिका के साथ और जहां तक यूक्रेन संकट का प्रश्न है, नई दिल्ली और बीजिंग के विचार मिलते-जुलते हैं।

लेख में आगे बताया गया है कि चीन के सोशल मीडिया यूज़र्स में प्राय: एक ही बात को लेकर चर्चा है कि "भारत पश्चिमी देशों का फेवरेट क्यों है", जबकि चीन पश्चिमी जगत का निशाना बन चुका है। भारत ने यह सब कुछ कैसे किया?

इसका उत्तर यह है कि चीन के अधिकांश लोग वर्चस्व और आत्मविश्वास की भावना से ऐसा महसूस करते हैं कि भारत चीन की अपेक्षा इतना विकसित नहीं हुआ है कि वह पश्चिमी देशों के लिए खतरा बन सके।

सिलिकॉन वैली बैंक को डूबने से बचाने के....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रवैया नहीं रखा बल्कि उन्होंने इसे तुरन्त सहायता प्रदान कर लाइफ लाइन दी। बैंक को डूबने से बचाने के लिए यह एक त्वरित कदम था।

उन्होंने ऐसा क्या किया? अमेरिकी सरकार ने यह आश्वस्त करने के लिए हस्तक्षेप किया कि संकटग्रस्त बैंक के सभी जमाकर्ताओं को अगले सोमवार से अपने फण्ड्स पर पूरा एक्सैस मिलेगा। यह फैडरल इश्योरैं कॉरपोरेशन (एफ.डी.आई.सी.) की डिपॉज़िट इंश्योरैंस कवर्स की सीमा से अधिक था। कॉरपोरेशन अब तक 2 लाख 50 हजार डॉलर्स तक के डिपॉज़िट पर इंश्योरैंस कवर दे रहा था।

तुरन्त प्रभाव से जारी किए गए एक कार्यकारी आदेश से यह सीमा बढ़ाई गई और कहा गया कि सारी जमा राशि का पुनर्भगतान होगा। ऐसी स्थिति में जबकि सरकार जमाकर्ताओं के फण्ड्स के लिए आश्वासन दे रही हो, जमाकर्ताओं को अपने फण्ड्स ना निकालने को लेकर डरने की कोई जरूरत नहीं है।

यह पर्याप्त है। अमेरिका के केन्द्रीय बैंक ने इसके बाद एक उपाय की घोषणा की जिसके और व्यापक प्रभाव रहे होंगे।

दूसरा उपाय यह घोषित किया गया कि यू.एस. फैडरल रिज़र्व अंतिम उपाये के रूप में संकट में फंसे बैंक को अमेरिकी बॉण्ड्स के लिए उनकी फेस वैल्यू के आधार पर फण्ड्स उधार देगा। यह बैंकों की नाज़ुक स्थिति और उनके सुनियोजित जोखिम के मूल कारण को हल करना है।

वैश्विक आर्थिक मंदी के बाद केन्द्रीय बैंकों ने बहुत सस्ती दर पर पैसा उपलब्ध करवाया था लेकिन बैंकों ने यह पैसा अच्छी ब्याज दर पर उधार देने के बजाय सरकारी बॉण्ड खरीद लिए।

जब वित्तीय नीतियां सामान्य होने लगीं ब्याज दर बढ़ने लगी इन बॉण्ड्स का बाज़ार मूल्य घट गया। इसलिए जरूरत पड़ने पर बैंकों को कम दर पर बॉण्ड बेचने पड़े जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ। इन हालात में बैंकों की पूँजी घट गई और वित्तीय क्षमता कमजोर हो गई। यह ही स्थिति है जब बैंक फेल हो जाता है

बड़े बैंक के डूबने की श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया होती है और इसका प्रभाव अन्य बैंकों व समूचे फाइनैशियल सिस्टम पर पड़ता है। लेकिन तब एस.वी.बी. इतना भी बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं था कि इसे डूबने न दिया जाए! तो फिर इसे क्यों बचाया गया?

यह इसलिए किया गया क्योंकि एस.वी.बी. एक विशिष्ट बैंक है और इसका संबंध अमेरिका की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण सैक्टर से है। इसने सिलिकॉन वैली में अमेरिका के टैक्नॉजिकल उद्योग को पाला-पोसा है। आई.टी. सैक्टर की अधिकांश कंपनियों का लेन-देन एस.वी.बी. से ही होता है। एस.वी.बी. के डूबने से इनका पैसा फंस गया है जिससे उनके लिए स्टाफ को वेतन देना भी भारी पड़ सकता है।

सिलिकॉन वैली के इको सिस्टम को बचाने के लिए बैंक को बचाना आवश्यक है जैसा कि लैरी समर्स ने इकोनॉमिस्ट पत्रिका के साथ वार्ता में कहा। दूसरे, जैसा उन्होंने महसूस किया कि यह 21वीं सदी का संक्रमण बन सकता है और इसे रोकना होगा। एक असफलता का असर बहुतों पर पड़ सकता है।

एस.वी.बी. के बाद अमेरिका के एक और बैंक पर ऐसा ही खतरा आया था पर एक अन्य ऑपरेटर ने बैंक को टेक ओवर कर खतरा टाल दिया।

अटलांटिक के पर यूरोपियन बैंकिग का एक प्रतिष्ठित नाम है "क्रेडिट स्वीस"। इसके समक्ष भी डूबने का खतरा उत्पन्न हो गया था पर स्विस सैंट्रल बैंक तुरंत इसके बचाव में आगे आया। बाद में एक अन्य अन्तर्राष्ट्रीय बैंक यू.बी.एस. ने इसका अधिग्रहण कर लिया।

ये सभी घटनाएं भारतीय नीति निर्माताओं व इस क्षेत्र के विचारकों के लिए एक सबक हैं। वित्तीय समझ और संस्थापन की आर्थिक परम्पराओं का अनुसरण करते हुए एक वित्त मंत्री ने फिस्कल प्रूडेस एक्ट के उद्देश्यों को पाने के लिए गंभीर वित्तीय संकुचन की शुरुआत की। वित्तीय अवरोध इतना कठिन था कि अर्थव्यवस्था मानो चीत्कार कर उठी हो।

वित्त मंत्रालय ने निर्धारित किया है कि अगर कोई बैंक बंद होने की स्थिति में हो तो उसमें पैसा जमा करने वालों को बीमा नियमों की सीमा के तहत ही हर्जाना दिया जाएगा, जिससे बैंक में पैसा जमा करने वालों में आशा की लहर दौड़ गई कि अगर बैक डूबे या इसका विलय हो तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ये आम जनता व बचत कर्ताओं के लिए दंडात्मक प्रावधान है। एक बैंक पर भरोसा करने से उनकी जीवन भर की जमा पूँजी छिन सकती है वो भी गलती के बिना।

वित्तीय सैक्टर की विश्वसनीयता एक देश और अर्थव्यवस्था की नींव होती है। एक ऐसे देश जहाँ सोशल सिक्योरिटी नैटवर्क नहीं होता है वहाँ बैंकों में जमा राशि ही जीने का आखिरी सहारा होती है।

इस देश में सरकार को जमाकर्ताओं को सुरक्षा उपलब्ध करवानी चाहिए। कम से कम सरकारी बैंको में तो ऐसा किया ही जाना चाहिए। इससे जमाकर्ता का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

'अभी तक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक मुख्य प्रश्न, सचिन पायलट व अजय माकन द्वारा बार-बार पूछा जा रहा है कि, अब तक सी.एल.पी. मीटिंग क्यों नहीं बुलाई गई है, जबकि छ: महीने बीत गए हैं।

सचिन पायलट न्यूज़ 18 कॉन्क्लेव में आमंत्रित अतिथि थे, जहाँ उनसे राजस्थान तथा राज्य के आगामी चुनावों के बारे में कई प्रश्न पूछे गए।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंभ्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

MARUTI SUZUKI
NEXA
INTRODUCING NEXA BLACK EDITION.
Drive towards exclusive experiences.
CREATE. INSPIRE.
MARUTI SUZUKI
NEXA
NEXA
7
INSPIRING FUTURE
SCAN THE QR CODE TO EXPERIENCE THE WORLD OF NEXA.
SCAN THE QR CODE TO BOOK YOUR TEST DRIVE NOW.
VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO AVAIL EXCITING OFFERS
Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE
JAIPUR: NEXA MANSAROVAR (AURIC MOTORS PH: 8929207442, 7075270752), NEXA VKIA SIKAR ROAD (SATNAM MOTOCORP PVT. LTD. PH: 9116639102), NEXA QUEENS ROAD (KP AUTOMOTIVES PH: 7230030501), NEXA TONK ROAD (PREM MOTORS PVT. LTD. PH: 8058499999), NEXA AJMER ROAD (VIPUL MOTORS PVT. LTD. PH: 9116032607), AJMER: NEXA MAKHUPURA (NAVNEET MOTORS PH: 9116116501, 9116116502), ALWAR: NEXA MANHAR VILLA (FORTUNE CARS PH: 7230029424), BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL (FORTUNE CARS PH: 9214794313), BHILWARA: NEXA SUKHADIA CIRCLE (CHAMPION CARS PH: 8081133333), BIKANER: NEXA JAIPUR ROAD (AURIC MOTORS PH: 7230081665), JHUNJHUNU: NEXA JHUNJHUNU CENTRAL (AURIC MOTORS PH: 7412087314), JODHPUR: NEXA CHOPASNI ROAD (LMJ SERVICES LTD. PH: 7230013811), NEXA SHASTRI CIRCLE (AURIC MOTORS PH: 8875012697), PALI: NEXA PALI SUMERPUR ROAD (LMJ SERVICES PVT. LTD. PH: 7230013801), KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619), NAGAUR: NEXA BIKANER ROAD NAGAUR (SHRI MANGALAM AUTO PVT. LTD. PH: 6399292929), BHARATPUR: NEXA BHARATPUR CENTRAL (TM MOTORS PVT. LTD. PH: 9785838888), SIKAR: NEXA SIKAR JAIPUR ROAD (JAMU AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 9694412777), SRI GANGANAGAR: NEXA GANGANAGAR NORTH (AURIC MOTORS PH: 7412092301), UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250, 8306300695), NEXA CENTRAL UDAIPUR (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580), DAUSA: NEXA JAIPUR AGRA BYPASS DAUSA (VIPUL MOTORS (P) LTD. PH: 9829560109), CHITTORGARH: NEXA CHITTORGARH CENTRAL (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250).
*T&C apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Maruti Suzuki Smart Finance is now available pan-India. Maruti Suzuki Subscribe is available only in selected cities.
Scan to know more.
SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Multiple financiers
Digital Document Upload
Live Loan status
Complete transparency (associated fees & charges)